You Tube kanwhizztimes
@kanwhizztimes lucknow
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स
सिर्फ सच

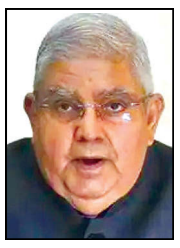

वर्ष-11 | अंक-322 | बुधवार, 27 दिसम्बर 2023 | नगर संस्करण | लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित | मूल्य- ₹ 3.00 | पृष्ठ-12

आज युवाओं के लिए अवसरों की विशाल संभावनाएं मौजूद हैं और वर्तमान परिवेश में कुछ भी असंभव नहीं है। उन्होंने छात्रों को जीवन भर ज्ञान और सीखने की खोज जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि भारत वर्तमान में काफी हद तक स्वामी दयानंद के सपनों का प्रतिबिंब है। जगदीप धनखड़

'इंडिया' गठबंधन का सपना 2024 में धरा ही रह जाएगा : भाजपा 11

उत्तराखंड में ईंट भट्टे की दीवार ढही छह मजदूरों की मौत, दो घायल 12

संक्षेप

उत्तर प्रदेश ऑर्टिस्ट अकादमी अवार्ड से सम्मानित हुईं पाखी और अक्षरा सिंह

मुंबई। भोजपुरी सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री पाखी हेगड़े और अखरा सिंहको उत्तर प्रदेश आर्टिस्ट अकादमी अवार्ड से सम्मानित किया गया है। पाखी हेगड़े को उत्तर प्रदेश आर्टिस्ट अकादमी अवार्ड उत्तर प्रदेश के बड़े आईएएस अधिकारी अवनीश अवस्थी से मिला। पाखी हेगड़े ने बताया कि यह उनके लिए काफी गर्व करने की बात है कि उन्हें उत्तरप्रदेश के इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए चुना गया। इससे उन्हें अपने कार्यक्षेत्र में और बेहतर करने की प्रेरणा मिलेगी और आगे भी कोशिश यही रहेगी कि वह और बेहतर कर सकें जिससे समाज पर इसका बेहतर असर हो और युवाओं की सोंच समाज हित मे कार्य करने के प्रति सकारात्मक हो । अक्षरा सिंह ने उत्तर प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मैं यूपी सरकार द्वारा अपने काम के प्रति समर्पण के कारण दिए गए इस पुरस्कार के लिए चुने जाने पर आभारी हूं। इससे मेरे अंदर और अधिक आत्मविश्वास और जागृति आती है। अक्षरा सिंह ने अवार्ड के साथ तस्वीर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करते हुए लिखा किनितिन मिश्रा सर और अवनीश कुमार अवस्थी सर का बहुत आभारी हूं और बड़ा बड़ा वाला धन्यवाद मेरी ऑडियंस को।

दो आईएएस व तीन पीसीएस इस माह होंगे सेवानिवृत्त

लखनऊ। यूपी कॉडर के दो आईएएस और तीन पीसीएस अधिकारी 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त हो जाएंगे। आईएएस रजनीश गुप्ता और अनिल कुमार मिश्रा सेवानिवृत्त होंगे। रजनीश गुप्ता अपर मुख्य सचिव नागरिक सुरक्षा एवं राजनीतिक पेंशन और सदस्य राजस्व परिषद के पद पर तैनात हैं। अनिल कुमार मिश्रा रजिस्ट्रार राम मनोहर लोहिया विधि विश्वविद्यालय में तैनात हैं। इसके अलावा तीन पीसीएस अधिकारी नंदलाल सिंह, अमृत लाल बिंद और श्याम अवध चौहान 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त होंगे।

किसानों को मार्केटिंग मेकैनिज्म सीखना होगा : धनखड़

नयी दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने किसानों से 'मार्केटिंग मेकैनिज्म' सीखने का आह्वान करते हुए मंगलवार को कहा कि इससे दुनिया का सबसे बड़ा कारोबार कृषि से जुड़ा हुआ है। श्री धनखड़ ने हरियाणा के हिसार में केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि किसान परिवार को बाजार की दिशा में सोचना चाहिए और बाजार को समझना चाहिए। उन्होंने कहा,ल्लकिसान परिवार के कृषक पुत्रों को सोचना पड़ेगा कि दुनिया में सबसे बड़ा व्यापार यदि अगर आज के दिन में कोई है, तो वह कृषि उत्पादन से जुड़ा हुआ है। आप गेहूं को ले लो, चावल को ले लो, बाजरे को ले लो, मिलेट को ले लो... चाहे तो सब्जी को ले लो, फल को ले लो, थोड़ा और आगे जाएं पशुधन में देख लो, दूध को ले लो।

जहाज के हमलावरों को रक्षामंत्री की चेतावनी

समुद्र की गहराई भी ढूंढ निकालेंगे और सख्त कार्रवाई करेंगे : राजनाथ

एजेंसी

मुंबई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि भारत सरकार ने वाणिज्यिक पोत 'एमवी केम प्लूटो' और 'एमवी साईबाबा' पर हाल में हुए हमलों का गंभीरता से संज्ञान लिया है और वह इन हमलों के लिए जिम्मेदार लोगों को समुद्र की गहराई से भी ढूंढकर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी। स्वदेशी युद्धक जहाज आईएनएस इंफाल को नौसेना में शामिल किए जाने के बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि हाल ही में वाणिज्यिक पोतों पर हुए हमलों के बाद भारत ने समुद्र में गश्त बढ़ा दी है।

उन्होंने कहा, '' भारत सरकार ने 'एमवी केम प्लूटो' पर ड्रोन हमले और लाल सागर में 'एमवी साईबाबा' पर हमले की घटना को गंभीरता से लिया है। हाल ही में वाणिज्यिक पोतों पर हुए हमलों को अंजाम देने वालों को हम समुद्र की गहराइयों से भी ढूंढकर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे शनिवार को पोरबंदर से लगभग 217 समुद्री मील की दूरी पर 21 भारतीय चालक दल के सदस्यों वाले वाणिज्यिक जहाज 'एमवी केम प्लूटो' पर एक ड्रोन हमला किया गया था, जिसके बाद भारतीय नौसेना और भारतीय तटरक्षक बल ने जहाज को सहायता प्रदान करने के लिए कई पोत तैनात किये। जहाज अपराह्न साढे तीन बजे मुंबई तट पर पहुंचा। मुंबई के रास्ते में भारतीय तटरक्षक जहाज आईसीजीएस विक्रम ने उसे सुरक्षा प्रदान की। भारतीय चालक दल के 25 सदस्यों के साथ गैबॉन के ध्वज वाले वाणिज्यिक कच्चे तेल के टैंकर पर कथित तौर पर दक्षिणी लाल सागर में ड्रोन हमला हुआ था। भारतीय अधिकारियों ने बाद में स्पष्ट किया कि वाणिज्यिक तेल टैंकर भारतीय ध्वज वाला जहाज नहीं था। इस बीच, नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने कहा कि वाणिज्यिक जहाजों पर समुद्री डकैती और ड्रोन हमलों से निपटने के लिए चार विध्वंसक तैनात किए गए हैं। उन्होंने कहा कि पी-8आई विमान, डोर्नियर्स, सी गार्डियन, हेलीकॉप्टर और तटरक्षक जहाज सभी को समुद्री डकैती और ड्रोन हमलों के खतरों का मुकाबला करने के लिए संयुक्त रूप से तैनात किया गया है।

आईएनएस इम्फाल रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता का प्रतीकः राजनाथ

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नौसेना के नवनिर्मित 'युद्धपोत 'आईएनएस इम्फ़ाल' को रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता का प्रतीक बताते हुए कहा है कि इससे नौसेना की मारक क्षमता कई गुना बढ जायेगी।

श्री सिंह ने मंगलवार को मुंबई में आईएनएस इम्फाल को राष्ट्र को समर्पित करने के मौके पर कहा कि मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद समुद्री क्षेत्र में देश की ताकत बढाने के उद्देश्य से नौसेना को मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा एक लंबे समय तक पश्चिमी और उत्तरी सीमाओं पर जमीनी खतरे को ही तवज्जो दी जाती रही। इसे देखते हुए सेना और वायु सेना पर तो ध्यान दिया जाता था, किंतु नौसेना पर उतना ध्यान नहीं दिया जाता था। लेकिन प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व में, उनके दृष्टिकोण ने नौसेना के महत्व को रेखांकित किया और आज नौसेना पर भी उतना ही ध्यान दिया जा रहा है जितना अन्य दोनों सेनाओं पर। रक्षा मंत्री ने कहा कि यदि हम अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की बात करें तो उत्तर में हिमालय के कारण, और पश्चिम में पाकिस्तान के शत्रुतापूर्ण व्यवहार के कारण वहां से हमारा व्यापार ज्यादा नहीं हो पाता। हमारा ज्यादातर व्यापारिक सामान समुद्र से होकर आता है। इसलिए नौसेना को मजबूत बनाना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा आईएनएस इम्फाल ● शेष पेज 11 पर

22 से बढ़ाकर 25 साल हुई पुलिस आरक्षी भर्ती की आयु सीमा

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

- आयु सीमा में छूट की मांग कर रहे युवाओं को बड़ी राहत
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रमुख सचिव गृह को किया निर्देशित
- योगी सरकार ने 23 दिसंबर को जारी किया था नागरिक पुलिस आरक्षी भर्ती के लिए नोटिफिकेशन
- 16 जनवरी तक इच्छुक युवा कर सकते हैं आवेदन

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहे युवाओं को बड़ी राहत देते हुए इस वर्ष की परीक्षा के लिए आयु सीमा में तीन साल की छूट देने का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद को इस संबंध में निर्देशित करते हुए कहा है कि इस साल की परीक्षा में अधिकतम आयु सीमा 22 वर्ष को बढ़ाकर 25 वर्ष किया जाए। भर्ती नोटिफिकेशन जारी होने के बाद से ही बड़ी संख्या में युवा आयु सीमा को बढ़ाने की मांग कर रहे थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवाओं की मांग को जायज मानते हुए आरक्षी नागरिक पुलिस के पद पर भर्ती के लिए जारी प्रक्रिया में सभी वर्गों के युवाओं के लिए उच्चतम आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट देने का निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने एक्स अकाउंट से इस बात की घोषणा करते हुए कहा कि युवाओं के हितों एवं उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए आपकी सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध ● शेष पेज 11 पर

आरबीआई कार्यालय समेत कई बैंकों को धमाके से उड़ाने की धमकी

मुंबई। मुंबई स्थित भारतीय रिजर्व बैंक, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई समेत कई बैंकों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। ईमेल के जरिए दी गई धमकी में कहा गया है कि आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अपने पद से इस्तीफा दे दें। धमकी भरे ईमेल में कहा गया है कि 11 जगहों पर बम लगाए गए हैं। धमकी मिलने के बाद पुलिस ने तलाशी अभियान चलाया हालांकि कहीं से कोई संदिग्ध सामग्री नहीं मिली है। एमआरए मार्ग पुलिस स्टेशन ने मामला दर्ज करके छानबीन शुरू कर दी है। बता दें कि नया साल शुरू होने से पहले बैंकों को यह धमकी दी गई है। धमकी देने वाले ने आरोप लगाया है कि वित्तम मंत्री निर्मला सीतारमण और आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने इतिहास का सबसे बड़ा घोटाला किया है। ईमेल में यह भी कहा गया था कि दोपहर 1.30 बजे बम धमाके होंगे। रिपोर्ट के मुताबिक धमकीभरे ईमेल में लिखा था, 'मुंबई में हमने अलग-अलग जगहों पर 11 बम लगा दिए हैं। आरबीआई ने प्राइवेट सेक्टर के बैंकों के साथ मिलकर भारत के इतिहास का सबसे बड़ा घोटाला किया है। इस घोटाले में आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास और ● शेष पेज 11 पर

यूट्यूब पर दो करोड़ सब्सक्राइबर्स वाले पहले नेता बने पीएम मोदी

एक महीने में 22 करोड़ व्यूज

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। पीएम मोदी की लोकप्रियता को लेकर कोई संदेह नहीं है। इसका प्रमाण हाल ही में विभिन्न राज्यों में हुए चुनाव में देखने को मिला।

पीएम मोदी की लोकप्रियता का प्रमाण दुनिया के सबसे बड़े वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म यूट्यूब पर भी देखने को मिल रहा है। नरेंद्र मोदी यूट्यूब पर 2 करोड़ सब्सक्राइबर्स पाने वाले पहले वैश्विक नेता बन गए हैं।

यूट्यूब पर सब्सक्राइबर्स और व्यूज के मामले में पीएम मोदी ने दुनिया के अपने तमाम प्रतिद्वंदी नेताओं को काफी पीछे छोड़ा है। पीएम मोदी के यूट्यूब चैनल पर कुल 450 करोड़ व्यूज हैं। पिछले साल फरवरी में मोदी के चैनल के सब्सक्राइबर्स की संख्या ने 1 करोड़ के आंकड़े को पार किया था। मोदी के चैनल पर सबसे पॉपुलर तीन वीडियोज हैं जिनके कुल व्यूज 175 मिलियन हैं। पीएम मोदी के बाद दूसरे नंबर पर ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोलसोनारो हैं जिनके चैनल पर 64 लाख सब्सक्राइबर्स हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की तीसरे नंबर पर हैं जिनके सब्सक्राइबर्स 11 लाख हैं। तीसरे नंबर पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन हैं जिनके यूट्यूब चैनल पर 7,94,000 सब्सक्राइबर्स हैं। केवल दिसंबर 2023 में पीएम मोदी के चैनल का कुल व्यूज 22.4 करोड़ है जो कि एक रिकॉर्ड है।

अयोध्या में मोदी करेंगे रोड शो

अयोध्या। अयोध्या में भव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 30 दिसंबर को अपने प्रस्तावित एक दिवसीय दौरे के दौरान रोड शो में हिस्सा लेंगे।

मण्डलायुक्त गौरव दयाल ने मंगलवार को यहां बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के होने वाले रोड शो का रूट निर्धारित कर लिया गया है और सभी सम्बन्धित विभाग को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए सभी कार्यों को समय से पूर्ण किये जाने के निर्देश दिये गये हैं। उन्होंने बताया कि लोक निर्माण विभाग द्वारा बिंदुवार ड्यूटी तथा सभास्थल पर एयरपोर्ट गेट से एनएच 27 होते हुए लता मंगेशकर चौक तक तथा लता मंगेशकर चौक से अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन तक लगातार सम्बन्धित के दायित्व निर्धारित किये गये हैं। दयाल ने बताया कि प्रधानमंत्री का रोड शो एयरपोर्ट गेट से लेकर सरयू सलिला नयाघाट, लता मंगेशकर चौक होते हुए अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन तक करीब 15 किमी का है जिसके लिये तैयारियां अंतिम मुकाम पर हैं।

पुरानी पेंशन देने के एकल जज के फैसले पर डबल बेंच लगाई रोक

यूपी सरकार की विशेष अपील मंजूर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट के दो जजों की स्पेशल अपील बेंच ने उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से दाखिल विशेष अपील पर एकल जज द्वारा पारित उस आदेश पर रोक लगा दी है, जिसके द्वारा सिंचाई विभाग (जल संसाधन) से रिटायर कर्मचारी को उसकी दैनिक वेतन तथा वर्कचार्ज सेवाओं को जोड़कर पुरानी पेंशन देने का निर्देश दिया गया था।

हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद दैनिक वेतन भोगी अथवा वर्कचार्ज के रूप में काम करके बाद में नियमित हुए कर्मचारियों को उसके नियमितीकरण से पूर्व की सेवाएं नहीं जोड़े जाने का रास्ता साफ हो गया। एकल जज ने कर्मचारी के पक्ष में आदेश पारित कर निर्देश दिया था कि याची को दैनिक वेतन तथा वर्कचार्ज के रूप में किए कार्य को भी जोड़कर उसे पुरानी पेंशन का लाभ दिया जाए। यह आदेश जस्टिस अश्वनी कुमार मिश्र एवं जस्टिस एस एच ए रिजवी की खंडपीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार के सचिव सिंचाई (जल संसाधन) विभाग की तरफ से दाखिल विशेष अपील पर पारित किया है। विशेष अपील दाखिल कर एकल जज के 3 जुलाई 2023 के आदेश को चुनौती दी गई थी। एकल जज ने सिंचाई विभाग (जल संसाधन) मिर्ज़ापुर से रिटायर कर्मचारी अवधेश कुमार श्रीवास्तव की याचिका पर उसके पक्ष में आदेश पारित कर निर्देश दिया था कि याची की डेली वेजर तथा 1997 से 2011 तक वर्कचार्ज की सेवाओं को जोड़कर पुरानी पेंशन का लाभ दिया जाए। हाईकोर्ट के एकल जज ने यूपी रिटायरमेंट बेनिफिट रूल्स 1961 के नियम दो को असंवैधानिक बताते हुए कहा था कि वर्क चार्ज के रूप में दी गई सेवाओं को न जोड़ने का कोई युक्तियुक्त औचित्य प्रतीत नहीं होता। प्रदेश सरकार की विशेष अपील पर पक्ष रखते हुए अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल एवं अपर मुख्य स्थायी अधिवक्ता रामानंद पांडेय का कहना था कि विनियमितीकरण के पूर्व कि याची की सेवाएं यूपी रिटायरमेंट बेनिफिट रूल्स, 1961 के तहत किसी वैधानिक प्रावधान के अंतर्गत नहीं की गई थी। कहा गया था कि याची की सेवा में एंट्री उसके विनीयमितीकरण की तिथि से मानी जाएगी न कि उसके डेली वेजर अथवा वर्क चार्ज के रूप में की गई सेवा की तिथि से जोड़ी जाएगी। हाईकोर्ट के दो जजों की विशेष अपील बेंच ने ● शेष पेज 11 पर

खेल रत्न और अर्जुन पुरस्कार वापस करेंगी विनेश फोगाट

पीएम मोदी को लिखा खुला पत्र

एजेंसी

नई दिल्ली। कुश्ती महासंघ के चुनाव और यौन उत्पीड़न के आरोपी भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के करीबी संजय सिंह के अध्यक्ष चुने जाने के बाद खिलाड़ियों ने एक बार फिर मोर्चा खोल दिया। इसका असर यह हुआ कि खेल मंत्रालय ने संघ को निलंबित कर दिया। हालांकि खिलाड़ियों का गुस्सा शांत नहीं हुआ है। साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया के बाद अब विनेश फोगाट ने भी बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खुला पत्र लिखते हुए अर्जुन पुरस्कार और खेल रत्न को वापस करने का ऐलान कर दिया है।

फोगाट ने अपने पत्र में लिखा, हमारी जिंदगियां उन फैंसी किताबों जैसी नहीं है। कुश्ती की महिला पहलवानों ने पिछले कुछ सालों में जो भोगा है उससे समझ आता ही होगा कि हम कितान घुट घुटकर जी रही हैं। अब साक्षी ने भी संन्यास ले लिया है। जो शोषण करने वाले हैं उसने भी अपना दबदबा रहने की मुनादी कर दी है। बल्कि बहुत ही भौंडे तरीके से नारे भी लगवाए। आप सिर्फ पांच मिनट निकालकर उस आदमी के मीडिया को दिए गए बयानो को सुन लीजिए। आपको पता लग जाएगा कि उसने क्या किया है। उसने महिला पहलवानों को मंथरा बताया। उसने महिला पहलवानों को असहज कर देने की बात टीवी पर कबूली। उससे ज्यादा गंभीर है कि उसने कितनी ही महिला पहलवानों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। यह बहुत ही भयावह है। विनेश ने आगे लिखा, इस घटनाक्रम को भूलना ● शेष पेज 11 पर

वीर बाल दिवस पर मुख्यमंत्री आवास में सीएम योगी ने किया श्रीगुरु ग्रंथ साहिब का स्वागत

सिख गुरुओं से जुड़े प्रत्येक स्थल का होगा कायाकल्प : योगी

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

साहिबजादों के बलिदान की गाथा हर बच्चे और युवा को सुनाई जानी चाहिए : योगी आदित्यनाथ

सिर माथे पर गुरु ग्रंथ साहिब को धारण कर चले मुख्यमंत्री

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक मंडल और जनपद स्तर पर वीर बालकों का सम्मान किया जाना चाहिए। साथ ही प्रदेश में सिख गुरुओं से संबंधित सभी स्थलों को चिह्नित कर उनके विकास के लिए कार्य किए जाएंगे। गुरु गोविंद सिंह ने अपने चार-चार पुत्र देश और धर्म की रक्षा करते हुए बलिदान कर दिए। जब गुरु गोविंद सिंह से पूछा गया कि आपके चार पुत्र शहीद हुए, उस समय उनके मुख से यही निकला था कि चार हुए तो क्या हुआ, जीवित हुए हजार।

ये बातें मुख्यमंत्री ने मंगलवार को सीएम आवास में आयोजित विशेष संकीर्तन कार्यक्रम के दौरान कहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का अवसर हैं। मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित कार्यक्रम में सिख गुरुओं को नमन करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि वीर बाल दिवस हमें सिख गुरुओं के बलिदान को याद दिलाता है। गुरु गोविंद सिंह के चारों पुत्र धर्म और देश की रक्षा के लिए हंसते-हंसते प्राणों की आहुति दे दी। यह इतिहास युवा पीढ़ी तक पहुंचाना होगा, ताकि वे अपने बलिदानियों की गौरवगाथा के बारे में जानें। मुख्यमंत्री ने अपने आवास में गुरु ग्रंथ साहिब का स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने गुरु ग्रंथ साहिब को सिर-माथे पर धारण कर उन्हें मुख्यमंत्री आवास में आसीन कराया।

मुख्यमंत्री ने लखनऊ के सिखों को धन्यवाद देते हुए कहा कि सभी ने 2020 से लगातार इस बात को उठाया कि भारत के इतिहास में सर्वोच्च बलिदान देने वाले साहिबजादों को आखिर क्यों विस्मृत कर दिया गया। जिन साहिबजादों के बलिदान दिवस को बाल दिवस के रूप में मनाना चाहिए, उसकी जगह किसी और घटना को बाल दिवस से जोड़ दिया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिख गुरुओं का बलिदान व्यक्तिगत या परिवार के लिए नहीं था। उनका बलिदान देश और धर्म के लिए था। गुरु नानक भक्ति में रमे हुए एक संत थे। भक्ति का जागरण करते थे, निर्भीकता उनका गुण था। बाबर को चुनौती देने का कार्य उन्होंने उस कालखंड में किया था। सिख गुरुओं ने कभी चैन से बैठकर अपने स्वयं के लिए नहीं सोचा। देश के अलग-अलग क्षेत्रों में गुरुओं द्वारा कई परंपराएं शुरू की गईं। कहीं लंगर की परंपरा शुरू हुई तो कहीं सरोवरों के माध्यम से नई प्रेरणा प्रदान की गई। गुरु अर्जन देव ने जहांगीर के अत्याचारों का डटकर मुकाबला किया। तो कश्मीरी पंडितों पर होने वाले वाले अत्याचारों के खिलाफ गुरु तेग बहादुर ने स्वयं को बलिदान कर दिया। दुनिया में अंदर हमें ऐसा अद्भुत इतिहास कहीं नहीं देखने को मिलता है कि गुरु गोविंद सिंह जो एक बलिदानी पिता के पुत्र हैं और अपने चार पुत्रों को भी उन्होंने देश और धर्म के लिए बलिदान कर दिया।

सीएम ने कहा कि गुरु ग्रंथ साहिब हमें परिश्रम और पुरुषार्थ के साथ देश और धर्म के लिए सब कुछ न्यौछावर करने की प्रेरणा देता है। आज मुगलों के घर कोई दिया जलाने वाला नहीं बचा है। हमारे स्कूली बच्चों के सामने साहिबजादों का इतिहास आना ही चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर एक शिष्य सिख है, जो भी गुरु परंपरा से जुड़ा है वो एक सिख है। हमें आने वाली पीढ़ि तक साहिबजादों के पौरुष, परिश्रम और विपरीत परिस्थितियों में भी मार्ग से विचलित न होने ● शेष पेज 11 पर

40 लाख करोड़ का निवेश, 1 करोड़ से ज्यादा रोजगार अवसरों का सृजन

- 1 ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी बनने की ओर मजबूती से बढ़े उत्तर प्रदेश के कदम
- उत्तर प्रदेश में व्यापक निवेश के साथ ही औद्योगिक परिवेश में परिवर्तन का साल रहा वर्ष 2023
- सीएम योगी के विजन ने प्रदेश के समेकित विकास का मार्ग किया प्रशस्त, राज्य के हर जिले में औद्योगिक गतिविधियों में आई तेजी
- ललितपुर बल्क ड्रग पार्क, उत्तर प्रदेश डिफेंस कॉरीडोर, पूर्वांचल इंडस्ट्रियल कॉरीडोर, लखनऊ एआई सिटी व बुंदेलखंड में नए औद्योगिक शहर के विकास का मार्ग हुआ प्रशस्त
- फॉर्च्यून लिस्ट में शामिल दुनिया की टॉप 500 कंपनियों में से 14 की बढ़ी उत्तर प्रदेश में उपस्थिति, योगी सरकार की निवेश व औद्योगिक प्रोत्साहन नीतियां बनीं जरिया

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाने का सपना देखने वाली योगी सरकार ने वर्ष 2023 में अपने प्रदर्शन से साबित कर दिया कि जल्द ही यह सपना हकीकत की शक्ल लेने वाला है। सीएम योगी की विजनरी नीतियों और कुशल प्रबंधन के फलस्वरूप प्रदेश में अब तक 40 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव आ चुके हैं। वर्ष 2023 के फरवरी महीने में ग्लोबल इनवेस्टर समिट के आयोजन के उपरांत प्रदेश में निवेश की सतत प्रक्रिया जारी है। इससे प्रदेश में एक करोड़ युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे। इन निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने का कार्य भी तेजी से जारी है और वर्ष 2024 के शुरुआती महीनों में ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी) 2024 के प्रथम चरण के जरिए 15 लाख करोड़ रुपए के निवेश को धरातल पर उतारने की तैयारी है। आइए, जानते हैं उन परियोजनाओं के बारे में जिन्होंने वर्ष भर सुर्खियां बटोरीं और तेजी से धरातल पर उतरने की ओर अग्रसर हैं....

बल्क फार्मा व ड्रग पार्क, ललितपुर ललितपुर के कुल 5 गांवों में 1472 एकड़ में फैले बल्क ड्रग फार्मा पार्क में दो फ़ेज में विकास का खाका खींचा गया है। फिलहाल, पहले फ़ेज के तहत 300 एकड़ क्षेत्र में डीटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट, मैपिंग, सॉयल सैंपलिंग व अवसंरचनात्मक विकास की प्रक्रिया को पूर्ण किया जा रहा है।

फिल्म सिटी, लॉजिस्टिक्स पार्क, मेडिकल डिवाइस पार्क, डाटा सेंटर, इलेक्ट्रॉनिक मैनुफैक्चरिंग क्लस्टर, डेडिकेटेड एमएसएमई एपेरल, हैंडीक्राफ्ट व टॉय पार्क, ग्रेटर नोएडा ग्रेटर नोएडा के सेक्टर 21 में फिल्म सिटी का विकास विभिन्न चरणों में जारी है। लॉजिस्टिक्स पार्क, मेडिकल डिवाइस पार्क, डाटा सेंटर पार्क व इलेक्ट्रॉनिक मैनुफैक्चरिंग क्लस्टर्स में निवेशकों को भूमि आवंटन व अवसंरचनात्मक विकास की प्रक्रिया जारी है। इलेक्ट्रॉनिक मैनुफैक्चरिंग क्लस्टर में दिग्गज कंपनियों को संयंत्र स्थापित करने के भूमि आवंटन व अन्य प्रक्रियाओं को पूर्ण करने पर फोकस किया जा रहा है।

वहीं, डेडिकेटेड एमएसएमई एपेरल, हैंडीक्राफ्ट टॉय पार्क में इंडस्ट्रियल व कमर्शियल स्पेसेस के विकास की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इन प्रोजेक्ट्स से संबंधित भूमि आवंटन स्कीम्स व विकास की तमाम प्रक्रियाओं को यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण, ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण व उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा पूर्ण किया जा रहा है। एआई सिटी, लखनऊ लखनऊ के नादरगंज में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सिटी के विकास की प्रक्रिया शुरू हो गई है। यूपी इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीएलसी) ''यूपी इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण नीति (यूपीईएमपी)'' के अंतर्गत इस प्रस्तावित शहर का विकास करेगा जिसके पहले फ़ेज में 40 एकड़ के लैंड पार्सल में एआई बेस्ड साइबर सिटी का निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना के तहत आईटी कंपनियों के लिए ग्रेड-ए सर्टिफाइड कमर्शियल स्पेस, स्टेट ऑफ द आर्ट डाटा सेंटर, ग्रेड-ए फ्लेक्सिबल वर्क प्लेसेस व टेक लैब्स के निर्माण का मार्ग प्रशस्त होगा। वहीं, कमर्शियल स्पेसेस के साथ लग्जरी व अफोर्डे बल हाउसिंग रेसिडेंशियल कॉम्पलेक्स, रीक्रिएशन एरिया, हरित क्षेत्र समेत कई वर्ल्ड क्लास एमिनिटीज के निर्माण का रास्ता भी साफ होगा। गीडा प्लास्टिक व टॉय पार्क, गोरखपुर गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) द्वारा प्लास्टिक व टॉय पार्क के विकास की प्रक्रिया भी कई चरणों में जारी है। यहां कई संयत्र स्थापित किए जा चुके हैं जबकि कइयों के विकास का काम जारी है। प्राधिकरण द्वारा वर्ष 2023 में कई प्लॉट आवंटन स्कीम्स के जरिए इस परियोजना में निवेशकों को संयंत्र लगाने के लिए प्लॉट आवंटित किए गए हैं तथा यहां संयंत्र लगाने वाले निवेशकों को राज्य सरकार की ओर से तमाम प्रोत्साहन व अन्य जरूरी सहूलियतें उपलब्ध कराई जा रही है। उत्तर प्रदेश डिफेंस कॉरिडोर देश की रक्षा जरूरतों को पूरा करने व इस क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उत्तर प्रदेश में डिफेंस कॉरीडोर के अंतर्गत ब्राह्मोस मिसाइल्स से लेकर विभिन्न प्रकार के डिफेंस इक्विपमेंट्स की मैनुफैक्चरिंग आने वाले वर्षों में की जाएगी। इस उद्देश्य से वर्ष 2023 में उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) द्वारा डिफेंस कॉरिडोर के अंतर्गत निर्धारित विभिन्न क्षेत्रों में सर्वे तथा एयर, वॉटर व सॉयल टेस्टिंग की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। इनके पूर्ण होने के बाद उम्मीद की जा रही है कि वर्ष 2024 में परियोजनाओं को गति मिलेगी। पूर्वांचल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर उत्तर प्रदेश में 5 एक्सप्रेसवे के किनारे 5800 हेक्टेयर में 30 इंडस्ट्रियल कॉरिडोर्स के विकास की प्रक्रिया वर्ष 2023 में शुरू की गई है। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) द्वारा आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे व गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे इन कॉरिडोर्स का विकास किया जा रहा है। इसमें पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के किनारे 5 साइट्स की 1586 हेक्टेयर भूमि पर 2300 करोड़ रुपए की लागत से पूर्वांचल इंडस्ट्रियल कॉरीडोर का विकास किया जा रहा है। इसी प्रकार, गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे 11 साइट्स की 1522 हेक्टेयर भूमि पर 2300 करोड़ रुपए की लागत से, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के किनारे 6 साइट्स की 1884 हेक्टेयर भूमि पर 1500 करोड़ रुपए की लागत से, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के किनारे 5 साइट्स की 532 हेक्टेयर भूमि पर 650 करोड़ रुपए की लागत से तथा गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के किनारे 2 साइटों की 345 हेक्टेयर भूमि पर 320 करोड़ रुपए की लागत से इंडस्ट्रियल कॉरीडोर्स के विकास की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। बुंदेलखंड इंडस्ट्रियल सिटी (बीडा) बुंदेलखंड के विकास को लक्षित करते हुए वर्ष 2023 में झांसी के पास नोएडा के तर्ज पर एक अन्य औद्योगिक शहर व प्राधिकरण के विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ। बुंदेलखंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (बीडा) की शक्ल में इस शहर को झांसी के 33 गांवों की भूमि समाहित कर 35000 एकड़ में बसाने की प्रक्रिया जारी है। साथ ही, प्राधिकरण के संचालन के लिए प्रशासनिक संगठनात्मक प्रक्रिया भी जारी है।

शादी का झांसा देकर नाबालिग से दुष्कर्म, मुक़दमा दर्ज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रहीमाबाद/लखनऊ। शादी का झांसा देकर किशोरी से दुष्कर्म करने के मामले में किशोरी की मां ने रहीमाबाद थाने पर युवक के विरुध दुष्कर्म,एससी एसटी सहित पाक्सो एक्ट के तहत मुक़द्मा दर्ज कराया है। रहीमाबाद थाना क्षेत्र के गांव निवासिनी महिला ने विगत 24 दिसम्बर को थाने पर तहरीर दी थी कि उसकी बड़ी पुत्री का विवाह बंथरा थाना क्षेत्र दर्दईयाखेड़ा मजरा कुडौनी में हुआ था। उसकी पुत्री का देवर अमरेश यादव, अपनी मौसी ममता व साथी सतीश व मोहित के साथ हमेशा आते जाते रहते है। महिला का आरोप है कि विगत जुलाई माह में अमरेश अपने साथी सतीश व मोहित के साथ आया था। अमरेश मेरी 16 वर्षीय पुत्री को कोठरी में ले जाकर उसके साथ अश्लीलता की। साथ ही जान से मारने की धमकी देकर भाग गया था। उसके कुछ दिन बाद फिर अमरेश ने फोन किया। मेरी पुत्री के बात न करने पर अमरेश की मौसी घर आकर 500 रुपऐ देकर बात करने, मिलते रहने की बात कहकर शादी कराने की बात कही। जिसके बाद अमरेश शादी का झांसा देकर महिला की पुत्री के साथ गलत काम करता रहा। विगत 16 दिसम्बर को किशोरी की मां ने रात करीब 8 बजे अमरेश को देख लिया। जिसके बाद अमरेश यादव अपने साथी मोहित व सतीश के साथ डाला से भाग गया। जिसकी तहरीर किशोरी की मां ने रहीमाबाद थाने पर 24 दिसम्बर को दी। जिसमें युवक अमरेश के पिता पर भी जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। रहीमाबाद पुलिस ने किशोरी की मां की तहरीर पर दुष्कर्म, पाक्सो एक्ट सहित कई अन्य गंभीर धाराओं में अभियोग दर्ज कर किशोरी का मेडिकल परीक्षण कराने में जुट गयी है। इस सम्बन्ध में सहायक पुलिस आयुक्त वीरेन्द्र विक्रम ने बताया कि किशोरी की मां की तहरीर पर अभियोग पंजीकृत कर मेडिकल कराया जा रहा है। अग्रिम कार्यवाई की जा रही है।

बिजली महकमें में वन नेशनल वन लाइसेंस के लिए एडवाइजरी जारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। आने वाले दिनों में यूपी सहित समूचे देश में बिजली से जुड़ी परियोजनाओं का काम तेजी से पूरा किया जा सकेगा। भारत सरकार विद्युत मंत्रालय ने बिजली परियोजनाओं से जुड़े कामों के लिए 'वन नेशन वन लाइसेंस की व्यवस्था लागू किए जाने की एडवाइजरी जारी कर दी है। जिसे राज्यों को भेजा गया है। इस एडवाइजरी के मुताबिक अब किसी भी एक राज्य में एक लाइसेंस के आधार पर ठेकेदार देश के सभी राज्यों के टेंडर में हिस्सा ले सकेगा।

एडवाइजरी के मुताबिक ठेकेदार व निर्माण एजेंसियां एक ही लाइसेंस के आधार पर देश के अन्य राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के ठेके में शामिल हो सकेंगे। अन्य राज्यों व यूटी के ठेके के लिए ठेकेदारों को संबंधित प्रदेश के विद्युत सुरक्षा निदेशालय से अलग से लाइसेंस नहीं लेना होगा।

इस व्यवस्था से स्थानीय ठेकेदारों की मोनोपोली बिजली से जुड़ी योजनाओं व परियोजनाओं में समाप्त होगी। किसी भी प्रदेश का ठेकेदार या निर्माण से जुड़ी एजेंसी अब दूसरे राज्यों में काम आसानी से पा सकेंगे। नई व्यवस्था के मुताबिक, ठेकेदार यदि किसी ऐसे प्रदेश में काम के लिए टेंडर में हिस्सा ले रहा है, जहां के लिए उसका लाइसेंस नहीं है तो टेंडर प्रक्रिया के तहत 15 दिनों के अंदर संबंधित राज्य के विद्युत सुरक्षा निदेशालय से उसके लाइसेंस के संबंध में वेरीफिकेशन किया जाएगा।

जानकारी के मुताबिक ऊर्जा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा 29 सितंबर को इस व्यवस्था के लिए आहूत बैठक में अधिकांश राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों ने इस व्यवस्था को लागू करने में सहमति दी थी। बिजली वायरमैन, सुपरवाइजर लाइसेंस होल्डर के लिए पहले से यह व्यवस्था लागू है।

ये होंगे लाभ

बिजली परियोजनाएं समय से पूरीं हो सकेंगी, ठेकेदारों के लिए खुल जाएगा पूरा देश।

नुकसान

बड़ी फर्म व एजेंसियों की पहुंच छोटी परियोजनाओं तक हो जाएगी, छोटे-छोटे कामों में भी बड़ी संख्या में आएंगे आवेदन।

युवती को बहला फुसला कर भगा ले जाने का आरोप, मुकदमा दर्ज

मलिहाबाद/लखनऊ। कास्मेटिक दुकान संचालिका को गांव के ही युवक ने अपने दो अन्य भाइयों के साथ मिलकर बहला फुसलाकर भगा ले गया। जानकारी होने पर युवती के पिता ने थाने पर रिपोर्ट दर्ज करायी है। मलिहाबाद थाना के एक गांव निवासिनी की पड़ोसी गांव गढ़ी संजर खां चौराहे पर कास्मेटिक की दुकान है। जहां वह प्रतिदिन जाती थी। विगत 23 दिसंबर को भी वह अपने दुकान पर गयी थी। जब शाम तक घर वापस नहीं गयी तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। जिस पर उन्हें पता चला कि युवती ने 2 बजे ही दुकान बंद कर दी थीयुवती के पिता ने 25 दिसंबर को मलिहाबाद थाने में गांव के ही युवक रोहित पर बहला फुसलाकर भगा ले जाने की रिपोर्ट दर्ज करायी है। साथ ही युवक के दो भाइयों राहुल व रिंकू पर सहयोग करने का भी आरोप लगाया है।मलिहाबाद पुलिस ने बालिका के पिता की तहरीर पर अभियोग दर्ज कर आरोपी व बालिका की तलाश शुरू कर दी है।

विवाहिता को प्रताड़ित कर रहे ससुरालजनों पर दहेज़ उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज

रहीमाबाद/लखनऊ। दहेज की मांग को लेकर ससुरालीजनों से प्रताड़ित विवाहिता ने ससुरालीजनों से परेशान होकर पति सहित 6 लोगों पर दहेज उत्पीड़न का अभियोग पंजीकृत कराया है। रहीमाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम भतोइया निवासिनी रुखसार का विवाह करीब 4 वर्ष पूर्व हरदोई जनपद के थाना बघौली के मोहल्ला आजादनगर (हड्डीनपुरवा) निवासी सलीम उर्फ गोरे के साथ हुआ था।शादी के थोड़े समय बाद से ही दहेज की मांग को लेकर विवाहिता को ससुरालीजन प्रताड़ित करने लगे। ससुरालीजनों की प्रताड़ना से परेशान होकर विवाहिता ने रहीमाबाद थाने पर पति सलीम उर्फ गोरे, सास जाकिरा,ननद शबनम, ननदोई हरीश,जेठ शकील अहमद व जेठानी दरकशा पर दहेज उत्पीड़न का अभियोग पंजीकृत कराया है। रहीमाबाद पुलिस ने महिला की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

नशेड़ी ने युवती पर ईंट से किया हमला फूटा सिर, मामला दर्ज

नगराम, लखनऊ। नगराम क्षेत्र के देवी खेड़ा गांव में एक नशेड़ी युवक ने युवती के साथ गाली-गलौच करते हुए ईंट से हमला कर दिया, जिसमें युवती का सिर फूट गया। घायल युवती को इलाज हेतु सीएचसी नगराम लाया गया। मामले में पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच-पड़ताल में जुटी है। नगराम थाना क्षेत्र देवी खेड़ा गांव निवासी शिवानी ने मंगलवार को आरोपी के विरुद्ध थाना में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि मंगलवार की शाम लगभग 4 बजे वह अपने छत पर थी तभी उसके गांव का विनोद नशे में आया और अपशब्दों व गाली-गलौज करने लगा विरोध करने पर उसने ईंट से उस पर हमला कर दिया जिससे उसके सिर में गंभीर चोट आई है। नगराम थाना प्रभारी विवेक चौधरी ने बताया कि युवती की तहरीर के आधार पर आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

एसजीपीजीआई और सीएसआईआर सीडीआरआई के बीच हुआ एमओयू

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान लखनऊ और सीएसआईआर सेंट्रल ड्रग रिसर्च इंस्टीट्यूट के बीच एक समझौता ज्ञापन एमओयू किया गया। राज्यमंत्री, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, डा जितेंद्र सिंह की उपस्थिति में एसजीपीजीआई के निदेशक डॉ आर के धीमन ने एसजीपीजीआई लखनऊ की ओर से और सीएसआईआर सीडीआरआई की निदेशक डॉ राधा रंगराजन ने सीएसआईआर सीडीआरआई लखनऊ की ओर से समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

मार्गशीर्ष की पूर्णिमा पर हुई मां गोमती की आरती

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। श्री मनकामेश्वर मठ मंदिर के तत्वावधान में मार्गशीर्ष की पूर्णिमा पर मां गोमती की आरती की गई। डालीगंज गोमती तट स्थित उपवन घाट पर महंत देव्यागिरी के नेतृत्व में 11 वेदियों से आरती की गईं। इससे पहले घाट पर मंदिर की मुख्य कार्यकर्ता उपमा पाण्डेय के नेतृत्य में अन्य सेवादारों ने रंगोली सजाई। महंत देव्यागिरी महाराज के अलावा अन्य वेदियों पर संदीप, अश्वनि कश्यप, अनूप शर्मा, रवि चंचल, प्रमोद मिश्रा, रामचंद्र सिंह, गौरव शुक्ला, मोहित यादव ने आरती की।

नेशनल यूनानी डॉक्टर्स वेलफ़ेयर एसोसिएशन ने आयोजित की शोक सभा

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। नेशनल यूनानी डॉक्टर्स वेलफ़ेयर एसोसिएशन के द्वारा आयोजित एक शोक सभा में भारत सरकार के पूर्व यूनानी सलाहकार, पूर्व डीजी सीसीआरयूएम एवं आयुर्वेदिक तथा यूनानी तिब्बिया कॉलेज के प्रोफ़ेसर डा रईसउर्रहमान के आकस्मिक निधन पर उनकी उपलब्धियों को याद करते हुए एनयूडीडब्लूए के अध्यक्ष डा एस मुईद अहमद ने कहा कि प्रो रईसउर्रहमान एक बेहतरीन शिक्षक तथा कुशल प्रशासक थे उनके कार्यकाल में यूनानी चिकित्सा के क्षेत्र में बहुत तरक्की हुई विशेषकर यूनानी की स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा हेतु उनके प्रयास सराहनीय हैं, उनके निधन से यूनानी जगत को अपूरणीय क्षति हुई है।

ट्रेन दुर्घटना में दो व्यक्तियों की मौत

मोहनलालगंज लखनऊ। मोहनलालगंज क्षेत्र में ट्रेन दुर्घटना में दो व्यक्तियों की मौत हो गई सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मोहनलालगंज रेलवे स्टेशन के पॉइंट मैन नीरज कुमार ने पुलिस को सूचना देते बताया कि ट्रेन संख्या 13009 से अतरौली क्रॉसिंग के पास ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्त की मौत हो गई है म्सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त कराई मृतक की पहचान इजहार पुत्र अब्दुल सत्तार उम्र लगभग 58 वर्ष निवासी ग्राम रामपुर सुदौली थाना बछरावां के रूप में हुई । वहीं दूसरी ट्रेन दुर्घटना में पुलिस द्वारा जानकारी के मुताबिक कनकहा रेलवे स्टेशन के प्वाइंट मैन पवन कुमार ने पुलिस को सूचना देते हुए बताया कि कनकहा रेलवे स्टेशन के गेट संख्या 191 के पास एक अज्ञात व्यक्ति का शव रेलवे ट्रैक पर पड़ा हुआ है सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया लेकिन उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मॉर्चरी भेज दिया ।

ट्रक ने स्कूटी सवार को मारी टक्कर मौत

मोहनलालगंज लखनऊ। मोहनलालगंज क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में एक ट्रक ने स्कूटी सवार को जोरदार टक्कर मार दी टक्कर लगने से एक की मौत हो गई सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गढ़ी चुनौटी थाना बंथरा निवासी जितेंद्र प्रताप सिंह ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि रविवार की दोपहर मेरे पिता महेंद्र सिंह लखनऊ से रायबरेली की ओर जा रहे थे तभी कस्बा मोहनलालगंज के सीएससी अस्पताल मोड़ के पास तेज रफ्तार से आ रहे ट्रक यूपी 71 टी 8484 के अज्ञात चालक ने लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए मेरे पिता की स्कूटी यूपी 32 के ई 1049 जोरदार टक्कर मार दी टक्कर लगने से मेरे पिता महेंद्र को गंभीर चोटे आई जिनको नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर ट्रक और चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

यूपी सरकार के पास नहीं बची है मानवीय संवेदना: अखिलेश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार पर मानवीय संवेदनाओं को ताक में रखने का आरोप लगाते हुये समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार दिखावे के बड़े-बड़े आयोजनों की चकाचौंध से जनता को सिर्फ गुमराह करने की कुचेष्टा कर रही है। श्री यादव ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि भाजपा सरकार में जरा भी मानवीय संवेदना शेष नहीं रह गई है। ठंड का प्रकोप चल रहा है। अस्पतालों में मरीजों की भीड़ है, दिल और सांस के मरीजों की कतारें लगी है। शासन-प्रशासन की ओर से न तो रैन बसेरा स्थापित हैं और नहीं ठंड से ठिठुरते बच्चों के लिए गर्म कपड़ों की व्यवस्था हुई है। सरकार दिखावे के बड़े-बड़े आयोजनों की चकाचौंध से जनता को सिर्फ गुमराह करने की कुचेष्टा कर रही है।

उन्होने कहा कि स्वास्थ्य सेवाएं ध्वस्त हैं, लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ हो रहा है। रामपुर के अस्पताल में मरीजों के इलाज के नाम पर मजाक हो रहा है। वहां मरीजों के ऊपर चूहें दौड़ रहे हैं। अस्पतालों में सांस और दिल के मरीजों को पर्याप्त दवा तथा इलाज की सुविधा नहीं मिल रही है। कई अस्पतालों में तो इनके विशेषज्ञ डाक्टर भी नहीं है। उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार में स्कूली बच्चों को भीषण ठंड में स्वेटर तक भी नहीं मिल पा रहे हैं। ऐसी ठंड में बिना स्वेटर परिषदीय विद्यालयों के बच्चे स्कूल जाने को मजबूर है। विज्ञापनों पर करोड़ो रूपये खर्च करने वाली भाजपा सरकार बच्चों को समय से गर्म कपड़े तक मुहैया नहीं करा पा रही है। यही नहीं बच्चों को मिलने वाली ड्रेस, जूता-मोजा और स्वेटर की गुणवत्ता में भी धांधली की शिकायतें मिल रही है।भ्रष्टाचार में लिप्त भाजपा सरकार गरीबों के साथ अन्याय कर रही है। उनका हक और सम्मान छीन रही है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार में बड़े-बड़े चिकित्सा संस्थानों में डॉक्टरों तथा पैरा मेडिकल स्टाफ के अभाव में मरीज तड़प-तड़प कर मर रहे है। उन्हें समय से दवा, इलाज और जांच की सुविधा नहीं मिल रही है। डॉक्टर मरीजों को इधर उधर रिफर कर रहे है जिससे मरीजों की जान जा रही है।

उप्र के कन्नौज में गैंगस्टर से मुठभेड़, सिपाही बलिदान

कन्नौज। उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले के विशनगढ़ थाना क्षेत्र के धरनी धीरपुर गांव में सोमवार शाम को गैंगस्टर के साथ मुठभेड़ में घायल सिपाही ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान हिस्ट्रीशीटर को उसके बेटे समेत गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस टीम एक हिस्ट्रीशीटर को पकड़ने गई थी। हिस्ट्रीशीटर ने पत्नी और बेटे के साथ मिलकर घर के अंदर से पुलिस टीम पर फायरिंग की। इस दौरान हुई मुठभेड़ में बदमाश की गोली लगने से एक सिपाही घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान हिस्ट्रीशीटर को उसके बेटे समेत गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने मंगलवार को बताया कि हिस्ट्रीशीटर मुन्ना यादव पर डकैती, लूट और गैंगस्टर समेत 20 से ज्यादा केस दर्ज हैं। मुखबिर से सूचना मिली थी कि सोमवार को वह अपने घर आया है। इस सूचना पर छिबरामऊ और विशनगढ़ थाने की पुलिस टीम ने शाम चार बजे उसके घर की घेराबंदी की। मौके पर पुलिस टीम के पहुंचने से पहले हिस्ट्रीशीटर द्वारा किसी तरह की मूवमेंट नहीं की गई, लेकिन जैसे ही टीम घर के पास पहुंची तो छत से फायरिंग करने लगा। बदमाशों की फायरिंग में कांस्टेबल सचिन राठी की जांघ में गोली लगी और वह घायल हो गया।

जम्मू-कश्मीर में बलिदान हुए जवान के परिजनों को मंत्री सचान ने सौंपा 50 लाख का चेक

एजेंसी

कानपुर। उत्तर प्रदेश के मंत्री राजीव सचान ने जम्मू-कश्मीर में बलिदान हुए जवान करन सिंह यादव के परिजनों को मंगलवार को 50 लाख रुपये का चेक सौंपा। सचान ने वीर जवान के परिजनों को सरकार की तरफ से हर संभव सहयोग का आश्वासन भी दिया। एक दिन पहले सोमवार को वीर जवान का पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। पिछले हफ्ते करन सिंह यादव जम्मू-कश्मीर के पुंछ में आतंकियों के खिलाफ अभियान के दौरान बलिदान हो गए थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वीर जवान के परिजनों को 50 लाख रुपये के आर्थिक सहायता की घोषणा की थी। चौबेपुर थाना क्षेत्र के ग्राम भाऊपुर माधौसिंह निवासी बालकराम का 30 वर्षीय पुत्र करन सिंह यादव जम्मू-कश्मीर में तैनात था। पुंछ हमले में करन सिंह यादव समेत चार जवान बलिदान हो गए थे। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ के निर्देश पर कैबिनेट मंत्री राकेश सचान परिजनों से मिले और 50 लाख का चेक परिजनों को सौंपा। सचान ने ग्राम भाउपुर माधौसिंह के बाहर वीर जवान के नाम पर गेट का निर्माण कराये जाने, चौबेपुर बिठूर मार्ग से ग्राम भाउपुर माधौसिंह जाने वाले सम्पर्क मार्ग का नाम वीर जवान के नाम पर करने और भाउपुर माधौसिंह ग्राम पंचायत में सरकारी भूमि पर शहीद के नाम पर पार्क का निर्माण कराये जाने का आश्वासन दिया। जिला प्रशासन की ओर से मुख्य विकास अधिकारी/प्रभारी जिलाधिकारी सुधीर कुमार, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) सूरज यादव, उप जिलाधिकारी बिल्हौर रश्मि लाम्बा, तहसीलदार बिल्हौर तिमराज सिंह, नायब तहसीलदार चौबेपुर, क्षेत्रीय लेखपाल मौके पर मौजूद रहे।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य अभियन्ता/सेतु कर्मशाला, उत्तर रेलवे चारबाग, लखनऊ द्वारा निर्धारित प्रपत्रों पर निम्नलिखित कार्य हेतु अनुभवी एवं स्थापित सक्षम ठेकेदारो द्वारा ई.– निविदायें आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0 1. निविदा सं0 : 21/डब्ल्यू0/बीडब्ल्यूएस/सीबी/एल.के.ओ./2023–24

कार्य का नाम : पुल कार्यशाला उत्तर रेलवे चारबाग लखनऊ के आधुनिकीकरण के संबंध में पुल कार्यशाला के अंदर विभिन्न उपयोगों के लिए शेड की व्यवस्था का कार्य

2.	अनुमानित लागत	रू0 71221530.13
3.	बोली सुरक्षा राशि	रू0 506100/-
4.	कार्य की समापन अवधि	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से 12 माह
5.	निविदा डालने की प्रारम्भिक तिथि	05.01.2024
6.	निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि एवं निविदा खुलने की तिथि तथा समय	निविदा 19.01.2024 को 15:00 बजे तक जमा किए जा सकेंगे एवं निविदा उसी दिन खोली जायेगी।

7. न्यूनतम पात्रता की शर्तें: अ. तकनीकी : (ए) निविदा कार ने पिछले 07 (सात) वर्षों के दौरान निम्नलिखित श्रेणियों में से किसी एक कार्य को सफलतापूर्वक पूरा या प्रर्याप्त रूप से पूरा किया हो, जिस महीने में निविदा आमंत्रित की गयी थी, उससे पहले के महीने के अन्तिम दिन को समाप्त करना होगा।

तीन समान कार्य जिनकी लागत, निविदा की विज्ञापित मूल्य के 30 प्रतिशत के बराबर राशि से कम न हो।

या

दो समान कार्य जिनका लागत, निविदा की विज्ञापित मूल्य के 40 प्रतिशत के बराबर राशि से कम न हो।

या

एक समान कार्य की लागत, निविदा के विज्ञापित मूल्य के 60 प्रतिशत के बराबर राशि से कम नहीं होनी चाहिए।

ब. वित्तीय : निविदाकर्ता का न्यूनतम औसत वार्षिक संविदात्मक कारोबार V/N (वी/एन) या 'V' (वी) जो भी कम होय जहाँ V (वी) = निविदा की विज्ञापित मूल्य करोड़ रूपये में। N (एन) = कार्य पूरा करने के लिए निर्धारित वर्षों की संख्या, जिसके लिए बोलियां आमंत्रित की गयी है। औसत वार्षिक संविदात्मक कारोबार की गणना, पिछले तीन वित्तीय वर्षों में कुल संविदात्मक भुगतान के औसत के रूप में की जायेगी, लेखा परीक्षित बैलेन्स शीट के अनुसार। तथापि, यदि पिछले वर्ष का तुलन–पत्र अभी तक तैयार/लेखापरीक्षित नहीं है, तो औसत वार्षिक संविदात्मक कारोबार की गणना के लिए चौथे पिछले वर्ष की लेखा परीक्षित तुलन–पत्र पर विचार किया जाएगा।

8. एक समान कार्य : कोई भी स्टील निर्माण का कार्य अथवा एफ ओ बी अथवा पीपी शेल्टर अथवा औद्योगिक शेड अथवा स्टील/कम्प्रोजिट गर्डर ब्रिज अथवा चैनल स्लीपर के माइक्रोवेव/एचटी टावर का निर्माण और स्थापन का कार्य।

9.	वेबसाइट का विवरण एवं कार्यालय का नाम जहाँ निविदा का विवरण देखा जा सकता है	www.ireps.gov.in, कार्यालय उप मुख्य अभियन्ता/से0 कर्म0, उत्तर रेलवे चारबाग, लखनऊ।

नोट :- 1. ठेकेदारों को ई–निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in के अन्तर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य है। 2. समस्त नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है। 3. मैनुउल निविदाये स्वीकृत नहीं की जायेगी। 4. निविदा प्रपत्र की लागत जो निविदा प्रपत्र में निर्दिष्ट किया गया है। 5. बोली सुरक्षा राशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग, पेमेंट गेटवे या बैंक गारंटी जैसा कि निविदा प्रपत्र में निर्दिष्ट किया गया है, द्वारा स्वीकृत की जायेगी। **निविदा सू0सं0–21/डब्लू/बी0डब्लू0एस0/सी0बी0/2023–24 दिनांक 23.12.2023** **4039/2023**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

एकेटीयू के 21वें दीक्षांत समारोह में मेधावियों को मिले स्वर्ण, रजत और कान्स्य पदक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय का 21वां दीक्षांत समारोह मंगलवार को आयोजित किया गया। समारोह में मेधावियों पर स्वर्ण, रजत और कान्स्य पदकों की बारिश हुई।

विश्वविद्यालय टॉप करने वाले सम्बद्ध संस्थान मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी मेरठ के बीटेक इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग के छात्र मोहसिन अफरोज ने टॉप किया है। दीक्षांत समारोह में मोहसिन अफरोज को चांसलर और स्वर्ण मेडल पहनाया गया, इस बार चांसलर मेडल के साथ ही बैंक ऑफ बड़ौदा की ओर से 31 हजार रूपये का नकद पुरस्कार भी दिया गया। जबकि कमलरानी वरूण स्मृति मेडल पीएसआईटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग कानपुर के बीटेक इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी की छात्रा प्रज्ञा गौतम को दिया गया। समारोह में कुल 95 गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल दिये गये। इसके अलावा 112 छात्रों को पीएचडी डिग्री अवार्ड की गयी।

इस मौके पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि यह दीक्षांत किसी भी छात्र छात्रा के जीवन में विशिष्ट अवसर है और अपनी उपलब्धियों को मूल्यांकित करने का दिन भी होता है। इस उपाधि के साथ छात्र मानव संसाधन के रूप में राष्ट्र की प्रगति में सकारात्मक योगदान करे, यह भी विश्वविद्यालय की अपेक्षा रहती है। दीक्षांत समारोह में 100 से अधिक शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि मिली। विशिष्ट अतिथि प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल ने कहा कि पिछले कुछ समय से प्रदेश में उच्च शिक्षा के माहौल में सकारात्मक परिवर्तन आया है। शोध और नवाचार में तेजी से कार्य हुए हैं। इसी का नतीजा है कि प्रदेश के विश्वविद्यालय नैक की रैंकिंग में ए प्लस प्लस आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्राविधिक शिक्षा भी आगे बढ़ रही है। तकनीकी शिक्षा का क्षेत्र विशेष क्षेत्र है। इसका प्रभाव कहीं न कहीं समाज की समस्याओं को सुलझाने में पड़ता है। कुलपति प्रो जेपी पांडेय ने विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत की। इस मौके पर वित्त अधिकारी सुशील कुमार गुप्ता, प्रतिकुलपति प्रो मनीष गौड़, सहित डीन्स, डायरेक्टर और शिक्षक मौजूद रहे।

निगोहां में एसोसिएट टीम का हुआ जोरदार स्वागत

निगोहां , लखनऊ । निगोहां के उदयपुर गांव में सोमवार को यू टैग इन्फॉटेक से जुड़े दर्जनभर से अधिक एसोसिएट टीम का स्वागत एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। निगोहां के उदयपुर गांव में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे इस कम्पनी के टीम लीडर गोल्ड डायरेक्टर राजकुमार एवं सिल्वर डायरेक्टर रमन राज ने नेटवर्किंग सिस्टम डाउन लाइन में जुड़े एसोसिएट को मेहनत और ईमानदारी से काम करने वाले की सराहना किया। यह कार्यक्रम ब्राउंज डायरेक्टर सौरभ सिंह , चौहान परमानन्द माधव एवं रामसिंह के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान प्रेम कुमार, ऋतू विश्वकर्मा, शालिनी, गीता सिंह,शीलू , वैष्णवी, मनीष कुमार,शिवम,अमरेश, विमलेश, संदीप पासवान, उज्जवल मोयत्रा सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

सुशासन दिवस के रूप में मनाय गया पूर्व प्रधानमंत्री का जन्म दिवस

लखनऊ। देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व अटल बिहारी बाजपेई की जयंती पूरे देश में सुसाशन दिवस के रूप में मनाई गई।25 दिसम्बर को पूरे भारत वर्ष में मनाया जाता है इसी कार्यक्रम के तहत बूथ नम्बर 49 मीसा ग्राम पंचायत गोसाई गंज मण्डल में सुशासन दिवस मनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कामेश्वर सिंह बतौर मुख्य अतिथि सामिल हुए साथ में प्रदेश मंत्री किसान मोर्चा भाजपा उत्तर प्रदेश पर्व जिलाध्यक्ष लखनऊ रामनिवास यादव पूर्व ब्लाक प्रमुख गोसाईं गंज नरेंद्र रावत अभिनव त्रिपाठी जी सोशल मीडिया प्रभारी कार्यक्रम का आयोजन पूर्व जिला महामंत्री भाजपा लखनऊ क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अनुसूचित जाति मोर्चा भारतीय जनता पार्टी अवध क्षेत्र वीरेन्द्र कुमार रावत के द्वारा किया गया कार्यक्रम में उपस्थित सभी ग्रमावासियो को अटल जी की जीवन काकार्यकाल वा भारत देश के किए गए योगदान वा कुशल राजनीतिज्ञ विदेश नीति के बारे में विस्तार से बताया विशिष्ट अतिथि रामनिवास यादव जी के द्वारा स्वागत वा उद्बोधन भाषण किया गया कार्यक्रम में विद्यासागर रावत अर्पित दूबे अल्ताफ हुसैन आनन्द रावत चंदन श्री कृष्ण मौर्य पूर्व प्रधान यासोदा देवी सभी महिलाओं सहित उपस्थित रहीं

जरूरतमंद लोगों में ऊनी वस्त्र व बिस्किट का वितरण

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। भारतीय जन सेवा समिति ने राजाजीपुरम ई ब्लॉक चौराहे पर सैकड़ो जरूरतमंद लोगों में ऊनी वस्त्र व बिस्किट का वितरण किया। समिति के अध्यक्ष शैलेश बाजपेई शीलू ने बताया कि नए साल के जनवरी माह में फिर से ऊनी वस्त्रो का वितरण किया जाएगा एवं कई स्थानों पर अलाव की भी व्यवस्था कराई जाएगी। इस मौके पर कुसुम गुप्ता, कल्पना सक्सेना, ज्योति साहू, पिंकी शाक्य, मीना चौबे, अवधेश साहू, विशाल मल्होत्रा, अमित साथी, पुनीत लखानी, प्रगति श्रीवास्तव व अर्चना बाजपेई समेत अन्य मौजूद रहे।

गोसाईगंज पुलिस ने धोखाधड़ी कर जमीन बेचने के अभियुक्त गिरफ़्तार

लखनऊ/गोसाईंगंज। गोसाईगंज पुलिस ने धोखाधड़ी कर जमीन बेचने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तारकर जेल भेज दिया। इंस्पेक्टर गोसाईंगंज दिनेश चन्द्र मिश्र ने बताया कि चांद मोहम्मद निवासी चांद गढ़ थाना मुसाफिर खाना जनपद अमेठी का आरोप है कि उसने पहाड़ नगर टिकरिया गांव एक प्लाट खरीदा था।जिसको सुल्तानपुर जिले के बाबू का पुरवा गांव निवासी प्रॉपर्टी डीलर ध्रुव नारायण मिश्रा ने जालसाजी व धोखाधड़ी कर किसी अन्य को बेच दिया।जिसकी शिकायत उनके 5 नवम्बर को की गई थी।जिसपर पुलिस मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश कर रही थी।जिसे सोमवार की रात उसके घर से गिरफ्तार कर मंगलवार को जेल भेज दिया गया।

गोसाईंगंज पुलिस ने दुष्कर्म करने वाला आरोपी किया गिरफ्तार व भेजा जेल

लखनऊ/गोसाईंगंज। गोसाईंगंज पुलिस ने दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इंस्पेक्टर गोसाईंगंज दिनेश चन्द्र मिश्र ने बताया कि 25 दिसम्बर को एक गांव के व्यक्ति ने जगन्नाथगंज मजरा परेहटा निवासी रंजीत कुमार के खिलाफ बहलाफुसला कर बेटी के साथ दुष्कर्म करने का मुकदमा दर्ज कराया था।जिसे मंगलवार की सुबह उसके घर से पकड़ कर पूछतांछ की गई। पूछतांछ में उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया जिसे गिरफ्तार कर दिया गया।

चोरों ने सीआरपीएफ जवान के घर से लाखों के जेवरात और नकदी की पार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

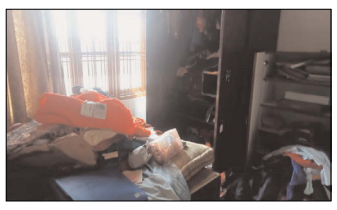

सरोजनीनगर। क्षेत्र में अब अपराधियों और चोरों को लगता है पुलिस और कानून का कोई भय नहीं है। तमाम दूसरे अपराधों के साथ-साथ आए दिन चोरी की घटनाएं सामने आ रही हैं। आम आदमियों के अलावा पुलिस को भी निशाना बनाने में चोरों को अब कोई परहेज नहीं रहा। ताजा मामले में चोरों ने एक सीआरपीएफ जवान के घर धावा बोलकर घर से लाखों की जेवरात और नगदी पार कर दी चोर इतनी बेखौफ थे कि जवान की लाइसेंसी रिवाल्वर भी उठा ले गए। जानकारी के अनुसार सरोजिनी नगर थाना अंतर्गत दरोगा खेड़ा आउटर रिंग रोड के पास बने सीआरपीएफ जवान धर्मपाल रावत के बंद पड़े घर को शातिर चोरों ने निशाना बनाकर लाखों के सोने चांदी के जेवरात और 20 हजार की नकदी पर हाथ साफ कर दिया। साथ ही जवान की रिवाल्वर भी चोर उठा ले गए। सीआरपीएफ जवान डीजी ऑफिस में तैनात है जोकि छुट्टी लेकर परिवार सहित रिश्तेदारी में गए हुए थे। सुबह घटना की जानकारी होने पर सूचना पुलिस को दी गई। मौके पहुंचे एसीपी विनय द्विवेदी और थाना प्रभारी निरीक्षक शैलेंद्र गिरी ने डॉग स्क्वायड और फॉरेंसिक टीम को बुलाकर निरीक्षण करवाया और चोरों की तलाश शुरू की है।

तहरी भोज के साथ केक काटकर मनाई गई पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की जयंती

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। चिनहट प्रथम वार्ड के पार्षद कार्यालय पर पार्षद अरुण राय द्वारा प्रतिवर्ष की भांति भारत रत्न व देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की जयंती केक काटकर व तहरी भोज का वितरण कर मनाई गई।

इस मौके पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता समेत अन्य मौजूद रहे। वहीं कार्यक्रम में आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने अटल बिहारी वाजपेई को युग नेता बताया, तो वहीं भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष रामनिवास यादव ने अटल बिहारी वाजपेई जैसे नेताओं को देश की धरोहर बताया। वहीं पार्षद अरुण राय ने अटल जी को याद करते हुए कहा कि देश में ऐसे नेता कभी कभी पैदा होते हैं। इस मौके पर पूर्व पार्षद स्नेहलता राय ने भी सभी कार्यकर्ताओं को अटल जी द्वारा बताए गये मार्ग पर चलने की बात कही। कार्यक्रम में कमल पांडेय, रामचंद्र सिंह, नरेंद्र श्रीवास्तव, नवीन राय, गौरव राय, विजय शर्मा, संतोष रंजन पांडे, अनिल सोनी, शैलेंद्र पांडे शैलू, बृजेंद्र शुक्ला, बृजेंद्र प्रताप सिंह समेत अन्य मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ का आयोजित हुआ 56वां त्रैवार्षिक खुला अधिवेशन

सुषमा अध्यक्ष व राजीव मिश्रा महामंत्री निर्वाचित घोषित, अन्य शिक्षको को नामित मनोनीत करने के लिए दोनो पदाधिकारी हुए अधिकृत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। चारबाग स्थित एपी सेन मेमोरियल इण्टर कालेज प्राइमरी सम्भाग के प्रांगण मे उत्तर? प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ का खुला 56वां त्रैवार्षिक खुला अधिवेशन आयोजित किया गया। यह अधिवेशन प्रदेश अध्यक्ष सुषमा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि वरिष्ठ उपाध्यक्ष राष्ट्रीय भाजपा समर्थन मंच इंजीनियर बीपी सिंह, विशिष्ट अतिथि देवेंद्र कुमार मिश्रा, प्रदेश संरक्षक दिवाकर मिश्र, प्रदेश अध्यक्ष सुषमा, महामंत्री राजीव मिश्र व प्रदेश कोषाध्यक्ष अश्वनी अग्निहोत्री रहे। इस मौके पर मौजूद पदाधिकारियो और शिक्षकों ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई को जन्मदिवस के अवसर पर याद किया। अधिवेशन में विभिन्न प्रादेशिक विषमताओं पर मंथन किया गया।

जिसमें मुख्य रूप से ऑनलाइन उपस्थिति के विभिन्न स्वरुपों का पुरजोर विरोध ज्ञापित किया गया। वहीं इस मौके पर परस्पर व अन्तः जनपदीय स्थानान्तरण लम्बे समय से आश्वासित होने के उपरान्त ?भी न होने के सम्बंध में विस्तृत चर्चा हुई। वहीं पदोन्नति के लम्बी अवधि से लंबित रहने पर भी अध्यापकों ने रोष प्रकट किया एवं शिक्षकों को चयन वाले वेतनमान के सम्बंध मे विस्तृत चर्चा करके चयन वेतन मान दिलाये जाने हेतु प्रयास करने का संकल्प लिया गया। वहीं प्रथम सत्र के अंत में कार्यकाल पूरा करने के उपरान्त कार्यसमिति को भंग कर दिया गया। अधिवेशन के द्वितीय सत्र में मनीष कुमार त्रिपाठी प्रधान सेवक को चुनाव अधिकारी मनोनीत किया गया। उनके पर्यवेक्षण में सुषमा अध्यक्ष व राजीव मिश्रा महामंत्री

निर्वाचित घोषित किये गये। साथ ही अन्य पदों हेतु दोनो पदाधिकारियों को संयुक्त रूप से कर्मठ एवं योग्य शिक्षको को नामित मनोनीत करने हेतु अधिकृत भी किया गया।

क्षेत्र का विकास ही मेरी प्राथमिकता: ओमप्रकाश शुक्ला

ब्लाक प्रमुख ने दो नाला व तीन वाटर कूलर समेत इंटरलॉकिंग का किया उद्घाटन

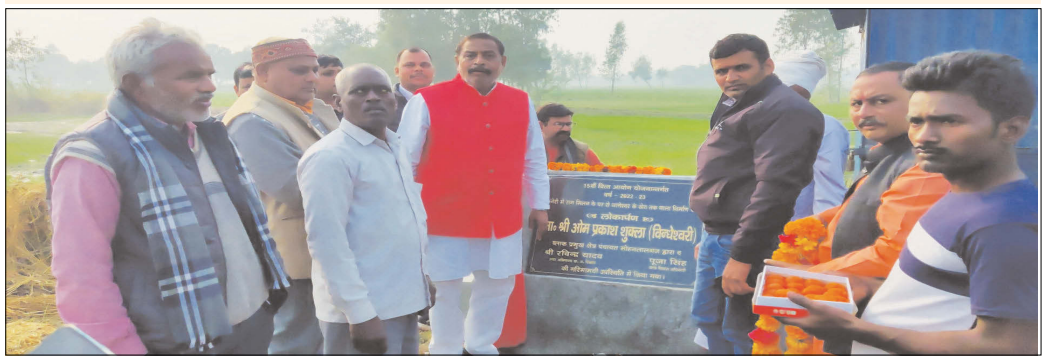

नगराम , लखनऊ। मोहनलालगंज विकासखंड के कांटा करौंदी , छतौनी व हसनपुर में 10 लाख की लागत के तीन जगहों पर वाटर कूलरो समेत दो अलग गांवों में 10 लाख के लागत के नाले व एक मंदिर परिसर में इंटरलॉकिंग 10 लाख व इंटरलॉकिंग 5 लाख की लागत से बने सड़क मार्ग का उद्घाटन मंगलवार को ब्लॉक प्रमुख ने किया। मंगलवार को मोहनलालगंज विकासखंड क्षेत्र के कांटा करौंदी व हसनपुर गांव में ब्लॉक प्रमुख ओम प्रकाश शुक्ला 'बिंदेश्वरी' ने क्षेत्र पंचायत सदस्यों के साथ 20 लाख की लागत से बनाए गए नाले का उद्घाटन किया। हसनपुर गांव स्थित पाटन देवी मंदिर पर ब्लॉक प्रमुख ने उद्घाटन के पूर्व माथा टेका और समग्र ग्राम का भ्रमण किया , तत्पश्चात मंदिर परिसर में इंटरलॉकिंग समेत सामुदायिक केंद्र व विद्यालय में 10 लाख की लागत से लगायें गये तीन वाटर कूलरो का ब्लॉक प्रमुख ने नारियल फोड़ कर उद्घाटन किया। छतौनी ग्राम पंचायत में लगभग 100 मी इंटरलॉकिंग 5 लाख की लागत से बने सड़क मार्ग का उद्घाटन किया। इस दौरान ब्लाक प्रमुख का जोरदार स्वागत किया गया। साथ ही ब्लॉक प्रमुख ने उपस्थित क्षेत्र पंचायत सदस्यों को माला पहनाई । ग्रामीण सराहना करते हुए कहा कि यह वाटर कूलर सही जगहों पर लगें हैं। इस मौके पर जेई रवीन्द्र यादव,राजेश पाण्डेय, अखिलेश त्रिपाठी, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि विनोद साहू, सुभाष पांडेय,प्रधान बृजेश वर्मा , अमित जायसवाल,छतौनी प्रधान प्रतिनिधि दिलीप रावत , पूर्व प्रधान राजाराम , नीरज द्विवेदी, बद्री विशाल बाजपेई,अंकुश वर्मा, राजू गुप्ता सहित क्षेत्र के कई क्षेत्र पंचायत सदस्य मौजूद रहे।

प्रियंका सिंह बनी नरेंद्र मोदी फैंस ग्रुप की प्रदेश अध्यक्ष

सरोजिनी नगर। लोकसभा चुनाव प्रचार को लेकर भारतीय जनता पार्टी द्वारा कमर कस ली गई है। पार्टी प्रत्येक स्तर पर चुनाव प्रचार को लेकर गंभीरता से काम कर रही है।

इसी सिलसिले में सरोजिनी नगर क्षेत्र के पिपरसंड गांव निवासी प्रियंका सिंह पति निशांत गौरव सिंह को नरेंद्र मोदी फैंस ग्रुप का उत्तर प्रदेश का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

नरेंद्र मोदी फैंस ग्रुप के ऑल इंडिया अध्यक्ष गोविंद दग्दी ने पत्र के माध्यम से यह जानकारी दी। नरेंद्र मोदी फैंस ग्रुप द्वारा ऑल इंडिया अध्यक्ष गोविंद दग्दी एवं भाजपा नगर अध्यक्ष विवेक जोशी की अनुशंसा पर प्रियंका सिंह को उत्तर प्रदेश का प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। पार्टी ने आशा व्यक्त की है कि सौंपे गए सभी कार्यों को प्रियंका सिंह द्वारा पूर्ण करने के साथ संगठन को आगे बढ़ने का प्रयास किया जाएगा।

दस दिवसीय प्रशिक्षण के समापन एवं सर्टिफिकेट वितरण कार्यक्रम का आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश डिजाइन एवं शोध संस्थान लखनऊ द्वारा एक जनपद एक उत्पाद एवं विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना 2023-24 के अंतर्गत 10 दिवसीय प्रशिक्षण के समापन एवं सर्टिफिकेट वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुये केंद्रीय राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार डॉ जितेन्द्र सिंह ने कहा कि पीएम विश्वकर्मा योजना भारत की सभ्यता और पारंपरिक शिल्प कौशल का उचित मेल है। उन्होंने कहा कि यह योजना आजीविका अर्जित करने का विकल्प प्रदान करती है, साथ ही साथ भारत की सदियों पुरानी गुरु शिष्य परंपरा को संजोए रखती है। डॉ जितेन्द्र सिंह ने उपस्थित कारीगरों व शिल्पियो को सम्बोधित करते हुए कहा कि पिछली सरकारों ने कभी भी कारीगर समाज की तरफ ध्यान नहीं दिया और न ही उनके उत्थान के लिए कोई कार्य किया। उत्तर प्रदेश डिजाइन एवं शोध संस्थान, लखनऊ संस्थान की अध्यक्ष क्षिप्रा शुक्ला तथा निदेशक प्रांजल यादव द्वारा लगभग 1300 लाभार्थियों को सर्टिफिकेट वितरित एवं संस्थान में हस्तशिल्पियों द्वारा लगायी गयी प्रर्दशनी का अवलोकन भी किया गया।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा से पहले 'अक्षत पूजन कलश यात्रा'

गोसाईगंज कस्बा में उमड़ी भीड़

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ/गोसाईगंज । को अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी. इससे पहले देशभर में अक्षत पूजन कलश यात्रा निकाली जा रही है।अक्षत यात्रा अमूल दूध फैक्ट्री गंजेरिया चौराहे,खुर्दही बाजार और गोसाईगंज कस्बा,अमेठी कस्बे, राम-जानकी मंदिर, रामबाग बाबा खुशहाल,गंगागंज, हरदोइया बाजार निकाली गई।गोसाईगंज कस्बा में भी मंगलवार को अक्षत पुजन कलश यात्रा के दौरान हजारों की संख्या में महिलाएं और पुरुषों की भीड़ उमड़ पड़ी।उत्तर प्रदेश के गोसाईगंज में मंगलवार को अक्षत पुजन कलश यात्रा के दौरान हजारों की संख्या में महिलाएं और पुरुषों की भीड़ उमड़ पड़ी. जय श्री राम के नारों और भगवान राम के गीतों के साथ यह यात्रा निकाली गई. जगह-जगह महिलाए और पुरुष उनके स्वागत के लिए खड़े थे. साथ ही डीजे की धुन पर जमकर भक्त नाच रहे थे.दरअसल, श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के तहत हर घर महा संपर्क अभियान चलाया जा रहा है। इसको लेकर आज गोसाईगंज कस्बा में अक्षत पूजन कलश यात्रा का आयोजन किया गया. कलश यात्रा में हजारों महिलाओ और पुरुषों की भीड़ उमड़ पड़ी. सुरक्षा को लेकर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रही।

क्रिसमस डे पर 10 हजार से अधिक दर्शको ने किया चिड़ियाघर का भ्रमण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। क्रिसमस डे के अवसर पर 10461 दर्शकों ने प्राणि उद्यान में भ्रमण किया। प्राणि उद्यान में दर्शकों द्वारा क्रिसमस डे भव्य रूप से मनाया गया। प्राणि उद्यान प्रशासन द्वारा किसमस डे के लिए विशेष इन्तजाम किये गये थे। दर्शकों एवं बच्चों ने प्राणि उद्यान की बाल रेल पर सैर की। बच्चे विभिन्न वन्य जीवों को देख काफी उत्साहित थे। बच्चों द्वारा बताया गया कि प्राणि उद्यान में आकर उन्होंने खूब मनोरंजन किया। बच्चों ने झूलों पर झूला झूलने का आनन्द लिया। दर्शकों द्वारा गुलदाउदी, डहेलिया एवं विभिन्न फूलों फुलवारियों के साथ फोटो भी खूब खीची गयी। दर्शकों द्वारा बोटिंग पॉण्ड में पैडल बोटिंग का भी आनन्द लिया गया। वहीं प्राणि उद्यान द्वारा बुजुर्गों एवं विकलांगों हेतु व्हील चेयर निःशुल्क उपलब्ध करवायी गयी, जिससे उन्हें प्राणि उद्यान का भ्रमण करने में किसी भी प्रकार की कठिनाई न हो। वहीं प्राणी उद्यान की तरफ से जानकारी दी गई कि 24 दिसम्बर की शाम को वन्य जीव विनिमय के तहत एक बब्बर शेर बालाराम तिरूपति प्राणि उद्यान, आन्ध्र प्रदेश से नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान, लखनऊ डा अशोक कश्यप अपनी टीम के साथ सकुशल लेकर आए। इस बब्बर शेर की उम्र लगभग 6-7 वर्ष है। तिरूपति प्राणि उद्यान से आये बब्बर शेर को बब्बर शेर के बाड़े में वन्य जीव चिकित्सकों एवं कीपरों की निगरानी में अलग रखा गया है।

साहब! दौड़ने लगे गन्ना भरे ओवरलोड ट्रक, दे रहे हादसे को दावत

सड़कों पर 'यमदूत' बनकर दौड़ रहे हैं गन्ना से ओवरलोड ट्रक, देखें वीडियो

साहब और कितना जोखिम! ओवरलोडिंग की हद पार, गन्ना भरे ट्रक का वीडियो देख उड़ेंगे होश, खमरिया पंडित चीनी मिल का मामला!

कैनविज टाइम्स संवाददाता

ओवरलोड ट्रक खमरिया चीनी मिल.....

खमरिया-खीरी। ओवरलोडिंग रोकने में प्रशासन खीरी नाकाम साबित हो रहा है। यहां बेखौफ होकर ट्रक व ट्रैक्टर-ट्रॉली में ओवरलोड गन्ना भरकर ढोया जा रहा है, जो राहगीरों के लिए जान का खतरा बना हुआ हैं वहीं स्थानीय पुलिस और परिवहन विभाग का इस ओर कोई ध्यान नहीं है जिससे आए दिन बड़े हादसे हो रहे हैं।

राहगीरों की अटक जाती हैं सांसें!

वर्तमान में गन्ना पेराई सत्र चल रहा है खमरिया पंडित कस्बे में होकर ट्रक चीनी मिल होकर गुजरता हैं वहीं किराये पर चलने वाले ट्रैक्टर-ट्रॉलियो मे भी ओवरलोड गन्ना भरा जा रहा है उक्त वाहनों के मालिक ज्यादा मुनाफा के चलते ओवरलोड गन्ना भरवाते हैं। जब ओवरलोड ट्रक व ट्रैक्टर-ट्रॉली कस्बों व सड़क पर गुजरती हैं तो राहगीरों की सांसें अटक जाती हैं। क्षमता से ज्यादा गन्ना भरा होने के कारण ट्रैक्टर आगे से सलामी करते चलते हैं। जिससे आए दिन हादसे हो रहे हैं। इस वीडियो को देखकर आप अंदाजा लगा सकते हैं कि कितना खतरनाक हैं चीनी मिल खमरिया पंडित के ओवरलोड गन्ना ढोने वाले ट्रक!

क्रय केंद्रों से गन्ना लादकर चीनी मिलों को जा रहे ओवरलोड गन्ना लदे ट्रक एवं ट्राले हादसे को निमंत्रण देने लगे हैं। वाहनों में वजूद से अधिक गन्ना लादकर चीनी मिल ले जाया जा रहा है। संपर्क मार्गों से लेकर हाइवे पर गन्ने से लदे ट्रकों का बेरोकटोक संचालन हो रहा है। जबकि, हर वर्ष इस तरह के ओवरलोड ट्रक लोगों पर आफत का कारण बनते हैं।

जब ओवरलोड गन्ना भरकर ट्रक सड़क पर चलते हैं तो पास से गुजरने वाले राहगीरों की सांसें थम जाती हैं।

खमरिया पंडित शुगर मिल क्या शुरू हुई, समझो सड़कों पर आफत दौड़ने लगी है। दरअसल, गन्ना ट्रकों में भरकर शुगर मिल में पहुंचता है, लेकिन हर बार ट्रकों के लिए गाइड लाइन जारी होती है। सब कागजों में ही नजर आती है पेराई सत्र चल रहा है ऐसे में सड़कों पर गन्ने से लदे ओवरलोड ट्रक नजर आने लगे हैं। जिस समय सड़क से चीनी मिल खमरिया पंडित के लिए जी टी सी, टी टी सी, आशीर्वाद, के जी एन आदि ग्रुपों के ट्रक ओवरलोड होकर गुजरते हैं, उस समय राहगीर सहम जाते हैं। दिन हो या रात सड़कों पर गन्ने से लदे ओवरलोड वाहन लोगों के लिए मुसीबत पैदा करते नजर आ रहे फिलहाल शिकायतों के बाद भी बेरोकटोक ट्रक सड़कों व कस्बों पर दौड़ रहे हैं।

गन्ना सेंटर पर किसानों का धरना प्रदर्शन,वार्ता से खिन्न होकर किसान ने किया आत्मदाह की कोशिश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

फत्तेपुर-खीरी।कुंभी चीनी मिल के कल्लुआमोती सेंटर पर किसानों ने केंद्र प्रभारी पर गन्ना न तुले जाने का आरोप लगाते हुए केंद्र पर ही किसानों के द्वारा धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया गया। मौके पर पहुंचे चीनी मिल के अधिकारी संजीव शेरावत, से तू तू - मैं मैं होने के बाद एक किसान ने अपने ऊपर पेट्रोल डालकर आत्मदाह की कोशिश की।

कुंभी चीनी मिल के कल्लुआमोती सेंटर पर किसानों का आरोप है कि उनका सर्वे अगेती प्रजाति में कर दिया गया है जबकि उनके पास सामान्य है। ऐसी स्थिति में केंद्र प्रभारी के द्वारा अगेती प्रजाति की पर्ची पर सामान्य गन्ने की तौल नहीं की जा रही है। ऐसी स्थिति में केंद्र प्रभारी के द्वारा अगेती गन्ने की पर्ची पर सामान्य गन्ने की तौल नहीं की जा रही है तथा किसानों ने केंद्र प्रभारी पर आरोप लगाया कि केंद्र पर गन्ना उतराई के नाम पर 50 से 100 की अवैध वसूली भी की जा रही है जिसको लेकर गुस्साए किसानों ने केंद्र पर ही बैठकर प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। प्रदर्शन की सूचना मिलते ही चीनी मिल के रीजनल हेड नरपति सिंह मौके पर पहुंचे।

किसानों को समझाने की कोशिश की लेकिन एकाएक किसान व मिल कर्मचारियों के बीच हुई तू तू - मैं मैं से बात बढ़ गई और गन्ना तौलाने आए किसान निवेश त्रिवेदी ने अपने ऊपर पेट्रोल डालकर आत्मदाह करने की कोशिश की जैसे-तैसे मौके पर मौजूद किसानों के द्वारा आत्मदाह का प्रयास कर रहे हैं निमेष त्रिवेदी को रोका गया।

सूचना पहुंचते ही चौकी प्रभारी फत्तेपुर उदयवीर सिंह, औरंगाबाद चौकी प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे, मीडिया द्वारा संज्ञान मिलने पर किसान नेता श्याम शुक्ला भी मौके पर पहुंचे। किसान नेता श्याम शुक्ला के पहुंचते ही प्रशासन में हलचल देखने को मिली।

मैगलगंज गन्ना समिति के सचिव अजीत प्रताप सिंह मौके पर पहुंचकर किसानों को समझा कर समस्या का निराकरण करने के संबंध में कहा की समस्या 5 दिन के अंदर समाप्त कर दी जाएगी तथा किसानों का छिला गन्ना दो दिनों में तौल लिया जाएगा

फिलहाल मैगलगंज सचिव व ज्येष्ठ गन्ना निरीक्षक कुम्भी के बीच वार्ता सफल रही है।

इस दौरान मुख्य रूप से किसान नेता श्यामू शुक्ला,जसवीर सिंह किसान नेता , सरनाम सिंह, नत्था सिंह, बलजिंदर सिंह,निमेष त्रिवेदी, अमित बाजपेई,पीयूष अवस्थी, शिव प्रकाश मिश्रा, संत कुमार सिंह,आनंद सिंह, हरिओम मिश्रा, अशोक कुमार, हरि नाम मिश्रा, शेखर मिश्रा समेत तमाम किसान मौजूद रहे।

राजस्व विभाग में चल रहा धन उगाही का दौर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

› भूमि पैमाईश के नाम पर हजारों का चढ़ावा।

› कामों के लिए पृथक-पृथक कमीशन रेट।

लहरपुर(सीतापुर): क्षेत्र में राजस्व विभाग में इन दिनों कमीशनखोरी और भ्रष्टाचार चरम पर है। आलम यह है कि अब यहां हर छोटे-बड़े काम के लिए कमीशन की पृथक रेट फिक्स है। यहां चपरासी से लेकर अधिकारी तक को हर काम के लिए कमीशन चाहिए। अधिकारियों को बिना कमीशन दिए यहां कागज तक नहीं पलटा जाता। यहां पैसे के नाम पर सरकारी मशीनरी क्या गुल खिला सकती है, इसकी बानगी आपको लहरपुर तहसील परिसर में देखने को मिल जाएगी। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक यहां आय, जाति,निवास आदि तमाम प्रमाणपत्रों से लेकर भूमि पैमाईश, मेड़ बंदी,आगजनी, आपदा राहत आदि के नाम पर अलग-अलग अधिकारियों को हजारों रुपए का चढ़ावा चढ़ाना पड़ता है। सिर्फ इतना ही नहीं,यहां आप कमीशन की रेट के हिसाब से आय प्रमाण पत्र में मन मुताबिक आय भी लगवा सकते हैं। कमीशन न देने की सूरत में यहां फरियादी को अपने काम हेतु महीनों या फिर कभी- कभी सालों भी लग सकते हैं। राजस्व विभाग में कमीशनखोरी का यह खेल इतना गहरा है कि यहां लेखपाल से लेकर कानूनगो व तहसीलदार महोदय तक के अपने- अपने रेट फिक्स हैं, जिनको चुकाए बिना आप कार्यसीमा के दायरे में प्रवेश भी नहीं कर सकते। यहां लेखपालों के हौसले इतने बुलंद हैं कि मात्र चंद कागजी नोटों की खातिर ये घर को तालाब व खेत को सड़क में तब्दील करने की हिम्मत रखते हैं। राजस्व विभाग में फैले पैसों के इस अजब निराले खेल ने जहां एक तरफ दलाल व बिचौलियों की जेबें भरने का काम किया है, वहीं दूसरी तरफ़ मध्यम वर्गीय किसान/मजदूर वर्ग भ्रष्टाचार की इस चक्की में महीनों तक पिसता नजर आता है। यूं तो राजस्व विभाग में भ्रष्टाचार ने अपनी पकड़ काफी मजबूत बना रखी है परंतु भ्रष्टाचार के ऐसे तमाम मामलों में कार्यवाही न होना प्रशासनिक तंत्र पर सवालिया निशान खड़े करता है। मामला तब और गंभीर हो जाता है,जब प्रशासन के तमाम उच्च अधिकारियों की नाक के नीचे भ्रष्टाचार का यह काला खेल चल रहा हो।

धर्म के लिए हुए बलिदान, मुगलों के सामने नहीं झुकने दी खालसा की शान : अभिषेक गुप्ता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

खैराबाद। सीतापुर धर्म की रक्षा के लिए साहिबज़ादा जोरावर सिंह जी और साहिबज़ादा फतेह सिंह जी की शहादत को समर्पित वीर बाल दिवस (साहिबजादा दिवस) के अवसर पर सरस्वती शिशु मंदिर माखुपुर आयोजित बाल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें

मुख्य अतिथि अभिषेक गुप्ता उपस्थित रहे व प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया। अभिषेक गुप्ता ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा य?ह दिन समर्पित है गुरु गोविंद सिंह के साहिबजादों को। इन्होंने धर्म के लिए खुद को बलिदान कर दिया, लेकिन बर्बर मुगलों के सामने घुटने नहीं टेके।

गुरु गोविंद सिंह के बेटों फतेह सिंह और जोरावर सिंह को मुगलिया फौज के सेनापति वजीर खान ने दीवार में जिंदा चुनवा दिया था, लेकिन उनके मुँह से उफ तक नहीं निकली। माता गुजरी देवी और चार साहिबजादों के बारे में जानने से पहले, उन गुरु गोविंद सिंह को जानिए जिन्होंने 'खालसा पंथ' की स्थापना की। सिखों के 10वें गुरु गोविंद सिंह न सिर्फ एक संत एवं दार्शनिक, बल्कि एक कुशल योद्धा भी थे। उन्होंने बर्बर मुगल बादशाह औरंगजेब के विरुद्ध कई युद्ध लड़े। उनके पिता गुरु तेग बहादुर की औरंगजेब ने ही हत्या करवाई थी। इस कारण मात्र 9 वर्ष की उम्र में गोविंद सिंह को गुरु की पदवी सँभालनी पड़ी थी।प्रतिभाग हुए छात्रों मे से प्रथम ,दितीय,तृतीय छात्रों को चुना गया। जिसमे कबड्डी मे टीम फतेह सिंह ने जीत हासिल की,निबंध प्रतियोगिता मे अमरीश ने प्रथम ,रजनी द्वितीय ,खुशी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया इसी क्रम मे अनुराधा,चन्दन,रति, शिवांकी,सौरभ,संध्या,आदि काफी बच्चो ने कार्यक्रम मे प्रतिभाग किया। कार्यक्रम दौरान भारी संख्या बच्चे अध्यापक,अध्यापिकाएं उपस्थित रहे। अंत मे आये हुए अतिथियों का आभार संस्थान के प्रधानाचार्य अरुणेश त्रिवेदी ने किया।

पूर्व पालिकाध्यक्ष का देहावसान एक अपूर्णीय क्षति : के बी गुप्ता

कैनविज टाइम्स संवाददाता,

पलियाकलाँ-खीरी। नगर पालिका परिषद पलिया कलां के पूर्व अध्यक्ष रमेश चन्द्र गर्ग के निधन का समाचार पाकर नगर में शोक की लहर दौड़ गयी। पालिका सभागार में पालिकाध्यक्ष के.बी. गुप्ता एवं अधिशासी अधिकारी एम.के.चौधरी की उपस्थिति में एक शोक सभा आयोजित की गई जिसमें दिवंगत की आत्मशान्ति के लिये दो मिनट का मौन रखते हुये सभी कर्मचारियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। उल्लेखनीय है कि स्व. रमेश चंद्र गर्ग लगभग सत्रह वर्षों तक पालिकाध्यक्ष के पद पर आसीन रहे हैं एवं नगर के सर्वमान्य नागरिकों में अग्रणी रहे।

तिकुनियां पुलिस के दबाव में आकर होटल संचालक ने कैमरे का मोड़ा रुख

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर-खीरी। कस्बे के टायर चौराहे पर लगे सीसीटीवी कैमरे को पुलिस के दबाव में आकर होटल संचालक ने कैमरे का रुख मोड़ दिया है जिससे की अब चौराहे पर आवागमन व चौराहे पर घटने वाली किसी भी घटना का कोई भी वीडियो रिकॉर्ड नही हो सकेगा।

शासन ने सार्वजनिक स्थानों व प्रतिष्ठानों पर ब्यापरियों से कैमरे लगवाने का आग्रह किया था जिस के क्रम में तिकुनियां कोतवाली के निवर्तमान प्रभारी ने टायर चौराहे पर स्थित होटल संचालक से एक कैमरा लगाने की अपील की थी जिससे चौराहे पर होने वाली सभी गतिविधियां कैमरे में रिकॉर्ड हो सके जिसके अनुपालन में होटल संचालक ने कैमरा लगाया था 16 दिसंबर 2023 को वाहन चेकिंग के दौरान तिकुनियां पुलिस द्वारा एक युवक को जबरन गाड़ी में लादने और पुलिस व पुलिस वैन की मौजूदगी में खनन की ट्राली के निकलने का वीडियो भी उसी कैमरे में रिकॉर्ड हुआ था जिसके माध्यम से शोसल मीडिया पर वायरल होने पर तिकुनियां पुलिस की बहुत थू-थू हुई थी। आम लोगों में जनचर्चा है कि शायद उसी बदनामी से खिसियाई तिकुनियां पुलिस को जब कुछ नही सूझा तो उसने होटल संचालक पर दबाव बनाकर कैमरे का रुख मोड़वा दिया।

अब लोगों के मन मे सबसे बड़ा सवाल यह है कि इस कैमरे के बदले हुए रुख का फायदा तिकुनियां पुलिस उठाती है या अपराधीगण! यह तो आने वाला समय ही बताएगा।

खादी उत्सव मेले में दिख रहा खादी कपड़ों का क्रेज, खरीददारी दो करोड़ के पार

वाराणसी। उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड वाराणसी की ओर से चौकाघाट स्थित अर्बन हॉट प्रांगण में आयोजित खादी उत्सव-2023 में युवाओं की भीड़ उमड़ रही है। युवाओं में खादी वस्त्रों का क्रेज दिख रहा है।जिला ग्रामोद्योग अधिकारी यूपी सिंह ने मंगलवार को बताया कि खादी वस्त्र को आज हर उम्र के लोग पसंद कर रहे है। प्रदर्शनी में लोगों ने अब तक लगभग 02 करोड़ रुपये की खरीददारी की है। सोमवार को बिक्री का आंकड़ा 1.65 करोड़ रहा। उन्होंने बताया कि खादी प्रदर्शनी में आने वाले लोगों के मनोरंजन का भी पूरा ध्यान रखा गया है। प्रति दिवस सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।मेले में हर किस्म के खादी उपलब्ध है, जिसमें खादी के स्टालों मे ऊनी शाल, सिल्क की साडियां सूती खादी के वस्त्र, कम्बल, कुर्ता, शदरी गद्दा, रजाई, चादर, कारपेट एवं सिले सिलाये खादी के परिधान उपलब्ध हैं एवं ग्रामोद्योगी उत्पादों में लगने वाले स्टाल में जैम, जेली, आचार, मुरब्बा, अगरबत्ती, नमकीन, लकड़ी के फर्नीचर, आलमारी, बक्सा, आयुर्वेदिक औषधी, दर्द निवारक तेल इत्यादि उपलब्ध है।

आईआईएमटी में शुरू हुई सेंट्रल जोन इंटर यूनिवर्सिटी फुटबाल चैंपियनशिप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मेरठ। फुटबाल के पीछे भागते खिलाड़ी। हर किक पर बदलता मैच का रुख। दूसरी टीम के गोलपोस्ट को भेदने की जद्दोजहद करते खिलाड़ी। सर्द मौसम में गर्मजोशी से रोमांच से भरपूर मैच को देखते उत्साहित दर्शक। यह दृश्य आईआईएमटी विश्वविद्यालय में मंगलवार से शुरू हुई सेंट्रल जोन इंटर यूनिवर्सिटी फुटबाल पुरुष चैम्पियनशिप का है।

आईआईएमटी विश्वविद्यालय में मंगलवार से सेंट्रल जोन इंटर यूनिवर्सिटी फुटबाल पुरुष चैम्पियनशिप शुरू हुई। मुख्य अतिथि अन्तरराष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी नीशू कुमार, विशिष्ट अतिथि आईआईएमटी विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ दीपा शर्मा, कुलसचिव डॉ वीपी राकेश और मेरठ जिला फुटबाल संघ के सचिव ललित पंत ने मंच से खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के डीन डॉ वरेंद्र सिंह पटियाल ने अतिथियों को चैंपियनशिप के उद्देश्य के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज के अर्न्तगत हो रही चैंपियनशिप में सेंट्रल जोन की 40 से अधिक टीमें भाग ले रही हैं। अन्तरराष्ट्रीय फुटबाल खिलाड़ी नीशू कुमार ने चौंपियनशिप का शुभारंभ किया।

ग्राउंड वन में पहले मुकाबले में एलएनआईपी विश्वविद्यालय ग्वालियर ने एमजीकेयूपी विश्वविद्यालय वाराणसी को 3-1 से पराजित किया।

दूसरे मैच डॉ भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय आगरा ने एकतरफा मुकाबले में मेडिकैप्स विश्वविद्यालय इंदौर को 4-0 से हरा दिया। तीसरे मैच में शारदा विश्वविद्यालय नोएडा ने अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रेवा को 3-0 से पराजित किया। ग्राउंड-2 में खेले गये पहले मुकाबले में सीसीएस विश्वविद्यालय मेरठ ने यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहबाद को 2-0 से पराजित कर अगले चरण में प्रवेश किया। दूसरे मैच में प्रयागराज विश्वविद्यालय ने अवध विश्वविद्यालय को 3-1 से हराया। अलीगढ़ विश्वविद्यालय अलीगढ़ ने बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी को 3-1 हराया।

मंच का संचालन डॉ कन्हैया कुमार ने किया। इस अवसर पर आईआईएमटी विश्वविद्यालय के निदेशक प्रशासन डॉ संदीप कुमार, क्रीड़ा अधिकारी अंशी शर्मा, डॉ दीपशिखा राघव, प्रगति राठी, फुटबाल कोच सिद्धार्थ राठी, कोच संदीप शर्मा, डॉ दीवेश चौधरी, डॉ संगीता सिंह, डॉ दीपक, डॉ विजय प्रकाश, अबिनाश सिंह चिब, ज्ञानप्रकाश, मीडिया प्रभारी सुनील शर्मा आदि का योगदान रहा।

केपी ट्रस्ट के चुनाव में डॉ सुशील सिन्हा ने विजय दर्ज कर रचा इतिहास

प्रयागराज। एशिया के सबसे बड़े शैक्षणिक ट्रस्ट कहे जाने वाले कायस्थ पाठशाला (केपी ट्रस्ट) के चुनाव में डॉ सुशील कुमार सिन्हा ने विजय दर्ज कर इतिहास रच दिया। उन्होंने केपी ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष रहे और वर्तमान में उनके प्रतिद्वंदी चौधरी राघवेंद्र नाथ सिंह को कड़ी टक्कर में कुछ ही मतों से पराजित कर दिया है।

अंतिम राउंड की वोटिंग के पश्चात डॉ सुशील सिन्हा 128 मतों से विजयी हो गए थे, जिस पर दूसरे गुट ने हंगामा शुरू कर दिया। रिकाउंटिंग की मांग उठी और मतगणना स्थल पर माहौल गर्म हो गया। उनकी विजय के उपरान्त जश्न का माहौल व्याप्त रहा। तभी रिकाउंटिग शुरू हो गयी। लेकिन इसके बावजूद जहां शुरू में 128 मतों से डॉ सुशील सिन्हा विजयी हुए थे। वहीं दुबारा काउंटिंग में 28 मतों से विजयी हुए। इसके बाद पुनः जश्न शुरू हुआ और समर्थकों ने नारेबाजी करते हुए आतिशबाजी की।जनहित संघर्ष समिति के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं भाजपा मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने कायस्थ पाठशाला के चुनाव में डॉ सुशील सिन्हा की जीत को लेकर बधाई दी और कहा कि डॉ सुशील सिन्हा की जीत लोकतंत्र और कायस्थ समाज की जीत है और परिवारवाद की हार है।इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष प्रमिल केसरवानी, सुशील जैन, अजय अग्रहरि, शत्रुघ्न जायसवाल, अभिलाष केसरवानी, सुमित केसरवानी, सचिन गुप्ता, अभिषेक जैन, रविंद्र गांधी, सलभ पांडे, रवि शुक्ला सहित समिति के सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने बधाई दी।

जिले के दर्शनार्थी 30 जनवरी को अयोध्या पहुंचेंगे, आज को निकलेगी भव्य कलश यात्रा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बांदा। श्रीराम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा समारोह उत्सव 22 जनवरी को पूरे जनपद बांदा में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। साथ ही 30 जनवरी तक बांदा जनपद के दर्शनार्थी अयोध्या पहुंचकर रामलला के दर्शन करेंगे। बुधवार को बांदा शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसी तरह के कार्यक्रम ब्लॉक नगर व ग्राम इकाइयों में भी आयोजित किए जाएंगे।

यह बात मंगलवार को श्रीराम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा समारोह समिति बांदा के जिला संयोजक प्रभाकर सिंह चंदेल ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कही। उन्होंने बताया कि जनपद स्तर पर बृहद रूप से संपर्क के लिए जिला समिति ब्लॉक समिति एवं ग्राम नगर की वार्ड समितियां का गठन पूरे जनपद के आठ ब्लॉक तीन नगर व 471 ग्राम इकाइयों में किया गया है। उन्होंने बताया कि भगवान राम जी 500 वर्षों से वनवास के उपरांत अयोध्या नगरी में वापस आ रहे हैं। इसलिए पूरे हर्षोल्लास एवं मनोभाव से दीपावली 22 जनवरी को मनाई जाएगी।

उन्होंने कहा कि 1 जनवरी से 15 जनवरी 2024 तक श्रीराम जी का विग्रह पूजन चित्र, अक्षत एवं पत्रक के माध्यम से प्रत्येक घर तक विशेष संपर्क किया जाएगा। 22 जनवरी को पूरे जनपद के सभी ग्रामों एवं नगर मोहल्ले में स्थित मंदिरों में सामूहिक रूप से भजन कीर्तन, हवन पूजन व भंडारों का आयोजन कर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को एलईडी के प्रोजेक्टर के माध्यम से देखने की व्यवस्था की जाएगी। रात्रि कालीन घर-घर दीप उत्सव पर दीप जलाकर इस वर्ष दूसरी दीपावली मनाई जाएगी। उन्होंने बताया कि इस अभियान को गति देने के लिए जिले के प्रत्येक ब्लॉक व नगर मुख्यालय पर अयोध्या से आए पूजित अक्षत कलश की भव्य शोभा यात्रा नगरों में बड़ी ही धूमधाम से निकल जा रही है। इसी कड़ी में 27 दिसंबर को जनपद मुख्यालय बांदा के रामलीला मैदान महेश्वरी देवी से 12 बजे से 1100 अक्षत कलश की शोभायात्रा भगवान श्रीराम की झांकी के साथ निकाली जाएगी।

इस शोभायात्रा में हाथी, घोड़ा, बग्गी, बैंड-बाजा शामिल होंगे। साथ ही जिले की 10000 लोग भी इस शोभायात्रा में शामिल रहेंगे। कलश लेकर मातृ शक्तियां चलेगी। शोभा यात्रा का श्री गणेश भगवान राम लीला मैदान अलीगंज में समापन होगा। उन्होंने यह भी बताया कि अयोध्या में दर्शनार्थियों को ले जाने के उद्देश्य से इस जिले से होकर चार स्पेशल ट्रेन गुजरेंगी, जिनके माध्यम से दर्शनार्थी अयोध्या पहुंच सकेंगे। प्रेस वार्ता में राम प्रसाद सोनी, आरपी तिवारी, दिनेश दीक्षित व निखिल सक्सेना आदि भी मौजूद रहे।

पंचनद के पावन जल से होगा अयोध्या में श्रीराम लला का जलाभिषेक

औरैया। विचित्र पहल सेवा समिति की आवश्यक बैठक मंगलवार को क्रॉनिक एकेडमी में की गई। बैठक में प्रमुख रूप से दुनिया के अद्भुत पवित्र स्थल पांच नदियों के संगम पंचनद के पावन जल से अयोध्या में विराजमान श्री रामलला का जलाभिषेक कराने हेतु विधिवत विचार विमर्श किया गया।समिति के संस्थापक आनन्द नाथ गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि इस बाबत श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट, अयोध्या के प्रभारी प्रकाश कुमार गुप्ता से अनुमति मिल गई है। कार्यक्रम के अंतर्गत अमृत कलश में पावन जल लेने के लिए रामलला के भक्तों का जत्था 29 दिसम्बर को प्रातः 7 बजे पंचनद धाम रवाना होगा। उसके उपरांत अमृत कलश श्रद्धालुओं हेतु पूजन दर्शन के लिए फूलमती मंदिर में स्थापित किया जाएगा। 29 दिसम्बर शुक्रवार को शाम 4 बजे फूलमती मंदिर से रथ पर सवार श्रीराम दरबार की मनोहारी झांकी व अमृत कलश का राम भक्तों व श्रद्धालुओं के पूजन दर्शन हेतु गाजे-बाजे के साथ नगर भ्रमण हेतु शोभा यात्रा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

प्रशासन की लापरवाही और ग्रामीणों की निर्दयता ने ले ली दो गोवंशों की जान

24 घंटे बाद बंधक बने जानवर हुए आजाद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। प्रशासन की लापरवाही और ग्रामीणों की निर्दयता के चलते दो गोवंशों की भूख से तड़पकर मौत हो गई है। दरअस्ल आवारा पशुओं के आतंक से परेशान ग्रामीणों ने एक दिन पूर्व सैकड़ों गोवंशों को स्कूल में कैद कर दिया था। चौबीस घंटे बेजुबान पशुओं ठंड में चारा-पानी के बगैर रहे। प्रशासनिक अधिकारियों की कान पर जूं तक नहीं रेगी। आज जब पशुओं को गोशाला ले जाने की प्रक्रिया शुरू हुई तो दो गोवंश मृत पाए गए। मामला हलियापुर के सिंदुरापुर डीह गांव का है।

बल्दीराय तहसील अंतर्गत सिंदुरापुर डीह गांव में ग्रामीण आवारा पशुओं के आतंक से काफी परेशान हैं। ग्रामीणों की फसलें बर्बाद हो रही हैं। लेकिन शिकायत के बाद भी आवारा पशु गौशाला में नहीं ले जाए गए। ऐसे में ग्रामीणों ने रविवार को प्राथमिक विद्यालय सिंदुरापुर डीह में दो सौ से अधिक आवारा पशुओं को बंधक बना लिया था। सुबह से लेकर रात भर जानवर विद्यालय में भूखे प्यासे बंद रहे। किसान सत्येंद्र प्रताप सिंह, सियाराम, शिव मूरत, ध्रुव राज, बृजेश, लवलेश, संतोष, शुभम कुमार, रमेश कुमार, आदित्य, महेश कुमार आदि ग्रामीणों ने बताया कि हम लोग ग्राम प्रधान, सचिव व ब्लॉक पर खंडविकास अधिकारी तक से इसकी शिकायत कर चुके हैं। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। हम लोग परेशान होकर यह निर्णय लिए। सोमवार को खंड विकास अधिकारी एसएन सिंह ने मामले का संज्ञान लिया। सुबह 8 बजे के लगभग एक पिकअप वाहन से जानवरों को हलियापुर गोशाला भिजवाया जा रहा था। लेकिन संख्या अधिक थी इसलिए ग्राम प्रधान प्रतिनिधि गोकरन शुक्ला ने दोपहर में ग्रामीणों को इकट्ठा करके ताला खोलकर सारे जानवरों को हलियापुर के लिए भिजवाने की व्यवस्था सड़क मार्ग से की।इतने में विद्यालय में दो गोवंश मरे हुए दिखाई पड़े।माना जा रहा है कि इनकी मौत भूख प्यास से तड़प कर हो गई है। हालांकि अब गोवंश की मौत पर कोई बोलने को तैयार नहीं है।

मोडिफाइड साइलेंसर, काली फिल्म, प्रेशर हार्न वालों पर यातायात पुलिस की कार्यवाही

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा के निर्देशन में चलाए जा रहे सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के अंतर्गत यातायात निरीक्षक चंद्रभान वर्मा ने दलबल के साथ नगर में व्यापक स्तर पर दो चक्का,चार चक्का व भारी वाहनों की जांच पड़ताल करते हुए वाहन चालकों को जागरूक किया एवं नियम विरूध चालकों पर कार्यवाही भी की। टीआई श्री वर्मा ने वाहन चालकों से अपील करते हुए कहाकि बाईक चालक जब भी सड़क पर आए पहले जांच लें की गाडी के आवश्यक अभिलेख मौजूद है, साथ ही हेल्मेट, लाइसेंस जरूर साथ लेकर वाहन चलाएं। उन्होनें कहाकि मोडिफाइड़ साइलेंसर, प्रेशर हार्न और गाडी चलाते समय शराब का सेवन ना करें। अन्यथा नियमानुसार कार्यवाई सुनिश्चित है। वही चार चक्का वाहन चालकों से कहाकि काली फिल्म का इस्तेमाल ना करें, शराब पीकर वाहन ना चलाए, अन्यथा ड्रिंक एण्ड ड्राइवल के अंतर्गत कार्यवाही की जाएगी। यातायात निरीक्षक ने वाहन चालकों को बताया की समस्त थाने, चौकी पर पीए सिस्टम पर सड़क सुरक्षा जागरुकता अभियान कराया जा रहा है। आम जनमानस को यातायात नियमों का पाठ पढ़ाया जा रहा है। श्री वर्मा ने बताया कि स्टंटबाजों को भी चेतावनी दी जा रही है की स्टंट कदापि ना करें, अन्यथा स्टंटबाजों के विरूध कठोर कार्यवाही की जाएगी। यातायात निरीक्षक ने कहाकि पुलिस आपके सहयोग में आपके साथ है,आप भी सहयोग करें, क्योंकि हम आपकी सुगम और सुरक्षित यात्रा की मंगल कामना करते है। अभियान के अंतर्गत पयागीपुर से लेकर नगर के अन्य क्षेत्रों में यातायात पुलिस ने सघन चेकिंग करते हुए अनियमित वाहन चालकों का चालान करते हुए,उन्हें दोबारा ऐसा ना करने की हिदायत की। दूसरी तरफ यातायात प्रभारी चंद्रभान वर्मा द्वारा निजी विद्यालय में पहुंचकर विद्यालय में बच्चों को ढ़ोने वाले वाहनों की जांच व फिटनेस देखा,साथ ही प्रबंधकों को दिशा निर्देश देते हुए कहाकि प्रशिक्षित ड्राईवर व वाहन के अभिलेखों के साथ ही ओवरलोडिंग नही करेगें।

आईसीसीयू सुविधा मरीजों के लिए अतिशीघ्र शुरू होगी : सीएमएस

सुल्तानपुर। बीते दिनों सोशल प्लेटफार्म पर स्वशासी मेडिकल कॉलेज का आईसीसीयू बद होने की खबरें वायरल हुई थी, जिसका संज्ञान मुख्य चिकित्साधिक्षक डॉ.एसके गोयल ने गंभीरता से लेते हुए प्राचार्य डॉ.सलिल श्रीवास्तव से वार्ता करके अतिशीघ्र यूनिट खोलने का फैसला लेते हुए फीजीशियन डॉ.पवन सिंह को जिम्मेंदारी सौपी है। सीएमएस डॉ.एसके गोयल ने बताया की यूनिट में सारी व्यवस्थाएं उपलब्ध है, पूर्व में छत का प्लास्टर उखड़ने लगा था। कोई घटना ना घटित हो जाए इसलिए बंद करके सीलिंग करवाने के लिए कहा गया था, जिसका काम हो रहा है, उन्होनें बताया डॉक्टर पवन सिंह को जिम्मेदारी दी गई है। अतिशीघ्र मरीजों को आईसीसीयू की सुविधा उपलब्ध होगी। साथ ही डॉ.एसके गोयल ने अस्पताल में डाक्टरों व कर्मियों के साथ होने वाली अभद्रताओं पर खासे सख्त दिखे। सीएमएस ने कठोर लहजे में कहाकि यदि किसी ओपीडी में डॉक्टर के साथ आगंतुक व्यक्ति मिलता है तो पुलिस कार्यवाही के साथ डाक्टरों पर विभागीय कार्यवाई भी की जाएगी। उन्होनें शनिवार को एक डाक्टर के साथ हुई घटना को गंभीरता से लिया है,सीएमएस का कहना है कि प्राचार्य डॉ.सलिल श्रीवास्तव से शनिवार के प्रकरण पर वार्ता की जाएगी, उसके बाद निर्णय लिया जाएगा।

वफाओं का परवर दिगार यानी गाजी अब्बास की मां है बीबी उम्मुल बनीन

सुल्तानपुर। कुड़वार क्षेत्र के मनियारपुर गांव में रौजा ए सकीना में पांच दिवसीय मजलिस का आयोजन चल रहा है। मजलिस का आगाज पेशख्वानी से हुआ। जिसे शोएब अब्बास शहवार मेहदी ज़ाकिर हुसैन ने किया। निजामत (संचालन) मौलाना फ़की ने किया। मजलिस को मौलाना ज़ायर हसन इलाहाबाद प्रयागराज व मौलाना अब्बास इरशाद लखनऊ ने खेताब किया। मौलाना ने कहा कि जनाबे उम्मुल बनीन जब अपने मां बाप के घर से मौला अली अलैहिस्सलाम के घर आईं तो सबसे पहले चौखट को चुमा। इसके बाद चौखट पर सिर झुका कर इमामत के घर दाखिल हुईं। बीबी उम्मुल बनीन को अल्लाह ने चार बेटे दिए थे। वफाओं का परवर दिगार यानी गाजी अब्बास की मां है जनाब ए उम्मुल बनीन। मौलाना ने बीबी का दर्दनाक मसायब बयान करते हुए कहा उम्मुल बनीन बीबी के चारों बेटे कर्बला की जमीं पर शहीद हो गए। बड़े बेटे का नाम मौला गाजी अब्बास था। मजलिस के दौरान अंजुमन हैदरिया मनियारपुर ने नौहा व सीनाजनी का पुरशा पेश किया। मजलिस में मौलाना आज़म मेहदी मौलाना आज़म हुसैन रईस अहमद अनसर रिज़वी मसीह असगर हैदर अली कस्सू भाई जौन मेहदी हैदर अब्बास अरीब परवेज हैदर अलमदार हुसैन हैदर नक़्वी दिलशाद हुसैन आदि बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।यह जानकारी कमेटी खादिमाने अबुल फज्ल के सदस्य फ़ज़ल रिज़वी फैज़ ने दी।

मुगलों ने छीना था आज हम ताकतवर हैं, लेने जा रहे मथुरा : संगमलाल गुप्ता

सुलतानपुर। प्रतापगढ़ के सांसद संगमलाल गुप्ता सुल्तानपुर पहुंचे। उन्होंने राममंदिर के मुद्दे पर मीडिया से चर्चा की। सांसद ने कहा कि मुगलों ने हमारी विरासत को छीन लिया था। मुगलों का राज था उन्होंने छीन लिया, आज हम ताकतवर हैं तो हम अपने सनातन धर्म को छीन लेंगे। उसमें किसी को कोई रोक टोक होना नहीं चाहिये।

सांसद संगमलाल गुप्ता ने आगे कहा कि हम अयोध्या लिए तो हमने अपनी खोई हुई विरासत को लिया है। ना की हमने किसी के धर्म को कैप्चर किया है। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर बनाया गया तो हिंदुओं के आस्था थे भगवान भोले शंकर। उसी तरह अगर हम मथुरा को लेने जा रहे हैं तो उसमें किसी को कोई रोक टोक होना नहीं चाहिए। जिस दिन मुगल ताकत में थे हमारी मंदिरों को खंडित करके वहां मस्जिदों का निर्माण कर दिया। गुंबद लगा दिए। आज हम ताकत में हैं तो हम क्यों नहीं ले लेंगे। सांसद ने ये भी कहा कि 500 सालों से जो प्रलम्बित था आजतक और 140 करोड़ जनता की आस्था थी राम प्रभु हम लोगों के आराध्य हैं। और वो सपना अगर साकार होने जा रहा है तो उससे ज़्यादा हर्ष और खुशी हो नहीं सकती है। उस दिन का नजारा देखने के लिए पूरा देश ही नहीं पूरी दुनिया पलकें खोलकर रखी हुई है। अगर मोदी की सरकार नहीं होती तो आज 140 करोड़ जनता का सपना साकार नहीं होता। उन्होंने ये भी कहा राममंदिर हमारा राजनीति का कोई मुद्दा नहीं है। राममंदिर हमारे एजेंडे में था, हम सौगंध राम की खाते हैं मंदिर वही बनाएंगे। आज विपक्ष के लोग उसी अयोध्या से अपनी राजनीतिक पारी खेलने की शुरुआत कर रहे हैं।

श्री गुरु रविदास विश्व महा पीठ कीं प्रांतीय बैठक आज

लखनऊ। श्री गुरु रविदास विश्व महापीठ भारत एक सामाजिक सगठन है के प्रदेश कार्य कारिणी को लेकर महा पीठ के प्रदेश अध्यक्ष रामवीर सिंह भैया ने बताया कि प्रदेश कार्य करिणी बैठक 27 दिसंबर 2023 को लखनऊ के भागीदारी भवन में होगी। इसमें केंद्रीय मंत्री नारायण स्वामी और समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण उत्तर प्रदेश सरकार मे मंत्री बेबी रानी मौर्या विजय लक्ष्मी गौतम मौजूद रहेंगे। महापीठ के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व सांसद दुष्यंत गौतम, राष्ट्रीय अध्यक्ष व हरिद्वार के ज्वालापुर से पूर्व विधायक सुरेश राठौर अंतर्राष्ट्रीय उपाधक्ष गुजरात प्रदेश पूर्व विधान सभा अध्यक्ष आत्माराम परमार अंतर्राष्ट्रीय महामंत्री सूरजभान कटरिया आदि शामिल होगे बैठक की अध्यक्षता महापीठ प्रदेश अध्यक्ष रामवीर सिंह भैया जी करेंगे। बैठक में गुरु रविदास के देशभर के अनुयायी, डेरा प्रमुख, समाज के प्रतिनिधि शामिल होंगे। बैठक में सामाजिक उत्थान के लिए कई प्रस्ताव पारित किए जायेंगे। बैठक में प्रदेश प्रवक्ता मौर्याकूर प्रभात, राजेन्द्र कुमार गौतम जितेन्द्र कुमार राहुल भारती पवन कुमार गौतम ओमप्रकाश प्रधान राजेश कुमार वर्मा प्रधान आदि मौजूद रहे।

कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। क्रिसमस डे के शुभ अवसर पर कंबल वितरण कार्यक्रम लाइफ लाइन सेवा समिति सुल्तानपुर की तरफ से कम्बल वितरण का कार्यक्रम सम्पन हुआ। जिसमें गरीब, असहाय विकलांग व्यक्तियों को कम्बल वितरित किया गया। सचिव मोहसिन सलीम एवं कोषाध्यक्ष फिरोज खान, सहसचिव आलोक जायसवाल, वरिष्ठ समाजसेवी रणजीत सिंह सलूजा, समाजसेवी मनोज शुक्ला, रामकुमार यादव सिराज सिद्दीकी, मोहमद अफजल, समाजसेवी हमीद राइनी, इमरान अहमद, महबूब माली, राजेश पाठक, अंजनी मिश्रा, आसिफ अंसारी, मोनू सिंह, इकराम खान, शिक्षक राकेश पांडे, राजा भाई, जयप्रकाश श्रीवास्तव, रियाज प्रधान, मंसूर चाचा, राकेश कुमार लाभुआ, मेराज अहमद, कौसर, संजय सिंह आदि लोग मौजूद रहे। मुख्य रूप से करीम एडवोकेट, राकेश मनी पांडेय शिक्षक संघ नेता, समाज सेवी शादाब सलीम और कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय सचिव बीपी सिंह के प्रतिनिधि संदीप सिंह मोनू आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे। संस्था के सचिव मोहसिन सलीम ने कहा संस्था हर कमज़ोर व्यक्ति को सहयोग करने के लिए हमे तैयार समाज सेवा और इंसानियत से ही समाज का भला हो सकता है ।

दिव्यांग महिला चिकित्सक को प्रताड़ित करने का मामला में जवाब तलब

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। दिव्यांग महिला चिकित्सक को ड्यूटी समय में प्रताड़ित करना राजकीय मेडिकल कॉलेज के चर्चित पिंरसिपल को महंगा पड़ा है। प्रकरण में राज्य आयुक्त दिव्यांगजन ने महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा और पिंरसिपल से जवाब तलब किया है। पहले भी पिंरसिपल पर डॉक्टर व स्टॉफ को प्रताड़ित करने का आरोप लग चुका है लेकिन शासन में रसूख के चलते कार्रवाई नहीं हुई।

राजकीय मेडिकल कॉलेज के महिला अस्पताल में तैनात चिकित्सक डॉक्टर सरोज दुबे दिव्यांग हैं। उनका आरोप है कि सामान्य डॉक्टर की तरह उनसे भी पिंरसिपल द्वारा ड्यूटी ली जा रही है। इमरजेंसी, ओपीडी और ऑपरेशन में ड्यूटी के अलावा उनकी ड्यूटी ट्रेनिंग, जांच और मीटिंग में लगाई जा रही है। बताया गया कि स्थिति ये है कि आपातकालीन कक्ष में बाथरूम और बेड तक की व्यवस्था तक नहीं है। इमरजेंसी कॉल आने पर दूर-दूर वार्ड होने पर उन्हें जाने में भी समस्या का सामना करना पड़ता है। ऊबड़-खाबड़ रोड से हॉस्पिटल में उन्हें गुजरना होता है। इस बाबत डॉक्टर ने पिंरसिपल से विनती भी की कि उनकी ड्यूटी इस प्रकार नहीं लगाई जाए लेकिन उन्होंने कुर्सी की हनक दिखाते हुए महिला डॉक्टर को चलता किया। जिसके बाद उन्होंने राज्य आयुक्त दिव्यांगजन में शिकायत की। कोर्ट ने महानिदेशक चिकित्सा और पिंरसिपल से 15 जनवरी तक जवाब तलब कर लिया है। जिससे अब पिंरसिपल की धड़कने बढ़ गई हैं। आपको बता दें कि 19जून 2023 को प्रमुख सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य ने सभी अपर निदेशक और जिलों के सीएमओ व सीएमएस को निर्देश दिए थे कि दिव्यांग कर्मचारी की इमरजेंसी मेला और वीआईपी मूवमेंट में ड्यूटी नहीं लगाई जाएगी। बावजूद इस स्पष्ट आदेश की अवहेलना कर पिंरसिपल महिला चिकित्सक को ड्यटी के नाम पर तंग करते रहे।

महाराजा अहिबरन जयंती पर निकली शोभा यात्रा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। मंगलवार को महाराजा अहिबरन जयंती के मौके पर नगर क्षेत्र में शोभा यात्रा निकाली गई। बरनवाल समाज के लोग इसमें बड़ी संख्या में शामिल हुए। शोभा यात्रा मेजरगंज चौराहे के ठठेरी बाजार से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गों से होकर नबीपुर स्थित एक मैरिज लॉन पहुंची। जहां पर कार्यक्रम आयोजित किया गया।

बरनवाल सेवा समिति के लोगों द्वारा करीब अस्सी वर्षों से कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जिसमें सुल्तानपुर और अमेठी के बरनवाल समाज के लोग बड़ी संख्या में शामिल होते रहे हैं। आज ठठेरी बाजार स्थित महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर पुष्प अर्पितकर शोभा यात्रा निकाली गई। जो चौक, शाहगंज चौराहा, राहुल चौराहा होते हुए मैरिज लॉन पहुंची। यहां एक गोष्ठी का आयोजन हुआ। जिसमें

सम्मानित किए गए बरनवाल समाज के बच्चे और शिक्षक

समाज से जुड़े बच्चों और शिक्षकों आदि को सम्मानित किया गया। वही लंभुआ नगर पंचायत अध्यक्ष द्वारा अमेठी बरनवाल सेवा समिति के अध्यक्ष को भी सम्मानित किया गया। बरनवाल समिति के पदाधिकारी ने बताया कि हम अपने वंशज महाराजा अहिबरन की जयंती मना रहे हैं। हमारा उद्देश्य है अपने महाराजा अहिबरन के पद चिन्हों पर चलकर कुछ अच्छे कार्य करना। लोगों को संगठित करना, साथ ही साथ हमारे बरनवाल परिवार के जो बच्चे पढ़ाई में आगे हैं। जो आईआईटी में, डॉक्टर में सेलेक्शन होता है उन्हें सम्मानित करते हैं। एक उद्देश्य ये भी है कि हम लोग संगठित होंगे तभी राजनीति में आगे आएंगे। शोभा यात्रा में लगभग दो हजार के ऊपर महिला-पुरुष मौजूद रहे।

मोदी की गारंटी गाड़ी देश के हर कोने तक पहुंच रही है : अन्नपूर्णा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

जौनपुर। केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने सोमवार को कहा कि विकसित भारत के संकल्प के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी गाड़ी देश के हर कोने तक पहुंच रही है।

मुगराबादशाहपुर विधानसभा के विकास खण्ड मछली शहर के ग्राम सभा सरायबीका व रज्जुपुर में विकसित भारत संकल्प यात्रा को संबोधित करते हुये उन्होने कहा कि जहां बाकी सभी से लोगों की उम्मीदें खत्म हो जाती हैं वहां से मोदी जी की गारंटी शुरू होती है। भारत को एक विकसित देश बनाने के उनके संकल्प के केंद्र में छोटे शहरों का विकास है। एक महीने के अंदर ही विकसित भारत संकल्प यात्रा हजारों गांवों और शहरों, विशेषतौर पर छोटे शहरों में पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार परिवार के एक सदस्य की तरह हर किसी की परेशानियां कम करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने सभी लोगों से सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा, भले ही मोदी ने विकसित भारत संकल्प यात्रा को हरी झंडी दिखा दी हो, लेकिन सच्चाई ये है कि आज इस यात्रा की कमान देशवासियों ने अपने हाथों में ले ली है। अभी जिन लाभार्थियों से मैं बात कर रहा था, उनसे संवाद से दिखता है कि देश का जन-मन इस यात्रा को लेकर कितना ज्यादा उत्साहित है। एक जगह जहां पर यात्रा खत्म होती है, वहां से दूसरे गांव या शहर के लोग इस यात्रा की अगुवाई करने लग जाते हैं। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री सुशील मिश्रा ने किया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी जिला मंत्री प्रमोद यादव अजय शंकर दुबे अज्जू पूर्व विधायक सुषमा पटेल कुमकुम गोरखनाथ पटेल उप जिलाधिकारी मछली शहर समेत कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

देश और धर्म की रक्षा में साहेबजादों ने दिया प्राणों का बलिदान : दिलीप पटेल

गुरु गोविन्द सिंह के साहेबजादों जोरावर सिंह एवं फतेह सिंह के बलिदान दिवस को भाजपा ने वीर बाल दिवस के रूप में मनाया

एजेंसी

वाराणसी। भारतीय जनता पार्टी की वाराणसी इकाई ने मंगलवार को सिख पंथ के दसवें गुरु गोविंद सिंह के साहेबजादों जोरावर सिंह एवं फतेह सिंह के बलिदान दिवस को वीर बाल दिवस के रूप में मनाया। इस अवसर पर आयोजित गोष्ठी में पार्टी के काशी क्षेत्र अध्यक्ष दिलीप पटेल ने कहा कि गुरु गोविंद सिंह के चारों पुत्र साहिबजादे जुझार सिंह, साहिबजादे अजित सिंह, साहिबजादे जोरावर सिंह व साहिबजादे फतेह सिंह ने मुगल शासकों के अत्याचारों का मुकाबला करते हुए खुद को बलिदान कर दिया। मुगल सल्तनत और मुस्लिम शासकों ने देश में इस्लाम थोपने का लालच दिया,जिसे न मानने पर गुरु के साहेबजादों पर अत्याचार किए गये।

पटेल ने कहा कि उस दौर में भी ज्ञान और तपस्या में तपे हुए हमारे गुरु थे, जहां एक ओर आतंक की पराकाष्ठा थी, तो वहीं दूसरी ओर अध्यात्म का शीर्ष था। जहां एक ओर लाखों की फौज थी, तो वहीं दूसरी ओर अकेले होकर भी निडर खड़े गुरु गोविंद सिंह के वीर साहिबजादे थे। गुरु गोबिंद सिंह के दो साहिबजादे जोरावर सिंह और साहिबजादा फतेह सिंह को वजीर खान ने दीवार में जिंदा चुनवा दिया था। ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि औरंगजेब और उसके लोग गुरु गोविंद सिंह जी के साहिबजादों का धर्म तलवार के दम पर बदलना चाहते थे। लेकिन, भारत के वीर बेटे मौत से भी नहीं घबराये,वे दीवार में जिंदा चुन गये, लेकिन उन्होंने धार्मिक कट्टरता के मंसूबों को हमेशा के लिए दफन कर दिया।

क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की पहचान उसके सिद्धांतों, मूल्यों और आदर्शों से होती है। हमने इतिहास में बार-बार ऐसा देखा है कि जब किसी राष्ट्र के मूल्य बदल जाते हैं, तो कुछ ही समय में उसका भविष्य भी बदल जाता है। ये मूल्य सुरक्षित तब रहते हैं, जब वर्तमान पीढ़ी के सामने अपने अतीत के आदर्श स्पष्ट होते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्तमान पीढ़ी के आदर्श के रूप में गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर 26 दिसंबर को दोनों साहिबजादों (साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फतेह सिंह) की शहादत को 'वीर बाल दिवस' के रूप में मनाने की घोषणा की थी। संगोष्ठी की अध्यक्षता एमएलसी एवं भाजपा जिलाध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा ने की। संचालन अश्विनी पांडेय और धन्यवाद ज्ञापन विनोद पटेल ने किया । गोष्ठी में जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या,अशोक चौरसिया, राजेश राजभर, संतोष सोलापुरकर, श्रीप्रकाश शुक्ला, संजय सोनकर, सुरेंद्र पटेल, प्रवीण सिंह गौतम आदि पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

खुले स्थानों पर न जलायें कचरे बल्कि समुचित तरीके से कूड़े, कचरे का करें निस्तारण : डीएम

अवैध ईंट भट्ठों पर करें कार्यवाही संबंधित विभाग के अधिकारी: जिलाधिकारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। जिलाधिकारी नेहा शर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में वृक्षारोपण समिति जिला गंगा समिति की बैठक सम्पन्न की गई।जिसमें उन्होंने इस वर्ष कराये गये वृक्षारोपण स्थल के जियो टैगिंग की समीक्षा की। उन्होंने लघु सिंचाई एवं भूगर्भ जल,महिला एवं बाल विकास, गृह विभाग, चिकित्सा शिक्षा एवं युवा कल्याण विभाग को निर्देश दिए कि वह जल्द से जल्द अपनी शतप्रतिशत जियो टैगिंग करायें।साथ ही कहा जो पौधे मृत हो गए हैं उनके स्थान पर दूसरा पौधा लगाया जाये।

बैठक के दौरान उन्होंने उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड अयोध्या के क्षेत्रीय अधिकारी से कहा कि जनपद में प्रदूषण नियंत्रण के लिए बिना अनुमति अवैध ईंट भट्ठों पर संबंधित विभाग के अधिकारी को कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। उन्हें तत्काल नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गये। स्थानीय निकाय से जनित नागरिक ठोस अपशिष्ट के अंतिम निस्तारण,अस्पतालों से उत्पन्न होने वाले बायोमेडिकल वेस्ट का निस्तारण करने, सिंगल यूज प्लास्टिक को बंद करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित विभाग के अधिकारी को कड़े निर्देश दिये हैं कि कहीं पर भी खुले में कूड़े, कचरे को नहीं जलाया जाना है, बल्कि उसका एक समुचित निस्तारण करना सुनिश्चित करें।इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी, प्रभागीय वनाधिकारी,मुख्य चिकित्सा अधिकारी,सिटी मजिस्ट्रेट,बीएसए, एडीपीआरओ सहित सभी संबंधित विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

उद्यमियों की समस्याओं का समय से किया जाए समाधान डीएम

गोण्डा। जिलाधिकारी नेहा शर्मा की अध्यक्षता में उद्योग बंधु, श्रम बंधु व व्यापार बंधुओं की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। उद्योग बंधु की बैठक में सर्वप्रथम पिछले कार्यवृत्ति की अनुपालन स्थिति जानी गयी। जिलाधिकारी ने उद्यमियों की समस्याओं से अवगत हुए व संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र निस्तारण हेतु निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने वैसे उद्यमी जिनके ऋण बैंक से स्वीकृत नहीं हो पाए हैं उसके संदर्भ में यह निर्देश दिया कि उपायुक्त उद्योग के स्तर से आवेदनकर्ता की पात्रता व सभी संबंधित औपचारिकताएं पूर्ण करने के बाद उसे बैंक को अग्रसारित किया जाए। अग्रसारित होने के बाद यह सुनिश्चित किया जाए कि एक भी आवेदन अस्वीकृत न हो। सभी संबंधित लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण हेतु भी डीएम ने निर्देशित किया।जिलाधिकारी ने वैसे बैंकों की सूची प्रस्तुत करने को कहा जिन के स्तर से ऋण स्वीकृति के आवेदन लंबित हैं। उद्योग बंधु की बैठक में एक जनपद एक उत्पाद योजना की प्रगति भी जानी गयी तथा जिलाधिकारी ने उद्यमियों को प्रोत्साहित भी किया।बैठक में व्यापारियों द्वारा शहर में जाम विद्युत शौचालय सड़क मार्ग आदि को लेकर समस्या उठाई गई जिस पर जिलाधिकारी ने उन्हें तत्काल समस्या दूर करने का निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश देते हुए कहा कि उद्योग बंधुओं एवं व्यापार बन्धुओं व श्रम बन्धुओं की समस्याओं का समाधान समय से कराना सुनिश्चित करें। बैठक में उपायुक्त उद्योग व एलडीएम को निर्देश देते हुए कहा है कि व्यापार बन्धुओं व उद्योग बन्धुओं के व्यापार में अपेक्षित सहयोग करना सुनिश्चित करें।बैठक में व्यापारियों ने अपने-अपने सुझाव दिये जिस पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी अधिकारी मिलकर समास्या का समाधान करायें।

पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने थाना तरबगंज व चौकी रगड़गंज का किया औचक निरीक्षण

गोण्डा। पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने थाना तरबगंज व चौकी रगड़गंज का औचक निरीक्षण किया गया।जिसमें थाना परिसर, थाना कार्यालय, थाना परिसर,सीसीटीएनएस,विवेचना कक्ष, महिला हेल्प डेस्क, साइबर हेल्प डेस्क,बैरक आदि का निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया।पुलिस अधीक्षक ने रिकार्डों को अद्यावधिक करने व साफ सफाई रखने एवं महिला हेल्प डेस्क पर नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों को आने वाली महिला फरियादियों की समस्याओं को सुनकर उनके प्रति सहानुभूतिपूर्वक व्यवहार करते हुए तत्काल निस्तारण कराने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने थाने के त्योहार,मासिक व अपराध रजिस्टर का अवलोकन, ऑपरेशन क्लीन के तहत मालों का निस्तारण किए जाने तथा सभी अभिलेखो को अद्यावधिक रखने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग को प्रभावी बनाने,रात्रि गश्त व पिकेट को प्रभावी बनाने,एचएस चेकिंग,लम्बित विवेचनाओ को गुणदोष के आधार पर निस्तारण व वांछित अभियुक्तो की शीघ्र गिरफ्तारी करने के निर्देश दिए।इस मौके पर क्षेत्राधिकारी तरबगंज सौरभ वर्मा, प्रभारी निरीक्षक तरबगंज शमशेर बहादुर सिंह,पीआरओ पुलिस अधीक्षक आदित्य गौतम, चौकी प्रभारी रगड़गंज व अन्य पुलिस अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

सालाना उर्स पर आयोजित हुई क्विज प्रतियोगिता

जरवल, बहराइच। विकास खण्ड के ग्राम पंचायत हरचंदा में हजरत पीर बाबा के सालाना उर्स पर कमेटी द्वारा आयोजित की गयी क्विज प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, आयोजित प्रतियोगिता में प्राथमिक स्तर, उच्च प्राथमिक स्तर तथा माध्यमिक स्तर के छात्रों ने प्रतिभाग किया।क्विज प्रतियोगिता में विज्ञान गणित, अंग्रेजी एवं इस्लामिक स्टडीज से संबंधित प्रश्न पूछे गए। प्राथमिक स्तर में प्रथम स्थान पर छात्र शेख हुजैफा, द्वितीय स्थान पर अदीबा शेख, तृतीय स्थान पर संयुक्त रूप से खुबैब अहमद, शिफा आसिफ व मोहम्मद फहीम रहे। उच्च प्राथमिक स्तर पर उबेद आरिफ प्रथम, फरहान द्वितीय व तृतीय स्थान पर संयुक्त रूप से मोहम्मद जानिब व कुतुब अली आये। वहीं माध्यमिक स्तर पर अलाइना आसिफ प्रथम, द्वितीय स्थान पर संयुक्त रूप से लारैब हुसैन, मोहम्मद ज़ैद तथा मिन्नत अल्लाह तृतीय रहे द्य विजेता बच्चों को प्रोग्राम के मुख्य अतिथि विधायक तथा विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत सदस्य इमरान अहमद के द्वारा लंच बॉक्स, वाटर बॉटल व नगद पुरस्कार देकर सम्मनित किया,कार्यक्रम में कव्वाल तस्लीम आरिफ के द्वारा कव्वाली पेश की गई । उक्त कार्यक्रम के आयोजन में शिक्षक आसिफ अली, मोहम्मद अहमद, जाफिर समेत समस्त उर्स कमेटी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस अवसर पर ग्राम प्रधान फहीम अहमद समेत अन्य स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे ।

बहराइच अमृत महोत्सव कलाकारो को प्रतिभा दिखाने का दे रहा है सुनहरा मौका: शमा परवीन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । गेदघर बहराइच महोत्सव में शमा परवीन को मिला सम्मान। रेनबो ट्रस्ट के फाऊंडर राजेश राज गुप्ता व सुमति राज गुप्ता जी के द्वारा समय-समय पर लखनऊ,गोरखपुर सहित अन्य कई राज्यों शहरों में ऐसे महोत्सव के आयोजन किए जाते रहते है,रेनबो ट्रस्ट की तरफ से गेंदघर में हो रहे अमृत महोत्सव बहराइच में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर हुनरबाज़ कमाल दिखा रहे है जिसमे सुमति गुप्ता जी द्वारा सभी को सम्मानित किया जा रहा है। गेदघर बहराइच महोत्सव में भव्य आयोजन का उद्देश्य भी यही है कि इस तरह के आयोजन से छोटे बड़े सभी तरह के दुकानदारों को रोजगार का अवसर मिले।इस मंच का संचालन बहुमुखी प्रतिभा के धनी विजय कुमार गुप्ता करते है।जहां पर विभिन्न राज्यों के स्टॉल धारकों की सुंदर कलाकृतियां हैंडीक्राफ्ट हैंडलूम बच्चों के खिलौने झूलों की मस्ती शॉपिंग भी सस्ती व स्वादिष्ट व्यंजनों का जायका भी खास तौर पर है।समाजसेवी सुमिती गुप्ता ने शमा परवीन की प्रतिभा को मंच पर सराहा और सम्मानित कर समाजसेवी शमा का मान बढ़ाया। सुमिती गुप्ता का मानना है कि नारी शक्ति को बढ़ावा देना बहुत जरुरी है।सुप्रसिद्ध एंकर विजय कुमार गुप्ता ने भी सामाज सेवा कार्य की सराहना करते हुए शमा फाउनडेशन की प्रबंधक शमा परवीन को सम्मान पत्र प्रदान किया।

पीड़ित व्यक्ति की फरियाद को गंभीरता से सुनकर उसे शीघ्र न्याय दिलाना पुलिस की पहली प्राथमिकता: एसपी विनीत जायसवाल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। थाना में आने वाले प्रत्येक पीड़ित व्यक्ति की फरियाद को गंभीरता से सुनकर तथा मैत्रीपूर्ण व्यवहार कर उसे शीघ्र न्याय दिलवाए ताकि पीड़ित व्यक्ति अपने आप को सुरक्षित महसूस करें तथा समाज में पुलिस की एक बेहतर छवि नजर आए।पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने कहा कि जिले के सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए गए है कि सीएम विंडो,पीएम विंडो तथा हर समय पोर्टल पर आने वाली सभी शिकायतों का निश्चित समय अवधि में निवारण कर उच्च अधिकारियों द्वारा मांगे गए जवाब सही समय पर भेजना सुनिश्चित करें।पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने कहा कि फरियाद लेकर आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को शीघ्र न्याय दिलाना पुलिस की पहली प्राथमिकता है।उन्होंने कहा कि समय-समय पर सभी पुलिस अधिकारियों तथा थाना प्रभारियों के कार्यों की इस संबंध में फीडबैक ली जाएगी तथा वे स्वयं इस कार्य की मॉनिटरिंग करेंगे।पुलिस अधीक्षक ने कहा यदि किसी भी पीड़ित व्यक्ति की शीघ्र सुनवाई होगी और उसे जल्द न्याय मिलेगा तो वह कहीं भी चक्कर लगाने के लिए मजबूर नहीं होगा।पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने कहा कि समय-समय पर सभी थाना प्रभारियों की कार्य प्रणाली की समीक्षा की जाएगी तथा काम में लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रभारियो को निर्देश दिए की थाना के रिकॉर्ड को पूरी तरह से कंप्युटरिकृत तथा अपडेट रखें तथा ऊंच अधिकारियों द्वारा गए मांगे गए जवाब सही समय पर भेजें। उन्होंने कि सभी पुलिस अधिकारी तथा कर्मचारी अपने आप को आधुनिक तकनीक से भी पूरी तरह परिचित रखें।

पच्चीस मुकदमों के वांछित हिस्ट्रीशीटर को पुलिस ने दबोचा

फतेहपुर। जिले में मंगलवार को अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाये जा रहे अभियान में सुल्तानघोष थानाध्यक्ष राजेन्द्र कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने पच्चीस मुकदमों में वांछित हिस्ट्रीशीटर बदमाश को गिरफ्तार किया है। पकड़े जाने से पूर्व गिरफ्तार बदमाश तमंचे के बल पर किसी बड़ी वारदात को फिराक में खड़ा था।सुल्तानघोष थाना क्षेत्र के गांव कोरका निवासी हिरन बाबू ऊर्फ दरोगा पुत्र गुलाब सिंह एक अंतर-जनपदीय हिस्ट्रीशीटर अपराधी है, जिसकी हिस्ट्रीशीट संख्या 1253-ए है। उसके खिलाफ पहले से फतेहपुर जिले के अलावा कौशाम्बी व बांदा में दो दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं।

डीएम की गेंद पर रन नहीं बना सकी महिला खिलाड़ी

क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन करने पहुंची डीएम नेहा शर्मा ने बॉलिंग की

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। जिले में उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के नेतृत्व में सात दिवसीय सीनियर महिला स्टेट क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया,जिसमें पूरे प्रदेश की महिला खिलाड़ियों ने भाग लिया।क्रिकेट टूर्नामेंट महिला आरक्षण बिल लागू होने के बाद पहली बार गोंडा में कराया गया है, जिसमें केवल प्रदेश की महिलाएं ही भाग ले सकेंगी।सात दिवसीय सीनियर महिला स्टेट क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन गोंडा जिला अधिकारी नेहा शर्मा और हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक पांडे ने किया।वहीं मैच के उद्घाटन के दौरान गोंडा डीएम नेहा शर्मा बॉलिंग करती हुई भी नजर आईं, जहां उनकी बॉल पर सामने से बैटिंग कर रही महिला खिलाड़ी कोई रन नहीं बना सकीं।जिले के अदम गोंडवी मैदान में उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के नेतृत्व में दीप नारायण पांडेय मेमोरियल सीनियर महिला क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया है। यह क्रिकेट टूर्नामेंट सात दिन होगा और इस क्रिकेट टूर्नामेंट में शामिल होने के लिए प्रदेश के दस जनपदों की महिला क्रिकेट टीम में शामिल होने आई हैं, जो उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन से संबंद्ध और मान्यता प्राप्त है।वही विजेता टीम को 31 हजार रुपए नगर ट्रॉफी तो वहीं उपविजेता टीम को 21 हजार नगद ट्रॉफी के साथ ही सात दिवसीय सीनियर महिला क्रिकेट टूर्नामेंट में अच्छा परफॉर्मेंस करने वाले महिला खिलाड़ियों को भी अलग-अलग इनाम, प्रशस्ति पत्र और ट्राफी देकर के सम्मानित किया जाएगा।एक जनवरी 2024 को सात दिवसीय महिला क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज द्वारा किया जाएगा।

महिलाओं की भागीदारी तेजी से बढ़ेगी

वहीं गोंडा जिला अधिकारी नेहा शर्मा ने सात दिवसीय महिला क्रिकेट सीनियर टूर्नामेंट का उद्घाटन करते हुए कहा कि यह पहली बार हो रहा है कि महिला आरक्षण बिल लागू होने के बाद गोंडा जिले में उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के नेतृत्व में बड़े स्तर पर महिलाओं का क्रिकेट मैच कराया जा रहा है।आने वाले दिनों में महिलाओं की भागीदारी क्रिकेट के मैदान में और तेजी से बढ़ेगी और जल्द से जल्द गोंडा की महिलाएं भी क्रिकेट के मैदान में उतरेंगी और गोंडा की भी एक टीम उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन से मान्यता प्राप्त करके जिले का नाम रोशन करेगी। गोंडा की भी रहने वाली एक महिला खिलाड़ी अंजू पूरे प्रदेश में खेल करके गोंडा का नाम रोशन कर रही है।

श्रीमद्भागवत कथा समापन पर श्री कृष्ण सुदामा चरित्र सुनकर आनंद विभोर हुए श्रद्धालु

हवन पूजन के बाद भंडारे का हुआ आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । नौ दिवसीय श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का आयोजन भक्तापुर गुलरिया में हो रहे कथा में समापन अवसर पर ब्लॉक नवाबगंज के ग्राम सभा भगता पुर गुलरिया में 17 दिसंबर से प्रारंभ हुए श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का आयोजन प्रधान प्रतिनिधि आशीष पांडेय के यहां पर कथा वाचक लखीमपुर खीरी से आयें व्यासजी पन्डित जय प्रकाश पाठक व सहयोग में आचार्य अनुपम पाठक द्वारा आनंदमई ?कथा को सुनाते हुए कहा की हर भक्त के आत्मा में भगवान का निवास होता है और भगवान अपने भक्त के प्रेम के भाव से खुश रहते हैं।

वहीं कथा में तुलसी विवाह व रुक्मिणी प्रेम विवाह, सुदामा चरित्र सहित धार्मिक अनुष्ठान के समापन दिवस पर भगवान श्रीकृष्ण की सर्वोपरि लीला रासलीला, मथुरा गमन, दुष्ट कंस राजा के अत्याचार से मुक्ति के लिए कंसवध, शिशुपाल वध एवं सुदामा चरित्र का वर्णन कर लोगों को भक्तिरस में डुबो दिया, इस दौरान भजन गायकों ने उपस्थित लोगों को ताल एवं धुन पर नृत्य करने के लिए विवश कर दिया। इसी क्रम में श्री कृष्ण रुक्मिणी की प्रेम विवाह का प्रसंग सुनाते हुए कहा की रुक्मिणी भी भगवान से सच्चा प्रेम करतीं थी और जो प्रभु से जो सच्चा प्रेम करता प्रभु उसके हो जाता है, कथा में श्री कृष्ण सुदामा चरित्र की भी कथा भी बड़ी ही मनमोहक भाव से कहा जिसको सुनकर भक्त बड़ी ही आनंद से तालियां बजाते हुए झुमने लगें और श्री कृष्ण सुदामा की मित्रता पर भक्त ने बड़े ही आनंद हुएं।

इस क्रम में केदार सिंह, पिंटू गुप्ता, रमाकांत पाठक,रिन्कू पाठक बुद्धिमान सिंह, दिनेश विश्वकर्मा, गोपाल चौहान,बच्छ राज चौहान, कपिल देव शर्मा, सौरभ पाठक, डॉ प्रीतम यादव, मंहगू का,बजे खान, अब्बास अली, सतीष पाठक, आकाश पाण्डेय सहित श्रोता भक्त उपस्थित रहे। कथा के पश्चात आरती की गई व सभी भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया और श्रीमद् भागवत महापुराण कथा समापन के बाद हवन पूजन किया गया तथा भंडारे का आयोजन हुआ जिसमें सहयोग सुभाष पाठक कृष्ण कुमार पाण्डेय, स्वामी दयाल पाठक सहित ग्रामवासी व क्षेत्रीय लोगों की उपस्थिति रही।

समाजसेवी ने कम्बल का किया वितरण

जरवल बहराइचसमाजसेवी ने कम्बल का किया वितरण,आगे भी तमाम जरूरत मंद लोगों को कम्बल व अन्य आर्थिक व सामाजिक मदद करने का लोगों को दिया आश्वाशन, नगर पंचायत जरवल के निवासी समाजसेवी व व्यापार मंडल अध्यक्ष लोकतंत्र सेनानी प्रमोद कुमार गुप्ता जो की आये दिन किसी न किसी धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रमों मे लोगों के बीच बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते रहते है ने एक कार्यक्रम आयोजित कर जरवल विकास खंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत अदामपुर व ग्राम पंचायत रुदाईन मे महिलाओ व बुजुर्गो को ठंड से बचाव के लिए कम्बल का वितरण किया, समाजसेवी प्रमोद गुप्ता द्वारा हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी कम्बल वितरण कार्यक्रम आयोजित कर तमाम लोगों को कम्बल का वितरण किया। श्री गुप्ता क्षेत्र में लगातार लोगों को आर्थिक रूप व सामाजिक रूप से मदद करते रहते है तथा, क्षेत्र के सामाजिक व धार्मिक कार्यों में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं व आगे बढ़ कर लोगों की मदद करते हैं, कम्बल वितरण कार्यक्रम मे मौजूद समाजसेवी व किसान संघ के कार्यकर्ता धर्मराज पांडेय व भाजपा नेता राम धीरज चौहान ने कम्बल वितरण कार्य की सराहाना की कम्बल वितरण कार्यक्रम मे मौजूद तमाम महिलाओ व बुजुर्गो ने समाजसेवी को आशीर्वाद दिया व उनके उत्तम स्वास्थ की कामना की, इस अवसर पर मजिद सिधीकी, खैबर अली, अजय वर्मा व अन्य रहे मौजूद।

शादी के बाद नशीला पदार्थ खिलाकर भाग गई थी लुटेरी दुल्हन, व उसके गैंग के शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा : खरगूपुर थाना क्षेत्र में शादी करने के बाद स्वजनो को नशीला पदार्थ खिलाकर घर का माल चोरी कर गायब होने वाली दुल्हन के गिरोह के चार सदस्यों को गोण्डा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।जिनमें दो महिलाएं शामिल हैं।आरोपित में सिर्फ जोखू उर्फ़ पवन गोण्डा जिले के खरगूपुर थाना क्षेत्र का रहने वाला है बाकी सभी आरोपी लखीमपुर खीरी जिले के रहने वाले हैं। वही वादी बृजभूषण पाण्डेय पुत्र जयसिंह नारायण पाण्डेय निवासी पाण्डेयपुरवा बैदौरा बाजार थाना खरगूपुर जनपद गोण्डा ने थाना खरगूपुर में लिखित तहरीर दी गयी कि मेरी शादी जोखू पुत्र शोभाराम नाई निवासी पृथ्वीनाथ थाना खरगूपुर जनपद गोण्डा ने जनपद लखीमपुर खीरी की रहने वाली शिवानी नाम की एक लड़की के साथ 17 दिसंबर 2023 को पृथ्वीनाथ मंदिर पर हिन्दू रिति रिवाज के साथ करायी गईं थी।21.दिसम्बर 2023 को शादी के उपलक्ष्य में घर पर खाने का कार्यक्रम रखा गया था जिसमें जोखू (मध्यस्थ) व शिवानी दुल्हन के परिजन करोड़ी शिवानी का भाई गुड़िया (शिवानी की सहेली) व छोटू गुड़िया का पति भी आया था।कार्यक्रम के उपरांत करोड़ी, छोटू व जोखू चले गए थे तथा गुड़िया यही पर रूक गयी थी। 22 दिसम्बर 2023 की रात्रि शिवानी ने परिजनों को खाने में नशीला पदार्थ खिलाकर बेहोश कर दिया गया था तथा अपने परिजनों के साथ मिलकर शादी का सामान,साड़ी, लहंगा, पायल, बाली, बाला, अंगूठी व मोबाइल आदि चोरी करके भाग गयी थी। दूल्हे के परिवार के तरफ से खरगूपुर थाने में लिखित तहरीर देकर जोखू,,शिवानी, गुड़िया, करोड़ी व छोटू पाँच लोगो के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया। घटना को अत्यन्त गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने अपर पुलिस अधीक्षक राधेश्याम राय के पर्यवेक्षण में कुल तीन टीमों का गठन किया गया था।पुलिस अधीक्षक गोण्डा के निर्देश पर गठित टीमों ने घटना स्थल का निरीक्षण कर आस-पास के लोगो से वार्ता की।पुलिम टीमों की अथक मेहनत एवं प्रयास से 25 दिसम्बर 2023 को मिश्रौलिया स्थित किन्नूर नहर के पास से चार अभियुक्तों गिरफ्तार कर उनके कब्जे से कब्जे से एक जोड़ी पायल, छः बिछुआ सफ़ेद धातु,एक लहंगा, दो साड़ी, दो कान की बाली (पीली धातु), चूड़ी केश,एक मोबाइल व जोखू के कब्जे से 375 अल्प्राजोलम की नशीली गोलिया बरामद की गयी। गिरफ्तार अभियुक्तगणों के विरूद्ध थाना खरगूपुर पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की जा रही है।वही पूछताछ के दौरान ज्ञात हुआ कि इन लोगो का एक संगठित गिरोह है जो आर्थिक लाभ कमाने के लिए भोली-भाली जनता के साथ तरह-तरह के तरीके अपनाकर जहरखुरानी की घटनाओ को अंजाम दिया करते है।अभियुक्त जोखू उर्फ पवन के विरूद्ध थाना खरगूपुर में पूर्व में भी कई अभियोग पंजीकृत है।

देवेंद्र सिंह बने व्यापार मंडल वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष,अजय गोयल बने मझोला व्यापार मंडल के नए नगर अध्यक्ष

हरदेव सिंह नागी मझोला मुख्य इकाई के तो अंकित सिंह युवा व्यापार मंडल के बने वाईस चेयरमैन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत।मझोला व्यापार मंडल की बैठक युवा व्यापार मंडल प्रदेश अध्यक्ष कपिल अग्रवाल के प्रतिष्ठान पर आज सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष देवेंद्र सिंह रिंकू ने की और संचालन नगर महामंत्री सलीम इदरीसी ने किया। बैठक में नगर के बीच से पूरी रोड घेरकर चल रही ओवरलोड पराली की ट्रॉलियों और उनसे नगर में लग रहे जाम तथा सम्भावित दुर्घटनाओं के विषय मे चिंता व्यक्त की गई। वही इसकी सूचना नगर पुलिस चौकी को कई बार देने के उपरांत कोई भी कार्यवाही ना होने और विगत कुछ समय से नगर के व्यापारियों की समस्याओं के समाधान को लेकर मझोला नगर पुलिस की उपेक्षात्मक एवं जनप्रतिनिधियों के जनसमस्याओं को लेकर उठाये गए मामलों में नकारात्मक कार्यप्रणाली को दृष्टिगत करते हुए मझोला नगर पुलिस की इस कार्यशैली का निंदा प्रस्ताव पारित किया गया और निर्णय लिया गया कि यदि मझोला पुलिस की कार्यशैली तत्काल जनहित के अनुकूल नहीं हुई तो नगर व्यापार मंडल द्वारा चरणबद्ध रूप से इसके खिलाफ आंदोलन शुरू किया जाएगा। बैठक में दिन निकलने से पूर्व ही नगर के व्यापारियों के यहां बिजली विभाग के द्वारा चेकिंग के नाम पर सुबह 4-5 बजे दर्जनों लोगों कद साथ धावा बोल देने की घटनाओं की एक स्वर से निंदा की गयी और बिजली विभाग को चेताते हुए कहा गया कि यदि विभाग को कोई भी चेकिंग करनी है। तो प्रातः 7-8 बजे के बाद और रात्रि 10 बजे तक किसी भी समय औचक रूप से कर सकते हैं और यदि उपभोक्तओं के साथ इस प्रकार चोरों जैसा व्यवहार और उनको भयाक्रांत कर उगाही का प्रयास किया जाएगा तो उसका पुरजोर विरोध होगा और ऐसा नहीं होने दिया जाएगा। बैठक में नगर में पुलिस के द्वारा की जा रही रात्रि गश्त को नाकाफी बताते हुए उसमे और सुधार हेतु आवश्यकता की बजाय कही गयी और इस सम्बंध में वार्ता करने का निर्णय लिया गया। बैठक में विजेंद्र भाटिया के यहां हुई चोरी की घटना को पुलिस द्वाद ठंडे बस्ते में डाल देने की निंदा की गई और इस सम्बंध में न्यूरिया पुलिस से अग्रिम कार्यवाही की जानकारी लेने का निर्णय लिया गया। नगर में घूम रहे आवारा पशुओं और बन्दरों की समस्या के निस्तारण हेतु नगर पंचायत प्रशासन से वार्ता करने का निर्णय लिया गया। साप्ताहिक बन्दी को और प्रभावी करने हेतु प्रयास करने का निर्णय लिया गया। व्यापारियों की समस्याओं पर निरंतर कार्य करने हेतु प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को नगर के व्यापारियों की मासिक बैठक के आयोजन का निर्णय लिया गया। अगली बैठक 28 जनवरी को जसप्रीत सिंह माटा के प्रतिष्ठान पर करने का निर्णय लिया गया। बैठक में युवा व्यापार मंडल कपिल अग्रवाल ने बड़ी संख्या में उपस्थित सभी व्यापारियों की सहमति से मझोला व्यापार मंडल के अध्यक्ष पद हेतु पूर्व चेयरमैन अजय गोयल को मनोनीत किया और अब तक नगर अध्यक्ष रहे देवेंद्र सिंह रिंकू को बड़ी जिम्मेदारी देते हुए उन्हें पीलीभीत जिला व्यापार मंडल में वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी। इनके अतिरिक्त रमेश गर्ग को नगर व्यापार मंडल का चेयरमैन हरदेव सिंह नागी को नगर व्यापार मंडल का वाईस चेयरमैन, अंकित सिंह को युवा नगर व्यापार मंडल का वाईस चेयरमैन मनोनीत किया गया। सोनपाल सिंह राना को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अरुण सिंह,द्वारिका प्रसाद गोले, हरप्रीत सिंह सोनू,मोहम्मद अनवर अंसारी, मज़हर मलिक को उपाध्यक्ष रमन भाटिया को कोषाध्यक्ष राकेश मित्तल को सह कोषाध्यक्ष दीपक अग्रवाल मेडिकल को संगठन मंत्री डॉ हरीश दिवाकर एवं नफीस अंसारी को सचिव पद पर मनोनीत किया गया।युवा व्यापार मंडल में धर्मेंद्र कुमार को कोषाध्यक्ष सुबोध अवस्थी को महामंत्री,रियाज़ अंसारी,अमन सक्सेना,अंकित गुप्ता को उपाध्यक्ष रिज़वान अंसारी को संगठन मंत्री, माज़िद अहमद, ओम प्रकाश वर्मा, चन्दन गोयल, संदीप सिंह पन्नू, सुरेश सक्सेना,अतीक सलमानी, रवि भाटिया को सचिव सिद्दार्थ दुबे, राजेश अग्रवाल,अंश स्वर्णकार, दीपक गोयल को मंत्री मनोनीत किया गया नितेश अग्रवाल को मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी दी गयी।

बैठक में युवा व्यापार मंडल प्रदेश अध्यक्ष ने सभी से मधुमक्खियों की भांति एकजुट रहने का आह्वान किया जिससे शहद जैसे मीठा परिणाम प्राप्त हो सके। संरक्षक लियाकत सलमानी ने सभी व्यापारियों को एक भाव से एकजुट रहने और कोई भेदभाव न करने के लिए कहा,संरक्षक अशोक गर्ग ने मझोला सितारगंज मार्ग ओर प्रस्तावित तोड़फोड़ अभियान के विषय मे ध्यानाकर्षण किया।

अध्यक्ष पद के प्रत्याशी विपिन सक्सेना के समर्थन में अधिवक्ताओं ने की मीटिंग चुनाव आज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पुरनपुर। प्रगतिशील अधिवक्ता एसोसिएशन के अध्यक्ष पद के प्रत्याशी विपिन कुमार सक्सेना के समर्थन में लगातार अधिवक्ता एकजुट हो रहे हैं।मृदुल भाषा के धनी विपिन कुमार सक्सेना पूर्व में भी प्रगतिशील अधिवक्ता एसोसिएशन के अध्यक्ष रह चुके हैं।उनके कार्यकाल में अधिवक्ताओं की काफी हद तक समस्याओं का समाधान हुआ है।एक बार फिर पूरनपुर के अधिवक्ता विपिन कुमार सक्सेना को अध्यक्ष बनाने के लिए प्रयासरत हैं।नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में निवास कर रहे अधिवक्ताओं से लगातार संपर्क कर रहे हैं।मीटिंग में मुख्य रूप से निवर्तमान अध्यक्ष संजय सक्सेना संजय,संजय विश्वास,नईम खान,फजल अहमद,असद खा,अली शान,आफताब अहमद, युनुस खा,हरीराम गौतम, हरदेव, मोहम्मद मियां, मुकेश कुमार, मोहम्मद आरिफ, हेमराज शर्मा, ऋतुराज शर्मा ,राहुल सक्सेना,संजय पांडे नाथूलाल पांडे,अकील अहमद,सुनील वर्मा,अब्दुल रब, नवल कुमार, हरीश राठौर, संजीव शुक्ला, आदर्श पांडे सहित सैकड़ो अधिवक्ता मौजूद रहे।

कानूनगो संघ के राधे कृष्ण अध्यक्ष,मानसिंह बने वरिष्ठ उपाध्यक्ष

पीलीभीत।राजस्व निरीक्षक संघ के चुनाव में अध्यक्ष राधे कृष्ण वरिष्ठ उपाध्यक्ष मानसिंह,कनिष्ठ उपाध्यक्ष मोहम्मद असलम खान, जिला मंत्री पंकज सिंह राणा, मंत्री महेंद्र पाल सिंह, जिला संगठन मंत्री गुरमेश चंद्र,कोषाध्यक्ष अरविंद सिंह कार्की,आय व्यय निरीक्षक केके शुक्ला निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं।
फोटो03

मनाया गया आभार फाउंडेशन के प्रदेश उपाध्यक्ष का जन्मदिन

नवाबगंज, उन्नाव। खेलकूद एवं समाज सेवा में सदैव अग्रणी भूमिका में रहने वाली संस्था आभार फाउंडेशन के प्रदेश उपाध्यक्ष कुंवर नीरज सिंह का सोमवार को जन्मदिवस संस्था के पदाधिकारियों द्वारा मनाया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के प्रमुख जनप्रतिनिधियों एवं समाजसेवियों को आमंत्रित किया गया है, कार्यक्रम का आयोजन संस्था के अध्यक्ष अंकित कुमार द्वारा किया गया। सभी उपस्थित सम्मानित अतिथियों ने केक काटकर कुँवर नीरज सिंह को शुभकामनाएं प्रेषित की, तथा कार्यक्रम का समापन जलपान की व्यवस्था के उपरांत हुआ। नीरज सिंह द्वारा समस्त उपस्थित अतिथियों से आग्रह किया कि हमारे साथ हमारी संस्था में सहयोग करें और वंचित छात्रों एवं खिलाड़ियों को उनके लक्ष्य प्राप्ति करने हेतु प्रोत्साहित करने में हाथ बटायें। इस कार्यक्रम के दौरान सौरभ सिंह, दीपू सिंह, बब्बन त्रिपाठी, सुभाष द्विवेदी, पिंकू सिंह, रिंकू द्विवेदी, अभिषेक द्विवेदी, विजय प्रताप सिंह, राकेश सिंह, मनोज पाण्डेय,जिला उपाध्यक्ष धीरज सिंह, मुन्नालाल, आदि उपस्थित रहे।
छुट्टी पर आये आरपीएफ दरोगा की मौत,

पुलिस ने कराया पोस्टमार्टम, उड़ीसा में थी तैनाती

उन्नाव। उड़ीसा में तैनात आरपीएफ के दरोगा की अपने पैतृक गांव में बीमारी के चलते मौत हो गयी। बांगरमऊ कोतवाली पुलिस ने परिजनों की सूचना पर शव का पोस्टमार्टम कराया है। दरोगा मेडिकल लीव पर अपने घर आया था।
बता दे बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के चक मीरपुर निवासी हेम नाथ (58) पुत्र स्व.भीसम उड़ीसा प्रांत में आरपीएफ (रेलवे सुरक्षा बल) में दरोगा पद पर तैनात थे। बीती 18 दिसंबर को वह चिकित्सीय अवकाश पर अपने पैतृक गांव लौटे थे। परिजनों ने बताया यहां भी उनकी हालत ठीक नहीं थी। रविवार को उनकी अचानक तबीयत ज्यादा बिगड़ गयी और उनकी मौत हो गयी।परिजनों ने उड़ीसा में उनके अफसरों को इसकी जानकारी दी। जहां से मिले निर्देश के बाद परिजनों ने बांगरमऊ पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिये भेजा है। दरोगा की मौत से पूरे परिवार में कोहराम मच गया। पत्नी रज्जो देवी का रो -रो कर बुरा हाल है। बेटे दीपक कुमार ने बताया उनकी तबीयत ठीक नहीं चल रही थी जिस कारण वह मेडिकल लीव लेकर घर आये थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा।

पुलिस ने हत्यारोपित गब्बर को किया गिरफ्तार

बरेली । बिशारतगंज थाना क्षेत्र में आवारा पशुओं को भगाने को लेकर दो पक्षों में मारपीट के दौरानह्लगए थे। इस बीच रात में आवारा गोवंश उनके खेत में आ गए। उन्होंने छुट्टा पशुओं कों बाहर निकालना शुरू किया। इससे आवारा पशु दूसरे खेत में चले गए। इससे दूसरे खेत वालों से विवाद शुरू हुआ। विवाद ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। दूसरे पक्ष ने लाठी डंडों से हमला किया था। जिसमें नन्हे की घटनास्थल पर मौत हो गई। जबकि भाई मुकेश व भतीजा सुरजीत गंभीर रूप से घायल हुआ। फिलहाल घटना के वक्त फरार हुए आरोपित गब्बर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा पहुंची बरखेड़ा और अमरिया उपस्थित रहे मंत्री

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत।पूर्व सांसद नैनीतालऽबहेड़ी लोकसभा एवं कैबिनेट मंत्री दर्ज़ा प्राप्त उत्तराखंड बलराज पासी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ह्लविकसित भारत संकल्प यात्रा अभियानङ्क के अंतर्गत पीलीभीत बहेड़ी संसदीय क्षेत्र की विधानसभा बरखेड़ा स्थित अमरिया ब्लॉक की ग्रामसभा बहरूआ कॉलोनी में सरकारी योजनाओं से अवगत करवाते हुए मोदी जी के पंच प्रण की शपथ दिलाई,तत्पश्चात केंद्र व प्रदेश सरकार की विभिन्न जनलाभ कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष भाजपा पीलीभीत ओबीसी मोर्चा आतिफ मुख्तार,मंडल महामंत्री एवं कार्यक्रम संयोजक महेंद्रपाल राजपूत पूर्व अध्यक्ष नगर पंचायत मझोला अजय गोयल, जिला महामंत्री भाजयुमो पीलीभीत मिथुन डे,ग्राम प्रधान ममता देवी, ग्राम प्रधान कृष्णा मंडल, प्रधान पति रूप लाल वर्मा,बूथ अध्यक्ष गोविंद व्यापारी,दिनेश कुमार वर्मा,राजदी मंडल,मनोज राय,ऋषा मंडल सहित समस्त विभाग के अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

पूर्णमासी के अवसर पर श्रद्धालुओं ने लगाई गंगा में आस्था की डुबकी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

जनपद में पूर्णमासी के अवसर पर श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। मार्गशीर्ष पूर्णिमा पर गंगास्नान का बड़ा महत्व है

उन्नाव। पूर्णमासी के अवसर पर मंगलवार को सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगा कर पुण्य कमाया। जिसके बाद स्नानार्थियों ने घाट पर सत्य नारायन की कथा सुन पंडो को दान दक्षिणा दी। इस दौरान स्नानार्थियों ने गंगा तट पर लगी दुकानों पर जमकर खरीददारी भी की।
हिन्दू मान्यता के अनुसार पूर्णिमा तिथि के दिन गंगा स्नान विशेष रूप से की जाती है, लेकिन मार्गशीर्ष पूर्णिमा को मोक्षदायिनी पूर्णिमा कहा जाता है। ऐसी मान्यता है कि स्नान-दान करने से 32 गुना अधिक पुण्य फल की प्राप्ति होती है। इस दिन चंद्रमा की पूजा का भी विशेष महत्व है। कहते हैं कि पूर्णिमा के दिन चंद्रमा का पूजन करने से व्यक्ति को चंद्रदोष से छुटकारा मिल सकता है।
साथ ही इस दिन माता लक्ष्मी की पूजा का भी विधान है और ऐसी मान्यता है कि माता लक्ष्मी की पूजा और उपासना करने से भक्त को कभी आर्थिक तंगी का सामना नहीं करना पड़ता है और धन-धान्य की प्राप्ति होती है। मंगलवार मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णमासी के अवसर पर नगर के अलावा ग्रामीण क्षेत्र व कानपुर समेत तमाम स्थानों से सुबह से ही गंगा तटों पर श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला सुबह से शुरू हो गया था।
सर्दी का मौसम होने के बावजूद श्रद्धालु गंगा तट पहुंचे। इस दौरान सैकड़ों श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर हर-हर गंगे का उद्घोष किया। श्रद्धालुओं की भीड़ गंगातट के सभी घाटों पर देखी गयी। कुछ श्रद्धालुओं ने गंगा तट पर बैठे पंडों को दान दक्षिणा देने के अलावा सत्य नारायन की कथा का भी श्रवण किया।सुरक्षा के दृष्टि से घाटों पर थाना क्षेत्र की पुलिस भी मौजूद रही। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने गंगातट पर लगी दुकानों पर खरीददारी की। गंगा तट पर सुबह से लेकर दोपहर तक स्नान करने आने वाले श्रद्धालुओं पहुंचाते रहे।

विधिक साक्षरता शिविर का हुआ आयोजन जिला जज ने किया शुभारंभ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शिविर में उपस्थित महिला चिकित्सक ने महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधित दी जानकारी

पीलीभीत।यूपी राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार तथा जितेन्द्र कुमार सिन्हा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पीलीभीत के आदेशानुसार सदर तहसील के महोफ ग्राम के हाईस्कूल में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर का शुभारम्भ सुनील कुमार अपर जिला जज व पूर्णकालिक सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पीलीभीत के द्वारा द्वीप प्रज्जवलन कर किया गया।
आयोजित शिविर में सुनील कुमार अपर जिला जज व पूर्णकालिक सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पीलीभीत तथा अमित कुमार यादव अपर मुख्य न्यायिक मजिस्टेट दीवानी न्यायालय उपस्थित रहे। साथ ही तहसीलदार सदर,खण्ड शिक्षा अधिकारी मरौरी,श्रम प्रवर्तन अधिकारी,वन विभाग के रेंजर,मुख्य चिकित्साधिकारी के द्वारा नामित टीम के द्वारा शिविर में भाग लिया गया।
आयोजित शिविर में सुनील कुमार अपर जिला जज व पूर्णकालिक सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पीलीभीत के नालसा हेल्पलाइन नम्बर 15100 तथा सरकार द्वारा चलायी जा रही अन्य योजनाओं के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की गई तथा अमित कुमार यादव अपर मुख्य न्यायिक मजिस्टेट के द्वारा एडीआर से सम्बन्धित अन्य योजनाओं के बारे में तथा अन्य वादों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की तथा शिविर में उपस्थित डॉक्टर महविश के द्वारा महिलाओं से सम्बन्धित सर्वाइक कैंसर के बारे में उपस्थित महिलाओं को विस्तृत जानकारी प्रदान की। तहसीलदार के द्वारा जमीन से सम्बन्धित जानकारी प्रदान की गई तथा श्रम प्रवर्तन अधिकारी के द्वारा भी उपस्थित जनसमूह को विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

चेयरमैन ने डिप्टी सीएम से की औपचारिक भेंट

पीलीभीत।नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष डॉक्टर आस्था अग्रवाल ने उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से औपचारिक मुलाकात की है।साथ ही पीलीभीत नगर के चहूंमुखी विकास तथा स्वच्छ सुंदर बनाने सहित विभिन्न मुद्दों पर वार्तालाप की है। यूपी के उपमुख्यमंत्री ने हर संभव कार्य करने का आश्वासन दिया है।

पूर्व प्रधानमंत्री की जयंती कार्यक्रम में पहुंचें बीजेपी अध्यक्ष

उन्नाव पहुंचें भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी उन्नाव पहुंचे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का सांसद, जिला पंचायत अध्यक्ष व विधायक समेत तमाम लोगों ने स्वागत किया।इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष ने विकसित संकल्प भारत यात्रा प्रदर्शनी का शुभारंभ कर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को नमन किया। प्रदेश अध्यक्ष ने बीजेपी कार्यालय में बैठक कर 2024 में विजय सफर के लिये कार्यकर्ताओं को महत्वपूर्ण टिप्स भी दिये
निराला प्रेक्षागृह में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई की जयंती संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान संगोष्ठी में पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने पूर्व प्रधानमंत्री की सरकार में हुये दूरदर्शी परियोजनाओं का बखान करते हुए उनके व्यक्तित्व को जनता के बीच साझा किया। प्रदेश अध्यक्ष ने बीजेपी कार्यालय में संगठन के पदाधिकारी व मंडल अध्यक्षों के साथ बैठक कर 2024 में विजय सफर के महत्वपूर्ण टिप्स दिये।उन्होंने कहा कि जीत सुनिश्चित है, अब जीत के अंतर को बढ़ाने की आवश्यकता है। जिसके लिए सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं को एक साथ मिलकर जुट जाना है। इसके साथ ही सदर विधानसभा के दोस्ती नगर में विकसित भारत संकल्प यात्रा में शामिल होकर प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी का दोहरा चरित्र है, वह लोग मठ मंदिरों में भी जाते हैं और साधु-संतों व महापुरुषों के विषय में अनावश्यक टिप्पणी करते हैं लेकिन देश व प्रदेश की जनता उनके चरित्र को समझ चुकी है।

किसान यूनियन संगठन ने मांगों को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

किसान यूनियन संगठन ने मांगों को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बीघापुर, उन्नाव। तहसील बीघापुर में मंगलवार को किसान यूनियन टिकैत गुट ने एक दिवसीय धरना कर सरकार को चेताया और अपनी मांगों को लेकर एक ज्ञापन उपजिलाधिकारी बीघापुर क्षितिज द्विवेदी को सौंपा।
तहसील बीघापुर में किसान यूनियन के तहसील प्रवक्ता अजय बाजपेयी व जिला उपाध्यक्ष मुन्ना सिंह के नेतृत्व में करीब एक सैकड़ा से ऊपर किसान तहसील परिसर में इकट्ठा हुए और उन्होंने कई समस्याओं के प्रति सरकार से हल निकालने की मांग की। हल न निकल पाने की दशा में संगठन द्वारा कठोर निर्णय लेने के लिए सरकार को चेताया। संगठन की 15 सूत्रीय प्रमुख मांगो में देवारा, भोगइता, मानपुर ,कुन्दनपुर आदि ग्राम सभाओं व भूमि में भूमाफियों द्वारा बेसकीमती भूमि पर कब्जा किया जा रहा नहर की सरकारी नाली तोड़ दी गयी। ग्राम सभा इन्देमऊ में माँ मुक्तेश्वरी मंदिर में लगा इण्डिया मार्क का नल लगभग 3 वर्षों से खराब है। कई बार शिकायत की गयी पर कोई हल नहीं निकला। ग्राम मलौना का मजरा पाण्डेयपुर का रकबा नम्बर 618 में दो बीघा 6 बिसुआ गंगा एक्सप्रेस वे में अधिगृहित हुआ शेष बची जमीन को क्षेत्रीय लेखपाल राजू द्वारा बंजर दिखाया जा रहा है। ग्राम सभा मलौना के मजरा पाण्डेयपुर में पच्चू पासी की मृत्यु के बाद उनके वारिस पुत्र राम गुलाम और नंदू के नाम वरासत करने के लिए क्षेत्रीय लेखपाल राजू द्वारा 500रु लिए गए वरासत दर्ज करने के लिए 2000रु और मांगे जा रहे है। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) उन्नाव की बीघापुर इकाई की महिला प्रकोष्ट की ब्लाक अध्यक्षा मोहिनी त्रिवेदी द्वारा ग्राम सभा कुन्दनपुर में किये गए विकास कार्यों की आर0टी0 आई0 द्वारा खण्ड विकास अधिकारी सुमेरपुर से सूचना मांगी गयी थी। इन सब मांगो को लेकर किसान संगठन के तहसील प्रवक्ता अजय बाजपेयी ने बताया हल न निकल पाने के दशा में संगठन कठोर निर्णय लेने के लिए विवश होगा।

विकसित भारत संकल्प यात्रा पहुंची संतोषपुरा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

केंद्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को ब्लाक प्रमुख सभ्यता वर्मा ने वितरण किए प्रमाण पत्र

पीलीभीत। ब्लॉक मरौरी की ग्राम पंचायत लधपुरा एवं ग्राम पंचायत संतोषपुरा में विकसित भारत संकल्प यात्रा में सरकार द्वारा चलाई जा रही हर वर्ग के लोगों के लिए जनकल्याणकारी योजनाओं को विस्तार से एवं एलईडी के माध्यम से दिखाया गया एवं बताया गया जिसमें ब्लॉक प्रमुख सभ्यता देवी वर्मा,खंड विकास अधिकारी मर्दला सिंह,जिला कृषि अधिकारी पवन कुमार, पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर लक्ष्मी प्रसाद एवं ग्राम प्रधान अमित,भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष महेश राजपूत,मंडल महामंत्री अशोक कुमार,शिवम कुमार,मनपाल लोधी क्षेत्र पंचायत सदस्य सोहनलाल एवं धर्मपाल लोधी ग्राम प्रधान उषा देवी एवं सभी विभागीय कर्मचारी गण अधिकारी गण उपस्थित रहे।
साथ ही कृषि सम्मान निधि के प्रमाण पत्र एवं प्रधानमंत्री आवास के प्रमाण पत्र सम्मानित किसान भाइयों को वितरित किए जिसमें प्राथमिक विद्यालय की अध्यापिका संघमित्रा गौतम एवं प्रखर मिश्रा एवं बच्चों के द्वारा गणेश वंदना कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए हैं।

युवती को बहला फुसला कर भगा ले जाने वाला युवक गिरफ्तार

बीघापुर,उन्नाव। थाना बिहार के अंतर्गत युवती को बहला फुसला कर भगा ले जाने वाले आरोपित युवक को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की गई।17 अक्टूबर को थाना बिहार पर मु0अ0सं0 210/23 धारा 366 भा0दं0वि0 बनाम प्रीतम पुत्र रामजस नि0 बीरागोविंदपुर बढ़ई का पुरवा थाना लालगंज जिला रायबरेली उम्र करीब 23 वर्ष पंजीकृत किया गया था। विवेचना मुकदमा उपरोक्त में धारा 406 भा0दं0वि0 की बढ़ोत्तरी की गई। मंगलवार को उ0नि0 श्री संतोष कुमार राय मय हमराह फोर्स द्वारा मुकदमा उपरोक्त में वांछित अभियुक्त प्रीतम पुत्र रामजस नि0 बीरागोविंदपुर बढ़ई का पुरवा थाना लालगंज जिला रायबरेली उम्र करीब 23 वर्ष को ग्राम बढ़ई का पुरवा से गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की गई।

धनखड़-खड़गे पत्राचार!

संसदीय लोकतन्त्र की बुनियादी शर्त संवाद और परिचर्चा या बहस होती है। इसके विलुप्त हो जाने पर संसद से लेकर सड़क तक जो गतिरोध व्याप्त होता है उससे लोकतन्त्र में लोगों की आस्था डगमगाने का डर समाहित हो जाता है। इसी वजह से आजादी के बाद से भारत ने जो संसदीय प्रणाली अपनाई उसमें यह प्रावधान किया कि केन्द्र में जिस पार्टी की भी सरकार बनेगी उसमें कैबिनेट स्तर का एक संसदीय कार्यमन्त्री भी होगा जिसका मुख्य काम यही देखना होगा कि संसद के दोनों सदनों लोकसभा व राज्यसभा में सत्ता व विपक्ष में बैठे हुए लोगों के बीच सर्वदा सौहार्दपूर्ण वातावरण में संवाद कायम रह सके और किसी भी प्रकार के गतिरोध की संभावना को उपजने से रोका जा सके। मगर इसके साथ ही यह भी अलिखित नियम बनाया गया कि संसद को सुचारू रूप से चलाने की जिम्मेदारी सत्ता पक्ष की ही होगी। इसकी भी एक प्रमुख वजह यह थी कि लोकतन्त्र में लोगों द्वारा दिये गये बहुमत के जनादेश से ही किसी भी राजनैतिक दल की सरकार गठित होगी जो कि चुनाव में विपक्ष में बैठे राजनैतिक दलों को परास्त करके सत्तारूढ़ होगी परन्तु विपक्षी सांसदों का चुनाव भी लोगों द्वारा अपने मत के माध्यम से ही किया जायेगा अतः जो भी जनमत विपक्ष के पक्ष में आया है उसके सन्देहों को दूर करने की जिम्मेदारी सरकार गठित करने वाले सत्तारूढ़ दल की ही होगी। इस बेजोड़ व खूबसूरत जनाभिमुखी संसदीय व्यवस्था की आज जो हालत राजनैतिक दलों की आपसी लागडांट के चलते हो रही है उससे भारत का आम मतदाता भी प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकता क्योंकि संसद सदस्य उसी का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसमें खास ध्यान देने वाली बात यह भी है कि संसद की इस व्यवस्था का संरक्षण करने का अधिभार दोनों सदनों के अध्यक्षों को संवैधानिक रूप से इस प्रावधान के साथ सौंपा गया कि संसद के दोनों सदनों की सत्ता सरकार से स्वतन्त्र रहेगी और हर पक्ष के सांसद के अधिकार एक समान होंगे जिनका संरक्षण करने की जिम्मेदारी दोनों सदनों के अध्यक्षों की रहेगी। यहां राज्यसभा की विशेष स्थिति बनाई गई और इसके अध्यक्ष या सभापति भारत के चुने हुए उप-राष्ट्रपति को बनाया गया। वर्तमान में इस पद पर श्री जगदीप धनखड़ विराजमान हैं। राज्यसभा के सभापति पद को उप-राष्ट्रपति को सौंपने के पीछे एक कारण यह भी था कि हमारी संसद का गठन राष्ट्रपति, राज्यसभा व लोकसभा को मिला कर होता है। राष्ट्रपति संविधान के संरक्षक भी होते हैं अतः उप-राष्ट्रपति को राज्यसभा का 'पदेन सभापति' बना कर संसद के संवैधानिक कार्य को शुचिता का कलेवर पहनाया गया। राज्यसभा क्योंकि राज्यों की परिषद होती है जिसके सदस्यों का चुनाव भारत के राज्यों की विभिन्न विधानसभाओं में चुने गये विधायक करते हैं और उप-राष्ट्रपति का चुनाव लोकसभा में चुने गये सांसद करते हैं। इससे राज्यसभा के सभापति के रूप में सदन के भीतर भारत के आम मतदाता का ही समेकित प्रतिनिधित्व स्वतः हो जाता है। इसे उच्च सदन कहने के पीछे भी यही तर्क है। अतः इसकी कार्यवाही का संसदीय प्रणाली में विशिष्ट स्थान स्वतः हो जाता है। इसके सदस्यों के पास सरकार की जवातलबी के अधिकार भी लोकसभा सदस्यों के मुकाबले कुछ अधिक ही होते हैं जैसे कि किसी मन्त्री द्वारा दिये गये वक्तव्य पर स्पष्टीकरण पूछना। मगर वर्तमान में संसद की सुरक्षा में हुई चूक के मामले में सत्ता पक्ष व विपक्ष के बीच जो गतिरोध बना और जिसके चलते राज्यसभा के 46 व लोकसभा के 100 सदस्य निलम्बित किये गये उससे पूरे देश में जो सन्देश गया वह संसद के ही 'अप्रासंगिक (इर-रिलेवेंट)' होने का गया। इस सन्दर्भ में श्री जगदीप धनखड़ व राज्यसभा में विपक्ष के कांग्रेसी नेता श्री मल्लिकार्जन खड़गे के बीच गतिरोध समाप्त करने को लेकर जो पत्र-व्यवहार हुआ वह वर्तमान राजनैतिक दौर की व्याहारिक राजनीति की हकीकत बयान करने वाला है। श्री धनखड़ ने पत्र लिख कर श्री खड़गे से कहा था कि वह गतिरोध समाप्त करने के सम्बन्ध में उनसे उनके कार्यालय में आकर चर्चा करें। श्री खड़गे सदन के भीतर ही लगातार मांग करते रहे कि संसद की सुरक्षा चूक के मामले में उन्हें सदन के भीतर सवाल उठाने के लिए कुछ समय दिया जाये।

फिर बढ़ रही कोरोना की तेज रफ्तार

कोविड-19 द्वारा लोगों की जान को लीलना कभी थमा नहीं था। हां, कम या बीच में कुछ वक्त ब्रेक लगने का भ्रम जरूर था। अब दिसंबर आखिरी हफ्ते में आई तेजी ने जनवरी 2020 की याद दिला दी। अभी गंभीर संक्रमण या अस्पताल में भर्ती होने के मामले ज्यादा नहीं होने के कारण लोग हल्के से ले रहे हैं। लेकिन सच्चाई यही है कि नया वैरिएंट जेएन.1 धीरे-धीरे हावी होता जा रहा है जो अधिक संक्रमणीय होकर बहुत तेजी से फैल रहा है। इसके मुख्य लक्षण मुख्य रूप से बुखार के साथ लगातार या रुक-रुक कर हल्की-तेज खांसी, सांस लेने में तकलीफ या सांस नली में दिक्कत, थकान, मांसपेशियों और शरीर में दर्द के साथ ही सिरदर्द, गले में खराश, नाक बहना या बंद रहना है। ये लक्षण इतने आम होते हैं कि लोग जल्द समझ ही नहीं पाते हैं। इसकी रोकथाम के लिए 60 वर्ष या उससे अधिक उम्र के लोगों को खुद को संक्रमित होने से बचना-बचाना होगा। विशेषज्ञों ने भी वरिष्ठ नागरिकों को खास एहतियात बरतने की सलाह दी है। इस संक्रमण के ताजे रिसर्च ने सबको हैरान कर दिया है। नया वैरिएंट गले को बुरी तरह से प्रभावित करता है जिससे आवाज तक जा सकती है। यह बात भी सामने आई है कि इससे मौतों के बढ़ने के मामले और अस्पतालों में भर्ती होने की संख्या में वैसी बढ़ोतरी नहीं हुई, जैसी कि डेल्टा वैरिएंट के वक्त थी। लेकिन अब इस संक्रमण से स्वाद और गंध के साथ आवाज जाने की संभावना चिकित्सक बता रहे हैं। 15 साल की एक बच्ची ने इस वायरस के चलते अपनी आवाज गंवा दी, जिसके बाद चिकित्सक काफी गंभीर हैं।

देश में एक बार फिर कोरोना दस्तक दे चुका है? लेकिन सच यही है कि कोरोना आने के बाद से ही कभी गया ही नहीं? हां, पाबंदियां हटती गईं और दबा संक्रमण धीरे-धीरे पसरता रहा और हम सब बेफिक्र रहे। देश हो या प्रदेश, जिले हों या नगर या गांव हों या पंचायतें लोग इतनी जल्दी उस दर्दनाक मंजर को भूल भी गए जो हफ्ते, महीने दिन नहीं पूरे दो साल तक दुनिया में तबाही मचाता रहा! वो वाकये भी याद नहीं रहे जो जिन्दगी भर का दर्द दे गए? शायद इसी गलती, चूक या लापरवाही का नतीजा है, जो कोरोना की डरावनी रफ्तार फिर उसी अंदाज में बेखौफ बढ़ती जा रही है। कोविड-19 द्वारा लोगों की जान को लीलना कभी थमा नहीं था। हां, कम या बीच में कुछ वक्त ब्रेक लगने का भ्रम जरूर था। अब दिसंबर आखिरी हफ्ते में आई तेजी ने जनवरी 2020 की याद दिला दी। अभी गंभीर संक्रमण या अस्पताल में भर्ती होने के मामले ज्यादा नहीं होने के कारण लोग हल्के से ले रहे हैं। लेकिन सच्चाई यही है कि नया वैरिएंट जेएन.1 धीरे-धीरे हावी होता जा रहा है जो अधिक संक्रमणीय होकर बहुत तेजी से फैल रहा है। इसके मुख्य लक्षण मुख्य रूप से बुखार के साथ लगातार या रुक-रुक कर हल्की-तेज खांसी, सांस लेने में तकलीफ या सांस नली में दिक्कत, थकान, मांसपेशियों और शरीर में दर्द के साथ ही सिरदर्द, गले में खराश, नाक बहना या बंद रहना है। ये लक्षण इतने आम होते हैं कि लोग जल्द समझ ही नहीं पाते हैं। इसकी रोकथाम के लिए 60 वर्ष या उससे अधिक उम्र के लोगों को खुद को संक्रमित होने से बचना-बचाना होगा। विशेषज्ञों ने भी वरिष्ठ नागरिकों को खास एहतियात बरतने की सलाह दी है। इस संक्रमण के ताजे रिसर्च ने सबको हैरान कर दिया है। नया वैरिएंट गले को बुरी तरह से प्रभावित करता है जिससे आवाज तक जा सकती है। यह बात भी सामने आई है कि इससे मौतों के बढ़ने के मामले और अस्पतालों में भर्ती होने की संख्या में वैसी बढ़ोतरी नहीं हुई, जैसी कि डेल्टा वैरिएंट के वक्त थी। लेकिन अब इस संक्रमण से स्वाद और गंध के साथ आवाज जाने की संभावना चिकित्सक बता रहे हैं। 15 साल की एक बच्ची ने इस वायरस के चलते अपनी आवाज गंवा दी, जिसके बाद चिकित्सक काफी गंभीर हैं। इस सच्चाई को स्वीकारना ही होगा कि बीते एक पखवाड़े में इससे भले ही चंद मौतें हुईं लेकिन ये चिंताजनक हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, भारत में 24 दिसंबर की सुबह तक 656 केस नए मामले मिले जबकि 23 दिसबंर को 752 मिले थे यह 21 मई, 2023 के बाद अब तक मिले सबसे अधिक हैं। इन मामलों के बाद देश में इस समय कोरोना के सक्रिय मामले 4 हजार के लगभग हो गए हैं। हालांकि पिछले 24 घंटों में केवल एक ही मौत हुई। इधर आंकड़े बताते हैं कि 20 नवंबर से 17 दिसंबर यानी 28 दिनों में विश्व में कोविड के 8.50 लाख से अधिक नए मामले सामने आए और इसी अवधि में इस संक्रमण से 3,000 से अधिक मरीजों की मौतें हुईं। वहीं 17 दिसंबर तक दुनिया भर में कोविड के 77 करोड़ 20 लाख से अधिक मामलों की पुष्टि हो चुकी थी। वहीं लगभग 70 लाख मौतें भी दर्ज हो चुकी हैं। ताजे आंकड़े बताते हैं कि दुनिया में 13 नवंबर से 10 दिसंबर के दौरान 1 लाख 18 हजार से अधिक ऐसे मामले सामने आए जिन्हें अस्पतालों में भर्ती कराना पड़ा तो 1,600 से अधिक को आईसीयू में दाखिल करना पड़ा। इस तरह जो आंकड़े सामने आ रहे हैं वो चिन्ताजनक हैं। जाहिर है यह गंभीर या लगातार खांसी, फ्लू या फ़ेफड़ों से संबंधित ज्यादा पीड़ितों के आंकड़े हैं। वास्तविक आंकड़े इससे कई गुना अधिक होंगे जो इस मुगालते में होंगे कि उनको सर्दी, खांसी या फ्लू जैसी साधारण तकलीफ है। पहले भी यही साधारण बीमारियां असाधारण बन गईं थीं। दिसंबर के दूसरे पखवाड़े में एकाएक 5 मरीजों की मौतों से सभी घबरा गए हैं। हालांकि शनिवार को हुई एक मृत्यु के बाद देश में कोरोना से हुई मौतों की संख्या 5,33,333 पहुंच गई इस तरह मामले की मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत दर्ज की गई है जबकि ठीक होने वालों की संख्या 4,44,71,212 हो गई जिससे राष्ट्रीय रिकवरी दर 98.81 प्रतिशत है। आंकड़े और जानकार बताते हैं कि पिछले तीन साल में सर्दियों के दौरान

कोरोना बहुत तेज फैला। ठंड बढ़ी नहीं कि फिर कोरोना की शह दिखने लगी। कमोबेश वही ट्रेंड अभी भी बना हुआ है। इस बार भारत में पहला सब वैरिएंट सिंगापुर से आया तिरुचिरापल्ली निवासी था। 25 अक्टूबर को सिंगापुर से लौटा था। उसके संपर्क में कितने लोग आए होंगे और सिंगापुर से कितने कहां-कहां आए-गए होंगे किसे पता? निश्चित रूप से सब जानते हैं कि कोविड टेस्ट तो दूर एयरपोर्ट पर साधारण जांच तक नहीं हुई। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों से आने वाले लोग बेखौफ भारत आते-जाते रहे। अब यही बड़ा खतरा है। भारत की सबसे पहली कोरोना मरीज वुहान से आई मेडिकल छात्रा थी जो कोरोना फैलते ही घबरा कर लौटी। 21 जनवरी 2020 को वुहान से कोलकता होते हुए कोच्चि पहुंची। उसमें दोनों एयरपोर्ट पर थर्मल स्क्रीनिंग में वायरस के लक्षण नहीं दिखे। लेकिन 27 जनवरी 2020 को तबियत बिगड़ते ही समझते देर नहीं लगी कि माजरा क्या है? टेस्ट पॉजिटिव निकला। उधर 28 जनवरी तक देश में करीब 450 लोग चपेट में आए जिसमें ज्यादातर केरल से ही थे। फिर तो कोरोना ने कैसे पैर पसारा, हालात किस तरह बेकाबू हुए एक बुरे सपने जैसा था। निश्चित रूप से कोरोना का नया सबवैरिएंट जेएन-1की पूरी प्रकृति नहीं मालूम है। यह बेहद खतरनाक व डराने वाली स्थिति है। सिंगापुर, अमेरिका चीन के बाद यह एसएआरएस-कोव-2 जीनोमिक्स कंसोर्टियम (सार्स कोव-2) यानी आईएनएसएसीओजी की निगरानी से भारत में पकड़ आया जो केरल की एक 79 वर्षीय महिला में मिला। यही कोविड-19 का नया वैरिएंट है जिसे जेएन-1 कहते हैं। अब स्वास्थ्य एजेंसियों की खानापूर्ति कहें या सुस्ती या फिर शासन-प्रशासन की खामोशी या सरकार की व्यस्तता से कहीं वैसे हालात तो फिर नहीं बन जाएंगे? हालांकि यह प्रश्न अभी भविष्य के गर्त में है और वहीं रहा भी आए वही बेहतर है। फिलहाल भारत सरकार ने गाइडलाइन जारी कर दी है और 20 दिसंबर को सभी राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों की दिल्ली में बैठक के बाद और भी सतर्कता बढ़ाने के सभी राज्यों को निर्देश हुए हैं। हालांकि कागज, ई-मेल और सोशल मीडिया पर दौड़ते आदेश वैसे प्रभावी हो पाएंगे जितने होने चाहिए? जरूरत है पहले जैसी सतर्कता, जनजागरण और स्थानीय पुलिस व पालिका-पंचायत और स्वास्थ्य महकमें के संयुक्त अभियान की जो चेतावनी व कड़ाई दोनों दिखाएं। इधर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने नए जेएन-1 कोविड स्ट्रेन को चिंताजनक माना है। इसके देश में22 मामले ही सामने आए हैं। इस वैरिएंट से निपटने खातिर पुणे स्थित सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया जल्द ही महामारी के एक और उछाल को रोकने के लिए टीके बनाने और बेचने की तैयारी में है जिसके नए वेरिएंट के खिलाफ वैक्सीन खातिर लाइसेंस के आवेदन की चर्चा है। इसी ने 2020 में महामारी के दौरान एस्ट्राजेनेका और ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के साथ साझेदारी में कोविशील्ड टीकों का उत्पादन कर लोगों की जान बचाने में मदद की थी। सच है कि पहले भी दुनिया जहान में कोई भी देश कोविड से अछूता नहीं था। सुरक्षा एहतियातों से ही अधिकतर जानें बचीं। लेकिन सभी ने किसी अपने या जान-पहचान वाले को खोने का दर्द झेला है। हैरानी की बात है कि हम साल, सवा साल या कहें चंद महीनों में ही सब भूल गए? बेफिक्री के आलम में ऐसे मशगूल हुए कि याद तक नहीं रखा कि कभी कोरोना था?कोविड-19 के सच को सबने देखा और शायद ही कोई भूल पाया हो। अब मानना ही होगा कि कोरोना अभी जिंदा है जिससे निपटने में मास्क संग दो गज की दूरी और हाथ धोना जरूरी है। -ऋतुपर्ण दवे

'सम्राट की कब्र' में सामने आया ब्रज के किसानों का पराक्रम

सुनील सक्सेना 'शून्य'

डॉ सुरेंद्र सिंह की पुस्तक 'सम्राट की कब्र' (कहानी रामकी चाहर की) बाजार में आ गई है। इस पुस्तक में करीब 350 साल पहले के एक ऐतिहासिक घटनाक्रम को दर्शाया गया है। यह घटना यह प्रमाणित करती है कि मुगलकाल में ब्रज क्षेत्र के किसानों को दबाया नहीं जा सका था। उन्होंने अपने पराक्रम और साहस से उस समय मुगल सल्तनत से टक्कर ली थी, जिसका डंका पूरी दुनिया में बजता था।

मुगल काल में उनके उत्पीड़न से त्रस्त लोगों को नेतृत्व करने वाले किसान रामकी चाहर और भरतपुर के किसान राजाराम के संघर्षों को लेकर आगरा के वरिष्ठ पत्रकार डॉ सुरेंद्र सिंह की पुस्तक 'सम्राट की कब्र' (कहानी रामकी चाहर की) बाजार में आ गई है। इस पुस्तक में करीब 350 साल पहले के एक ऐतिहासिक घटनाक्रम को दर्शाया गया है। यह घटना यह प्रमाणित करती है कि मुगलकाल में ब्रज क्षेत्र के किसानों को दबाया नहीं जा सका था। उन्होंने अपने पराक्रम और साहस से उस समय मुगल सल्तनत से टक्कर ली थी, जिसका डंका पूरी दुनिया में बजता था। पुस्तक 'सम्राट की कब्र' के नायक मुगलकाल के दौरान आगरा के रामकी चाहर और भरतपुर के राजाराम सामान्य किसान हैं, जिनके नेतृत्व में किसानों ने न केवल मुगलों को टैक्स देना बंद कर दिया था बल्कि आगरा में सिकंदरा इलाके में स्थित अकबर की कब्र के स्मारक पर हमला कर दिया था और अकबर की कब्र को खोदकर उसकी हड्डियों को जला दिया था। किसानों के हमले में स्मारक को काफी नुकसान पहुंचाया था। उस घटना के निशान आज भी वहां हैं। बेशक अकबर के मकबरे को दुरुस्त किया गया और टूटी मीनारों की मरम्मत हो गई है, लेकिन उसका एक हिस्सा आज भी क्षतिग्रस्त है, जो उस समय के भारतीय किसानों के संघर्ष की गौरव गाथा बखान करता है। घटना के समय औरंगजेब सम्राट था। पुस्तक के अनुसार औरंगजेब किसानों के इस दुस्साहस से इतना आहत हुआ था कि उसे पछतावा हुआ था कि उसने क्यों किसानों से पंगा लिया। पुस्तक में इस बात का विस्तार से जिक्र है कि किसानों ने यह विद्रोह क्यों किया और मुगलों से टक्कर लेने के लिए उन्होंने अपनी ताकत को कैसे बढ़ाया, कितनी बार हमला किया। हमला के दौरान क्या क्या किया। पुस्तक के इन दोनों नायकों ने मुगल साम्राज्य के जिन तीन सेनापतियों को मारा था, वह कौन-कौन थे, उन्हें कब और कैसे मारा। लेखक ने अकबर के मकबरे पर किसानों के हमले की घटना को विस्तार से लिखा है। इस घटना में किसानों को अपनी जान चुकानी पड़ी थी। राजस्थान में हुई एक लड़ाई में किसान राजाराम ने वीरगति प्राप्त की थी और रामकी चाहर को घायल अवस्था में पकड़कर मुगल सेना ने आगरा किले में पहले फांसी पर लटकाया और फिर सिर धड़ से अलग कर किले के बाहर लटका दिया ताकि लोगों में खौफ पैदा हो और वे विद्रोह न कर सके। किसानों के दुस्साहस से मुगलों के खिलाफ विद्रोह की जो चिंगारी उठी थी, उसका परिणाम हुआ कि कुछ ही साल में आगरा से मुगलों का लगभग सफाया हो गया। इस लड़ाई को आजादी की पहली लड़ाई भी माना गया था। पुस्तक में सप्रमाण इसका वर्णन है, अनेक सजीव फोटो भी हैं। लेखक ने पुस्तक को रोचक बनाने के लिए इसे तोता-मैना के किस्सा के रूप में प्रस्तुत किया है। इस ऐतिहासिक घटनाक्रम पर आधारित यह पहली पुस्तक है, जिसमें इस घटना का विस्तार से वर्णन किया गया है। अभी तक तमाम लेखकों और इतिहासकारों ने अपनी किताबों में इस घटनाक्रम को बहुत ही संक्षिप्त में लिखा है। इस पुस्तक को नई दिल्ली के एसोसिएटिड पब्लिसिंग हाउस ने प्रकाशित किया है और इसका मूल्य 595 रुपये है।

सेहत मंत्र

सरसों, बथुआ और चने के साग में होते हैं कई पौष्टिक तत्व, सर्दियों में खाएं मिलेंगे ये लाभ

सर्दियों के मौसम में चना, बथुआ, मेथी और सरसों आदि का साग बहुत आसानी से उपलब्ध होता है। ये साग खाने में जितने स्वादिष्ट होते हैं, उतने ही पौष्टिक होते हैं। सर्दियों में होने वाली कई समस्याओं जैसे- जुकाम, बुखार, एलर्जी आदि का कारण इम्यूनिटी का कमजोर होना है। साग के सेवन से न सिर्फ शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है बल्कि खून भी बढ़ता है। अगर आप सप्ताह में 2-3 बार साग का सेवन करते हैं, तो ये आपके शरीर और सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है और कई बड़ी बीमारियों की आशंका को कम करता है। आइए आपको बताते हैं इनके फायदे। सर्दी का मौसम आते ही सब्?जी बाजार में मेथी खूब दिखने लगती है। मेथी में प्रोटीन, फाइबर, विटामिन सी, नियासिन, पोटेशियम, आयरन आदि तत्व मौजूद होते हैं। इसमें फॉलिक एसिड, मैग्नीशियम, सोडियम, जिंक, कॉपर आदि भी मिलते हैं जो शरीर के लिए बेहद जरूरी हैं। पेट ठीक रहे तो स्वास्थ्य भी ठीक रहता है। मेथी पेट के लिए काफी अच्छी होती है। अगर आपको कब्ज या पाचन से जुड़ी कोई भी समस्या है तो हरी मेथी आपके लिए बेहद फायदेमंद हो सकती है। सर्दियों में अगर आपको जोड़ो के दर्द की समस्या है तो मेथी का सेवन करना आपके लिए फायदेमंद होगा। साथ ही यह हाई बीपी, डायबिटीज, अपच आदि बीमारियों में मेथी का उपयोग लाभकारी होता है। बथुआ कई औषधीय गुणों से भरपूर होता है। इसमें विटामिन ए, कैल्शियम, फॉस्फोरस और पोटैशियम होता है। बथुआ हरा शाक है जो नाइट्रोजन युक्त मिट्टी में फलता-फूलता है। सदियों से इसका उपयोग कई बीमारियों को दूर करने में होता रहा है। इसके साग को नियमित खाने से कई रोगों को जड़ से समाप्त किया जा सकता है। गैस, पेट में दर्द और कब्ज की समस्या भी दूर हो जाती है। बथुआ को साग के तौर पर खाना पसंद न हो तो इसका रायता बनाकर खाएं। इससे गुर्दे में पथरी होने का खतरा काफी कम हो जाता है। गैस, पेट में दर्द और कब्ज की समस्या भी दूर हो जाती है।

धर्म मंत्र

अमरकंटक आकर अंतर्मन आध्यात्मिक ऊर्ज़ा से भर जाता है

अमरकंटक को मध्य प्रदेश के वनप्रदेश की उपमा प्राप्त है। आम, महुआ और साल सहित नाना प्रकार के वृक्ष मैकाल पर्वत का श्रृंगार करते हैं। अमरकंटक के जंगलों में आम के वृक्ष अधिक होने के कारण प्राचीन ग्रंथों में आम्रकूट के नाम से भी इस स्थान का वर्णन आता है। वृक्षों से आच्छादित यह वनभूमि प्रकृति प्रेमियों को सदैव ही आकर्षित करती है। यहाँ आकर मन, मस्तिष्क और शरीर प्रफुल्लित हो जाते हैं। प्रकृति के सान्निध्य से मानसिक तनाव और शारीरिक थकान दूर हो जाती है। अमरकंटक आकर अंतरमन आध्यात्मिक ऊर्ज़ा से भर जाता है। कालिदास के मेघदूत जब लंबी यात्रा पर निकले थे, तब उन्होंने अपनी थकान मिटाने के लिए अमरकंटक को ही अपना पड़ाव बनाया था। कवि कालिदास ने 'मेघदूत' में लिखा है कि रामगिरि पर कुछ देर रुकने के बाद तुम (मेघदूत) आम्रकूट (अमरकंटक) पर्वत जाकर रुकना। अमरकंटक ऊंचे शिखरों वाला पर्वत है। वह अपने ऊंचे शिखर पर ही तुम्हारा स्वागत करेगा। मार्ग में जंगलों में लगी आग को तुमने बुझाया होगा, इसलिए तुम थक गए होगे। एक छोटे से छोटा व्यक्ति भी उसका स्वागत करता है, जिसने कभी उसके साथ उपकार किया था। फिर अमरकंटक जैसों की क्या बात कहना, जो स्वयं इतना महान है। जब महान कवि कालिदास अपने मेघदूत को अमरकंटक में ठहरने के लिए कह रहे हैं, तब मेरा यही सुझाव है कि हमें भी कुछ दिन अमरकंटक में गुजारने चाहिए।

पर्यटन

डलहौजी है बर्फबारी का दीदार करने के लिए बेस्ट डेस्टिनेशन

जब देश के सबसे पिछड़े जिलों की बात आती है, तो हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले का नाम जरूर आता है, लेकिन प्रकृति की गोद में बसे इस जिले में कई ऐसे पर्यटन स्थल हैं, जो उसे देश-दुनिया के नक्शे पर अलग पहचान दिलाते हैं। इन्हीं शहरों में एक नाम है डलहौजी का। ब्रिटिश शासनकाल में अस्तित्व में आए इस शहर के दीदार को हर साल हजारों सैलानी आते हैं। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद यहां के लोगों का हौसला फौलाद की तरह मजबूत है। देवदार और चीड़ के हरे-भरे पेड़ों से घिरे इस शहर की सुंदरता और बढ़ जाती है। इस शहर से नेताजी जी सुभाष चंद्र बोस लेखक एवं साहित्यकार रवींद्रनाथ टैगोर जैसी महान हस्तियों का भी नाता रहा है। पर्यटन के साथ-साथ यहां देश के बेहतरीन बोर्डिंग स्कूल भी हैं। देवदार के घने जंगलों, झीलों और झरनों के बीच यहां आकर गर्मियों की छुट्टियां बिताना सबसे यादगार बन जाता है। ठंड के साथ इस इलाके में बर्फबारी की शुरुआत भी हो चुकी है। ब्रिटिश काल में अंग्रेज अधिकारी लॉर्ड डलहौजी ने पर्यटन नगरी डलहौजी को एक सेनेटोरियम (स्वास्थ्यवर्धक स्थान) के रूप में बसाया था, लेकिन यह बात भी इतिहास के पन्नों में दर्ज है कि डलहौजी शहर को बसाने वाला और जिसके नाम पर इस स्थान का नाम पड़ा है, वह अंग्रेज अधिकारी लॉर्ड डलहौजी कभी डलहौजी आया ही नहीं। वर्ष 1850 में डलहौजी को बसाने के लिए चंबा के तत्कालीन राजा व ब्रिटिश सरकार के बीच एक लीज पर हस्ताक्षर हुए थे, जिसके तहत वर्ष 1854 में पांच पहाड़ियों काठगोल, पोट्रेयन, टिहरी, बकरोटा और बेलम पर डलहौजी शहर को बसाया गया। उन दिनों अंग्रेज अधिकारी गर्मियों में यहां छुट्टियां बिताने आते थे। सुभाष चौक, गांधी चौक व बैलून कैंट में कई चर्च भी बनाए गए थे। यहां अंग्रेज अधिकारी पूरे रौब के साथ रहते थे। सड़कों पर अंग्रेज अधिकारियों के गुजरने पर भारतीय लोगों को दुकानों व घरों के अंदर छिपना पड़ता था। यह भी कहा जाता है कि अंग्रेजी हुकूमत के दौरान डलहौजी की सड़कों पर भारतीय लोगों को घोड़े पर सवार होकर गुजरने पर भी पाबंदी थी।

पांच करोड़ रूपये की लागत से बनने जा रहे लोनी नदी पुल का सांसद ने किया लोकार्पण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। पांच करोड़ की लागत से बनाए गए पुल का लोकार्पण सांसद व विधायक द्वारा संपन्न हो गया राज्य मार्ग संपर्क मार्ग पर मोहम्मदपुर से हुसैनाबाद को जोड़ने वाली सड़क पर पडने वाले लोनी नदी पर पुल का निर्माण 5 करोड़ की लागत से कराया गया है इस पुल के निर्माण से क्षेत्र के कई दर्जन गांवों के लाखों लोगों के लिए यातायात आसान हो गया उल्लेखनीय है पहले ग्राम पंचायत मोहम्मदपुर के लोग काफी दूरी तय करने के बाद हुसैनाबाद पहुंच पाते थे लेकिन पुल के निर्माण से राजमार्ग से होकर जाने वाले लोगों को हुसैनाबाद तक पहुंचने में आधी दूरी का सफर तय करना पड़ेगा इस अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में सांसद उपेंद्र रावत ने सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार पर करारा चोट किया गया विकास के कार्य तेजी से कराये जा रहे हैं सड़कों का जाल बिछाया गया है गांव-गांव बिजली पहुंचाई गई गरीबों को मिलने वाला राशन निशुल्क दिया जा रहा है उन्होंने कहा मोदी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में देश को विकास की राह पर ले जाकर दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने का काम करेगी इसके अतिरिक्त क्षेत्रीय विधायक दिनेश रावत ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा की क्षेत्र का विकास ही उनका मुख्य लक्ष्य है सरकार के पास क्षेत्र विकास के लिए धन की कमी नहीं है विधायक ने कहा एयरपोर्ट मेडिकल कॉलेज शैक्षणिक संस्थाएं तेजी से बनाई गई हैं इसके अतिरिक्त एक्सप्रेसवे भी बनाए गए हैं उक्त अवसर पर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि सुनील सिंह मंडल अध्यक्ष भाजपा सचिन वर्मा पूर्व ब्लाक प्रमुख प्रवेश सिंह ने भी सभा को संबोधित किया कार्यक्रम का संचालन संजय सिंह वर्मा ने किया उक्त अवसर पर क्षेत्र के कई दर्जन प्रधान व जनप्रतिनिधि सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

राम जन्म भूमि के पूजित अक्षत को घर घर पहुंचाएगा विहिप

पूजित अक्षत की कलश यात्रा की तैयारियां पूर्ण, यात्रा कल

बाराबंकी।राम जन्म भूमि तीर्थ द्वारा पूजित अक्षत को घर घर पहुंचाने की तैयारियों में विश्व हिंदू परिषद ने ताकत झोंक दी है। पूजित अक्षत की भव्य कलश यात्रा गुरुवार को निकालने की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। नागेश्वरनाथ मंदिर से पूर्वाह्न 11 बजे कलश यात्रा शुरू होकर धनोखर मंदिर पहुंचेगी जहां पूजित अक्षत भरे हुए कलश की आरती संपन्न होगी। मार्ग में कई जगह कलश यात्रा के स्वागत की तैयारियां है।विहिप के जिला अध्यक्ष ब्रजेश वैश्य ने बताया कि श्रीराम जन्म भूमि तीर्थ से जिले के सभी 8 खंडों के लिए पूजित अक्षत प्राप्त हुए हैं,जिन्हे घर घर पहुंचाने की तैयारी हैं।विहिप कार्यकर्ता प्रत्येक घरों में जाकर अक्षत देकर लोगो को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के लिए आमंत्रित करेंगे।उन्होंने बताया कि कलश यात्रा के लिए सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।सभी कलशों को एक वाहन में भव्य झांकी के रूप में सजाया जाएगा।

संदिग्ध परिस्थितियो मे लापता युवक का ट्यूबल के कुएँ मे मिला युवक का शव,हत्या का लगाया आरोप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। रामसनेहीघाट कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार देररात घर से निकले एक युवक का शव संदिग्ध हालात में सोमवार को एक खेत में लगें के कुवें मैं पड़ा मिला। मौके पर पहुँची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

रामसनेहीघाट अंतर्गत अंगदपुर निवासी रामजस उर्फ टिल्ले पुत्र बुद्धू 25 वर्षीय शुक्रवार देर रात घर से बाहर गया था।

देर रात तक जब वह नहीं लौटा तो परिजनों ने तलाश शुरू की लेकिन पता न चलने पर परिजनों ने कोतवाली मैं गुमशुदगी दर्ज कराई गई।सोमवार दोपहर गांव से करीब पांच सौ मीटर की दूरी पर एक खेत में लगे ट्यूबबेल के अंदर उसका शव संदिग्ध हालात में पड़ा मिला। खेत के मालिक व ग्रामीणों ने इसकी सूचना परिजनों को दी।परिजनों ने शव देखकर रामजस के रूप में पहचान की।कुछ ही देर में कोतवाल ओम प्रकाश तिवारी दल बल के साथ पहुंच कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना को लेकर अटकलों का दौर जारी है और लोग मान रहे हैं कि युवक की हत्या कर शव को कुएं में डाला गया है।पुलिस मामले की जांच करने में जुट गई है।

कपड़ा बैंक का शुभारंभ समाज सेवी डॉ आशीष सिंह सिसौदिया ने फीता काट कर किया

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रामसनेही घाट बाराबंकी। नगर पंचायत राम सनेही घाट में अपना कपड़ा बैंक का शुभारंभ समाज सेवी डॉ आशीष सिंह सिसौदिया ने फीता काट कर किया। अपना कपड़ा बैंक नाम से खुले इस कपड़ों के बैंक में हर गरीब जरूरतमंद के लिए उसकी पसंद और साइज के कपड़े उपलब्ध है।

मुख्य अतिथि ने टीम के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि गरीबों की मदद से बढ़कर कोई धर्म नहीं होता। ऐसे पुनीत कार्य में आम लोगों की सहभागिता जरूरी है। कहा कि जरूरतमंदों की मदद करते समय इस बात का भी ख्याल रखा जाना चाहिए कि कहीं उनके सम्मान को ठेस तो नहीं पहुंच रही है।कपड़ों से हमारा अधिक लगाव होता है, वर्षो तक कपड़े अलमारी में पड़े रहते है, लेकिन उन्हें कभी पहना नहीं जाता। ऐसे में अपने पसंदीदा कपड़ों को दान करना ही अच्छा होगा। अपील करते हुए कहा कि दान करने से पहले कपड़ों को धुलवाने के साथ प्रेस भी कराकर दे तो ज्यादा अच्छा होगा। टीम के लोगो को 21000 रुपये की धनराशि जरूरतमंदों के लिये वस्त्र खरीदने के लिये दिया।

इस मौके पर कपड़ा बैंक अध्यक्ष आशीष सिंह (रक्तमित्र), अनुराग गुप्ता (रिशु), सचिव राम प्रकाश गुप्ता, अनुज वर्मा , राकेश सिंह मुन्ना, भोलानाथ मिश्रा, विक्रम, सतीश,मिथलेश वर्मा , अमर बहादुर सिंह, विवेक सूर्यवंशी, आरजे अभिनंदन, स्केच गुरु सुमित, पंकज राणा, इंद्र प्रताप सिंह, दिवाकर बाबा, प्रवीण तिवारी, मुकेश कुमार, संतोष, राजेंद्र त्रिवेदी, अजय तिवारी, पंकज शुक्ला, अजय ठाकुर, व दिनेश तिवारी अमरसिंह राणा सहित विभिन्न समाचार पत्रों के प्रतिनिधि समेत गणमान्य लोग मौजूद रहे।

गुलशन आरा व प्रांशी का हुआ स्वागत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। भारत रत्न पंडित अटल बिहारी बाजपेई की जयंती के सुअवसर पर अटल बिहारी वाजपेई नगर निगम डिग्री कॉलेज(लखनऊ विश्वविद्यालय) सुरेंद्रनगर लखनऊ में निबंध लेखन व काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमे बाराबंकी जनपद के प्रतिष्ठित महाविद्यालय मोहनलाल वर्मा एजुकेशनल इंस्टीट्यूट के छात्र-छात्राओं ने भी प्रतिभाग किया जिसमे महाविद्यालय की छात्रा गुलशन आरा को प्रथम स्थान तथा प्रांशी बाजपेई को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। विजेता प्रतिभागियों को अटल बिहारी बाजपाई स्मृति चिन्ह भेंट स्वरूप प्राप्त हुआ तथा जनपद लौटने पर पूरे महाविद्यालय परिवार ने उनका स्वागत किया तथा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एच एन चौधरी ने उनको शुभकामनाएं दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विजेता गुलशन आरा व प्रांशी वाजपेई एवम सहभागी जय गुप्ता और इंद्रजीत मोहनलाल वर्मा एजुकेशनल इंस्टीट्यूट में कला और वाणिज्य वर्ग के विद्यार्थी हैं। सभी प्रतिभागी राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक भी हैं, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी पंकज पटवा ने सभी स्वयं सेवकों के बेहतरीन कार्य की सराहना की तथा उनके उज्जवल भविष्य हेतु शुभकामनाएं प्रदान की।

यातायात प्रभारी ने विद्यार्थियों को दिलाई यातायात सुरक्षा की शपथ

बाराबंकी। एसपी दिनेश कुमार सिंह के निर्देशन में मगंलवार को यातायात प्रभारी रामयतन ने शहर के मालगोदाम मार्ग स्थित स्कॉलर पब्लिक इंटर कॉलेज में सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के तहत विद्यार्थियों को देश में बढ़ती दुर्घटनाओं के विषय पर आयोजित गोष्ठी के अवसर पर छात्र छात्राओं को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते हुए नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई आपको बताते चलें कि यातायात प्रभारी द्वारा लगातार शहर की यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने तथा लोगों को यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूक किया जा रहा है इस अवसर पर विद्यालय प्रधानाध्यापक श्रवण कुमार श्रीवास्तव सहित अन्य अध्यापक उपस्थित रहे।

पीटीओ की अगुवाई मे चला चेकिंग अभियान

बाराबंकी।सड़क सुरक्षा के तहत यात्रीकर अधिकारी उमाशंकर मिश्र की अगुवाई में परिवहन विभाग के ओवरलोड वाहनों की चेकिंग की गई। वाहनों का चालान और दो वाहनों बन्द किया गया है। जिन वाहनों में यचएसआरपी/रिफ़ेक्टरटेप नहीं लगे थे उनका चालान किया गया।एक जेसीबी जिसका 2020 से टैक्स/फिटनेस बीमा और प्रदूषण फ़ेल था यचएसआरपी भी नही लगा था उसे असंद्रा कोतवाली में बंद किया गया। एक वैन जिसके द्वारा प्राथमिक विद्यालय के टीचर्स को मासिक किराये पर लें जाया जा रहा था जिसे लोनीकटरा में बन्द किया गया और एक टैम्पो जिसका 2019 से टैक्स फिटनेस बीमा प्रदूषण फ़ेल था परमिट भी समाप्त था को लोनी कटरा में बन्द किया गया है। उक्त के अतिरिक्त एक अनाधिकृत बस का चालान किया गया। इसके अतिरिक्त वाहन चालको को जागरूक भी किया गया।

पूर्व सीएम के आने की खबर से लगा रहा समाजवादी दिगग्गो का जमावड़ा

मसौली बाराबंकी। पूर्व विधायक स्वर्गीय अशर्फी लाल यादव की पूर्ण तिथि पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के आगमन की सूचना पर पूर्व मंत्री अरबिन्द सिंह गोप और पूर्व मंत्री एवं विधायक हाजी फरीद महफूज किदवई सहित जिम्मेदार पार्टी के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल का जायजा लेने पहुंचे।

ढजनपद के बदोसराय स्थित पूर्व विधायक स्वर्गीय अशरफी लाल यादव की पूर्ण तिथि पर इन्ही के अशरर्फी लाल यादव जनता मोंटसरी स्कूल परिसर में 16 जनवरी को आयोजित कार्यक्रम में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव आने सुचना पर सपा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं में हड़कंप मच गया है।जिसकी तैयारी का जायजा लेने के लिए जिला अध्यक्ष अयाज अहमद,पुर्व मंत्री अरबिन्द सिंह गोप, पूर्व मंत्री एवं वर्तमान विधायक हाजी फरीद महफूज किदवई, राष्ट्रीय प्रवक्ता फैजान किदवई, पूर्व एमएलसी राजेश यादव, जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद सबा सहित लोगों ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंच कर जायजा लिया।

दुकान में किया चोरी और फिर लगा दी आग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। बबुरा बांध गांव के बाहर दुर्गेश कुमार लकड़ी की गुमटी रखकर परचून की दुकान चलाता था। जिसे बीते सोमवार की रात को बेखौफ चोरों ने दुकान में चोरी किया और आग लगाकर फरार हो गए। सुबह जब दुर्गेश को जानकारी हुई तो उनके होश उड़ गए। मौके पर ग्रामीणों व राहगीरो की भीड़ एकत्रित होने लगी। वही दुर्गेश की सूचना पर 112 पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुटी। दरअसल जैदपुर थाना क्षेत्र के बबुरा बांध गांव के बाहर जैदपुर मार्ग पर अपने खेतों में एक लकड़ी की गुमटी रखकर दुर्गेश कुमार परचून की दुकान चलाता था प्रतिदिन की बात सोमवार की शाम को दुकान बंद करके घर गया और सुबह पता चला की उनकी दुकान जलकर राख हो चुकी है। जानकारी होते ही आनन फानन में दुर्गेश कुमार मौके पर पहुंचे तो देखा कि दुकान जलकर राख हो चुके थी तथा दुकान में रखा हुआ सोलर पैनल, बैटरी, इलेक्ट्रॉनिक कांटा, सरसों का तेल सहित दुकान में रखा हुआ अन्य सामान नगदी आदि चोरी करने के उपरांत दुकान में आग लगा दी गई। पीड़ित ने तत्काल इसकी सूचना 112 पुलिस को दिया। मौके पर पहुंची 112 पुलिस छानबीन में जुटी। वही पीड़ित ने थाना ज़ैदपुर में लिखित शिकायती पत्र देते हुए उचित कार्रवाई करने की मांग उठाई है।

भारतीय कुश्ती संघ के निलंबित अध्यक्ष संजय सिंह ने काशी में किया रोड शो

वाराणसी। भारतीय कुश्ती महासंघ के निलंबित अध्यक्ष संजय सिंह मंगलवार को अपने गृह जनपद वाराणसी पहुंचे। लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के बाहर संजय सिंह के समर्थकों ने ढ़ोल-नगाड़े की थाप और पुष्पवर्षा के बीच गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। हवाई अड्डे से शहर तक संजय सिंह ने दर्जनों वाहनों के काफिले में समर्थकों के साथ रोड शो किया।ढोल व नगाड़ों के साथ संजय सिंह ने काफिले के साथ एयरपोर्ट से तरना तक लगभग 20 किलोमीटर दूरी तक शक्ति प्रदर्शन भी किया। गिलट बाजार भोजुबीर से संजय सिंह दूसरी गाड़ी में सवार होकर रवाना हो गए। संजय सिंह ने शिवपुर तरना में पत्रकारों से बातचीत में अपने निलंबन को लेकर खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि सरकार से बात होगी, इसके बावजूद बात न बनने पर कानूनी सलाह भी लूंगा। एक सवाल के जबाब में उन्होंने कहा कि वे भारतीय कुश्ती को बहुत आगे ले जाएंगे। इस बार ओलंपिक में भारत को बहुत मेडल मिलेगा। संजय सिंह का परिवार वाराणसी में दुर्गाकुंड कबीरनगर में रहता है।

कोटेदार संघ ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा

फतेहपुर बाराबंकी। ऑल इंडिया फ़ेयर प्राइज शॉप डीलर एसोसिएशन बाराबंकी के कार्यकर्ताओं ने तहसील अध्यक्ष जगदीश प्रसाद के नेतृत्व में मुख्यमंत्री को संबोधित मांगों का ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। ज्ञापन में दर्शाया की कोटेदारों ने कोरोना कल में अपने व अपने परिवार के जीवन की परवाह किए बिना राशन वितरण किया भारत सरकार से राज्य सरकार को प्रशस्ति पत्र भी मिला। लेकिन उ.प्र. के कोटोदारों को लाभांश रू0 90 प्रति कुन्तल ही मिलता है। जबकि अन्य प्रदेशों में जैसे हरियाणा व गोवा, केरल 200? महाराष्ट्र में 150?, राजस्थान में 125? गुजरात में 20000?मानदेय दिया जा रहा है। उ0प्र0 के कोटेदारों को भी अन्य प्रदेशों की भाति लाभांश दिया जाए नहीं तो 01/01/2024 से उ0प्र0 के राशन विक्रेता वितरण कार्य से विरत रहेगे, जिसका सारा उत्तरदायित्व शासन प्रशासन का होगा।

मोदीजी के नेतृत्व में पूरा देश मना रहा वीर बाल दिवस : राजेंद्र मिश्र

प्रयागराज। वीर बाल दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्र के नेतृत्व में गुरु गोविंद सिंह के साहिबजादे के बलिदान को याद करते हुए मंडल स्तर पर वीर बाल दिवस मनाया गया। महानगर अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज पूरा देश हीं नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई देशों में गुरु गोविंद सिंह के अमर पुत्रों के बलिदान को वीर बाल दिवस के रूप में मनाते हुए उनके बलिदान को याद किया जा रहा है।

पक्की संगत मालवीय नगर गुरुद्वारे में आयोजित समागम में प्रयागराज महानगर के प्रभारी महेश चंद्र श्रीवास्तव, कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, महापौर गणेश केसरवानी एवं महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ शामिल होकर शब्द कीर्तन का श्रवण किया। राजेंद्र मिश्र ने कहा कि गुरु गोविंद सिंह के वीर साहिबजादे जोरावर सिंह, जुझारू सिंह, फतेह सिंह, अजीत सिंह ने स्वयं जीने की बजाय राष्ट्र धर्म अपनाया और इस देश की मिट्टी के लिए बलिदान हुए। आज देश उन वीर पुत्रों के बलिदान पर गर्व कर रहा है और आने वाले पीढ़ियों को राष्ट्र धर्म के लिए जीने और मरने की प्रेरणा दे रहा है।मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा मंडल स्तर पर प्रभात फ़ेरी निकाली गई और विद्यालयों में संगोष्ठी के माध्यम से गुरु गोविंद सिंह के अमर पुत्रों का बलिदान बताया गया। इसके अलावा गुरुद्वारों में शब्द कीर्तन श्रवण किए गए और लंगर चलाए गए एवं वीर साहिबजादों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। इस अवसर पर नरेश कुंद्रा, सरदार पतविंदर सिंह, सिख सेवा संगम के अध्यक्ष हरिंदर पाल सिंह, परमजीत सिंह बग्गा, परमिंदर सिंह, मानसिंह चावला, जसबीर सिंह, दिनेश विश्वकर्मा, अजय अग्रहरि, बलजीत सिंह कोहली, डॉ मंजीत सिंह खालसा, हरजीत सिंह, कथुरिया, प्रेमजीत सिंह, हैप्पी चावला बंटी पुरी, लखविंदर सिंह एवं सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उप्र के हमीरपुर में नायब तहसीलदार ने मस्जिद पहुंच पढ़ी नमाज, जांच शुरू

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में अभी तक इश्क में लड़कियों और लड़कों के मतांतरण के मामले सुने जाते रहे हैं, लेकिन अब प्रशासन के एक अधिकारी में धर्म परिवर्तन का ऐसा भूत सवार हुआ कि वह मस्जिद पहुंचकर नमाज पढ़ने लगे हैं। अंजान शख्स को नमाज पढ़ते देख मस्जिद के लोगों का माथा ठनक गया। शख्स के बारे में जब पता लगाया गया तो वह तहसील का नायब तहसीलदार निकला। प्रशासन ने सूचना पाते ही इस मामले की जांच के निर्देश दिए हैं। तहसीलदार ने पूरे मामले की जांच भी शुरू कर दी है। नायब तहसीलदार आशीष गुप्ता शादीशुदा हैं।

अयोध्या के कण-कण सुनाएंगे प्रभु श्रीराम की गौरवगाथा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रामनगरी अयोध्या को भव्य रूप से सजाने की प्रक्रिया में आई तेजी

अयोध्या विकास प्राधिकरण द्वारा श्रीराम जन्मभूमि मंदिर की ओर जाने वाले सभी प्रमुख मार्गों को सजाया जा रहा

दीवारों को कंकड़-पत्थर से बनी कलाकृतियों से सजाने का शुरू हुआ कार्य

कलाकृतियों व भित्तिचित्र के निर्माण के लिए अयोध्या विकास प्राधिकरण ने शुरू की एजेंसी निर्धारण प्रक्रिया

अयोध्या। उत्तर प्रदेश की आध्यात्मिक मूल्यों के संरक्षण की ओर एक और कदम बढ़ाया जाना शुरू हो गया है। रामनगरी अयोध्या को नव्य-भव्य रूप में सजाया जाना शुरू है। इन कार्यों के पूरा होने पर अयोध्या की झलक कुछ ऐसी होगी कि यहाँ आने वाले हर श्रद्धालु को इसके कण-कण में विराजमान भगवान श्रीराम की उपस्थति महसूस होगी।

अयोध्या में 22 जनवरी को प्रस्तावित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के भव्य प्राण प्रतिष्ठा के पूर्व 30 दिसंबर को पीएम नरेंद्र मोदी का दौरा प्रस्तावित है। इनके दौरे से पूर्व श्रीराम जन्मभूमि मंदिर को जोड़ने वाले सभी प्रमुख मार्गों पर रामायण काल के प्रमुख प्रसंगों का मनमोहक चित्रण किय जाना शुरू है। पीएम।मोदी के दौरे को ध्यान में रखकर इन प्रयासों में तेजी आने लगी है और सभी विकास कार्य युद्ध स्तर पर शुरू हो चुके हैं।

मुख्यमंत्री योगी की मंशा अनुसार अयोध्या विकास प्राधिकरण (एडीए) ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर की ओर जाने वाले सभी प्रमुख मार्गों की दीवारों को टेराकोटा फाइन क्ले म्यूरल कलाकृतियों से सजाने का कार्य तेज कर दिया है। दूसरी ओर श्रीराम जन्मभूमि मंदिर की ओर जाने वाले सभी प्रमुख मार्गों की दीवारों को कंकड़-पत्थर से बनी कलाकृतियों से सजाने का कार्य भी शुरू है। इस कार्य को पूर्ण करने के लिए एजेंसी निर्धारण की प्रक्रिया भी शुरू है। माना जा रहा है कि प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से पूर्व इसको पूर्ण कर लिया जाएगा।

बता दें कि एडीए का उद्देश्य अयोध्या शहर में पर्यटन को बढ़ावा देने में सक्रिय भूमिका निभाने का है और वर्ष 2047 तक अयोध्या को वैश्विक आध्यात्मिक राजधानी के रूप में विकसित करने पर लक्ष्य केंद्रित किया जा रहा है। अयोध्या में अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा तैयार करने की दिशा में भी सार्थक प्रयास हो रहे हैं। यह शहर प्राचीनता व आधुनिकता के जीवंत मिश्रण के प्रतीक बन सकेंगे।

अयोध्या के प्रतिष्ठित धर्म पथ के किनारे टेराकोटा कलाकृतियों व भित्तिचित्रों को उकेरा जा रहा है। प्रभु श्रीराम के जीवनकाल से जुड़े संदर्भों को दर्शाने का काम शुरू है। इनमें श्रीराम दरबार, खर-दूषण वध, कैकई कोप-भवन गमन दृष्य जैसे प्रसंग शामिल हैं। यह परंपरा और आधुनिकता के मिश्रण का प्रतीक है जो तीर्थयात्रियों और आगंतुकों को अयोध्या के कालातीत आकर्षण का अनुभव करने के लिए पर्याप्त है। धर्म पथ सड़क के किनारे टेराकोटा भित्तिचित्रों के निर्माण से यहां आध्यात्मिक शांति की तलाश में बड़ी संख्या में तीर्थ-यात्रियों और यात्रियों को आकर्षित कर रहा है जो सेल्फी प्वॉइंट में भी परिवर्तित हो गया है। ये भित्तिचित्र दृश्य इतिहास के रूप में काम कर रहे हैं, जो उन पवित्र किंवदंतियों, महाकाव्यों और कहानियों का वर्णन करते हैं, जो सदियों से अयोध्या के हृदयस्थल पर अंकित हैं। ये भित्तिचित्र तीर्थ-यात्रियों के सांस्कृतिक मार्गदर्शक के रूप में कार्य करेंगे, जो पवित्र अतीत और कोलाहल भरे वर्तमान के बीच की खाई को पाटेंगे। ये शहर के सौंदर्यीकरण को बढ़ावा देंगे और ओपन एयर गैलरी के तौर पर भी कार्य करेंगे।

टेराकोटा भित्तिचित्र की पहल ऐतिहासिक सिटी सर्किट और हेरिटेज वॉक की एडीए की रणनीति के अनुरूप है। कला, विरासत और बुनियादी ढांचे को एकीकृत करके, यह पहल ऐसे स्थान बनाने के रणनीतिक उद्देश्य को पूरा करती है जो निवासियों और यहां आने वाले तीर्थयात्रियों के बीच समान रूप से गर्व और अपनेपन की भावना पैदा करेगी।

यहाँ बनने वाले 50 से ज्यादा म्यूरल स्कल्प्चर्स व भित्ति चित्र पेंटिंग्स की ऊंचाई 09 फीट और चौड़ाई 20 फीट निर्धारित है। इनकी थीम अलग-अलग रामायण कांड पर आधारित होगी। इन्हें महीन मिट्टी (केवल नदी तल की फाइन क्ले) का उपयोग होगा। संक्षारण से बचने के लिए कलाकृतियों के निर्माण के लिए चयनित मिट्टी यूरिया और नमक से मुक्त होगी।

'हम अपने खेल को निखारने पर ध्यान केंद्रित करेंगे'

महिला राष्ट्रीय शिविर के लिए 34 संभावित खिलाड़ियों की घोषणा

एजेंसी

बेंगलुरू। ओलंपिक क्वालीफायर और हॉकी फाइव्स विश्व कप की तैयारी के लक्ष्य के साथ भारत की 34 खिलाड़ी गुरुवार से यहां सीनियर महिला हॉकी कोचिंग शिविर में हिस्सा लेंगी। स्पेन में पांच देशों के टूर्नामेंट में मेजबान के अलावा बेल्जियम, जर्मनी और आयरलैंड से भिड़ने के बाद भारतीय खिलाड़ियों को ब्रेक मिला था और अब वे शिविर में हिस्सा लेंगी। ओलंपिक क्वालीफायर रांची में 13 से 19 जनवरी तक होने हैं जिसमें भारत को पूल बी में न्यूजीलैंड, इटली और अमेरिका के साथ रखा गया है। पूल ए में जर्मनी, जापान, चिली और चेक गणराज्य को जगह मिली है। भारत ने रांची में महिला एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया था और अब वे इसी मैदान पर लय जारी रखने के इरादे से उतरेंगे। भारत की मुख्य कोच

यानेक शॉपमैन ने कहा, पांच देशों का टूर्नामेंट ओलंपिक क्वालीफायर से पहले तैयारियों को परखने का अच्छा मौका था। हमने उन क्षेत्रों की पहचान की है जहां सुधार की गुंजाइश है और शिविर के दौरान इन पर काम करेंगे। उन्होंने कहा, एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में जीत के बाद टीम रांची में दोबारा खेलने को लेकर उत्सुक है। अब थोड़ा समय बचा है, हम अपने खेल को निखारने पर ध्यान केंद्रित करेंगे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हम पेरिस ओलंपिक 2024 में क्वालीफाई करने के लिए शारीरिक, रणनीतिक और मानसिक रूप से सर्वश्रेष्ठ स्थिति में हों। इसके बाद भारतीय टीम ओमान के मस्कट के लिए रवाना होगी जहां वे 24 से 27 जनवरी तक हॉकी फाइव्स विश्व कप में हिस्सा लेंगे।

शिविर में हिस्सा लेने वाली संभावित खिलाड़ी इस प्रकार हैं: गोलकीपरः सविता, रजनी एटिमार्पु, बिचू देवी खारीबाम, बंसारी सोलंकी डिफेंडरः दीप ग्रेस एक्का, गुरजीत कौर, निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, अक्षता अबासो ढेकाले, ज्योति छेत्री, महिमा चौधरी मिडफील्डरः निशा, सलीमा टेटे, सुशीला चानू पुखरंबम, ज्योति, नवजोत कौर, मोनिका, मारियाना कुजूर, सोनिका, नेहा, बलजीत कौर, रीना खोखर, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, अजमीना कुजूर फॉरवर्डः लालरेम्सियामी, नवनीत कौर, वंदना कटारिया, शर्मिला देवी, दीपिका, संगीता कुमारी, मुमताज खान, सुनेलिता टोप्पो और ब्यूटी डुंगडुंग।

अंजू बॉबी जॉर्ज बोलीं- मैं मौजूदा एथलीटों से ईर्ष्या करती हूं क्योंकि मैंने गलत युग में प्रतिस्पर्धा की

एजेंसी

नई दिल्ली। विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत की पहली पदक विजेता अंजू बॉबी जॉर्ज ने देश में खेलों को बढ़ावा देने और बदलाव के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने 'गलत युग में' प्रतिस्पर्धा की। क्रिसमस के मौके पर प्रधानमंत्री आवास पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए लंबी कूद की महान खिलाड़ी अंजू ने कहा, ''एक खिलाड़ी के रूप में मैंने लगभग 25 वर्षों तक प्रतिस्पर्धा की और मैं बहुत सारे बदलाव देख रही हूं। जब मैंने 20 साल पहले भारत को पहला वैश्विक पदक दिलाया था तो मेरा विभाग भी मुझे पदोन्नति देने के लिए तैयार नहीं था। उन्होंने कहा, ''लेकिन नीरज (चोपड़ा) के पदक जीतने के बाद मैंने बदलाव देखे हैं... जिस तरह से हम जश्न मना रहे हैं... मैं उनसे ईर्ष्या करती हूं क्योंकि मैं गलत युग में थी।'' पेरिस में 2003 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की लंबी कूद स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने वाली अंजू ने महिला सशक्तिकरण के बारे में बात की और यह भी बताया कि कैसे देश अब एथलीटों की उपलब्धियों का भी जश्न मनाता है। उन्होंने कहा, महिला सशक्तिकरण अब सिर्फ एक

शब्द नहीं है। हर भारतीय लड़की सपने देखने के लिए तैयार है और उन्हें पता है कि उनके सपने सच होंगे। प्रधानमंत्री ने क्रिसमस के मौके पर ईसाई समुदाय के साथ बातचीत की और अंजू इस कार्यक्रम में शामिल होने वाले प्रमुख लोगों में शामिल थीं। अंजू ने कहा, ''मुझे लगता है कि निकट भविष्य में हम (खेल जगत में) शीर्ष पर होंगे। अपनी अन्य उपलब्धियों में अंजू ने 2003 के एफ्रो-एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता और 2004 के एथेंस ओलंपिक खेलों में 6.83 मीटर का अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया जिससे वह पांचवें स्थान पर रहीं थी। उन्हें 2002 में अर्जुन पुरस्कार, 2003 में खेल रत्न और 2004 में चौथे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्मश्री से सम्मानित किया गया।

संक्षिप्त समाचार

इनक्रेड छह करोड़ डॉलर वित्तपोषण के साथ यूनिकॉर्न कंपनी बनी

नयी दिल्ली। वित्त-प्रौद्योगिकी कंपनी इनक्रेड वित्तपोषण के नए दौर में छह करोड़ डॉलर का वित्त जुटाने के साथ ही यूनिकॉर्न कंपनियों के विशेष समूह में शामिल हो गई है। एक अरब डॉलर से अधिक मूल्यांकन वाली नई कंपनियों को यूनिकॉर्न की श्रेणी में रखा जाता है। इनक्रेड ने एक बयान में कहा कि वित्तपोषण के सीरीज-डी दौर में उसने नए एवं मौजूदा निवेशकों से छह करोड़ डॉलर जुटाने में सफलता हासिल की है। इस तरह कंपनी का कुल मूल्यांकन 1.04 अरब डॉलर हो गया है। इसके साथ ही इनक्रेड यूनिकॉर्न का दर्जा पाने वाली इस साल की दूसरी कंपनी बन गई है। इनक्रेड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी भूपिंदर सिंह ने कहा, 'यह वित्तपोषण हमारे सफर में एक खास मुकाम रखता है और हमें यूनिकॉर्न के दर्जे तक ले जाता है। हम अपने निवेशकों से मिले समर्थन के लिए आभारी हैं। वित्तपोषण के इस दौर की अगुवाई एमईएमजी के रंजन पई ने 90 लाख डॉलर के साथ की। आरपी ग्रुप के चेयरमैन रवि पिल्लई ने 54 लाख डॉलर और डॉयचे बैंक में प्रमुख (निश्चित आय एवं मुद्रा) ने भी 12 लाख डॉलर का निवेश किया है।

आरबीएल बैंक में रिजर्व बैंक के प्रतिनिधि योगेश दयाल का कार्यकाल समाप्त

मुंबई। निजी क्षेत्र के आरबीएल बैंक के निदेशक मंडल में अब भारतीय रिजर्व बैंक का कोई प्रतिनिधि नहीं है। केंद्रीय बैंक की तरफ से अतिरिक्त निदेशक के तौर पर नियुक्त योगेश दयाल का दो साल का कार्यकाल समाप्त हो गया है। आरबीएल बैंक ने रविवार को शेयर बाजारों को दी गई सूचना में कहा कि अतिरिक्त निदेशक दयाल का कार्यकाल 23 दिसंबर को समाप्त हो गया है। केंद्रीय बैंक ने आरबीएल बैंक के संचालन के तौर-तरीके और इसकी गतिविधियों को लेकर चिंताएं पैदा होने के बाद अपने मुख्य महाप्रबंधक दयाल को बतौर अतिरिक्त निदेशक नियुक्त किया था। रिपोर्ट के अनुसार केंद्रीय बैंक की चिंताओं में आरबीआई के मौजूदा शीर्ष प्रबंधन का दृष्टिकोण और जोखिमपूर्ण माने जाने वाले कर्ज थे।

सॉफ्टबैंक ने फर्स्टक्राई में 31 करोड़ डॉलर मूल्य के शेयर बेचे

नयी दिल्ली। विभिन्न कारोबारों से जुड़े जापानी समूह सॉफ्टबैंक ने खुदरा दुकानें चलानी वाली फर्स्टक्राई में 31 करोड़ डॉलर मूल्य के शेयर बेचे हैं। यह शेयर ऐसे समय बेचे गये हैं, जब कंपनी इस सप्ताह आरंभिक सार्वजिक निर्गम के लिए बाजार नियामक सेबी के पास विवरण पुस्तिका जमा करने वाली है। एक सूत्र ने कहा, ''सॉफ्टबैंक ने हाल में फर्स्टक्राई में 630 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे हैं। इस शेयर को कुछ उच्च नेटवर्थ वाले लोगों ने लिया। इस बिक्री के साथ सॉफ्टबैंक समूह दो चरणों में फर्स्टक्राई के 31 करोड़ डॉलर मूल्य के शेयर बेच चुका है। सूत्र ने कहा कि फर्स्टक्राई का मूल्य 3.5 से 3.75 अरब डॉलर आंका गया है। सॉफ्टबैंक ने फर्स्टक्राई में 90 करोड़ डॉलर के उद्यम मूल्य पर 40 करोड़ डॉलर का निवेश किया था। एक अन्य सूत्र ने कहा कि सॉफ्टबैंक के पास अभी भी 80-90 करोड़ डॉलर के मूल्य के शेयर बचे हैं जिन्हें वह बाद में बेचेगा। सूत्र ने कहा, ''सॉफ्टबैंक फर्स्टक्राई में किये गये निवेश से लगभग 1.3 अरब डॉलर कमाने की उम्मीद कर रहा है। इस बारे में सॉफ्टबैंक से ई-मेल भेजकर पूछे गये सवाल का फिलहाल कोई जवाब नहीं मिला है।

सिर्फ पांच जिंसों पर निर्भरता से कृषि निर्यात वैश्विक कीमतों को लेकर संवेदनशीलः रिपोर्ट

नयी दिल्ली। देश के कृषि निर्यात में चावल और चीनी समेत पांच जिंसों की ही प्रमुखता होने से यह क्षेत्र वैश्विक कीमतों एवं मांग में किसी भी उतार-चढ़ाव को लेकर संवेदनशील है। आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई ने एक रिपोर्ट में यह कहा है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा कि बासमती चावल, गैर-बासमती चावल, चीनी, मसाले और तेल खली की भारत के कुल कृषि निर्यात में सम्मिलित रूप से 51.5 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इसके अलावा घरेलू स्तर पर भारत को ढांचागत खामियों, गुणवत्ता नियंत्रण से जुड़े मुद्दों और गैर-शुल्क बाधाओं का भी सामना करना पड़ता है। ये सभी भारतीय कृषि क्षेत्र की वृद्धि और प्रतिस्पर्द्धात्मकता को नकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं। रिपोर्ट कहती है, 'इस स्थिति में कृषि निर्यात वैश्विक जिंस कीमतों और मांग में होने वाली किसी भी उठापटक से प्रभावित हो सकता है। इसके अलावा समय-समय पर इन प्रमुख कृषि जिंसों के निर्यात पर अलग-अलग कारणों से बंदिशें भी लगती रहती हैं। इससे उनकी वैश्विक पहुंच और मांग पर असर पड़ता है। भारत ने फिलहाल घरेलू उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए गैर-बासमती चावल के निर्यात पर रोक लगाई हुई है। इसके अलावा चावल और गेहूं को सार्वजनिक भंडारण कार्यक्रम के तहत दी जाने वाली सब्सिडी का मुद्दा भी विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के पास विचाराधीन है। जीटीआरआई के सह-संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि हालात सुधारने के लिए जरूरी है कि सिर्फ पांच जिंसों पर अतिशय निर्भरता को कम किया जाए और सरकार आधुनिक ढांचागत आधार तैयार करने पर ध्यान दे। रिपोर्ट में इस साल कृषि निर्यात को लेकर चुनौतीपूर्ण हालात रहने की भी बात कही गई है। इसके मुताबिक, वर्ष 2023 में निर्यात पिछले साल की तुलना में 7.2 प्रतिशत गिरकर 43.3 अरब डॉलर रह सकता है। इसके पीछे चावल और चीनी जैसे उत्पादों के निर्यात पर लगाई गई पाबंदियों की अहम भूमिका रहने वाली है। इसके अलावा इस साल प्रसंस्कृत कृषि उत्पादों का निर्यात भी वर्ष 2022 के 16.3 अरब डॉलर से घटकर 1.7 अरब डॉलर रहने का अनुमान इस रिपोर्ट में लगाया गया है।

अबतक तीन करोड़ हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में गेहूं बुवाई, जलवायु अनुकूल किस्मों को तरजीह

नयी दिल्ली। पिछले साल गेहूं पकने के समय लू के कारण नुकसान का सामना करने के बाद, इस बार ज्यादातर किसान जलवायु अनुकूल गेहूं किस्मों की खेती कर रहे हैं। यह नई किस्म बुवाई के कुल रकबे के 60 प्रतिशत से अधिक हिस्से में बोई गई हैं। कृषि आयुक्त पी के सिंह के अनुसार जलवायु अनुकूल गेहूं की बुवाई का रकबा अब तक तीन करोड़ 8.6 लाख हेक्टेयर है। गेहूं रबी (सर्दियों) की मुख्य फसल है, जिसकी बुवाई आम तौर पर नवंबर में शुरू होती है और कटाई मार्च-अप्रैल में की जाती है। कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, चालू रबी सत्र में 22 दिसंबर तक गेहूं की बुवाई रकबा तीन करोड़ 8.6 लाख हेक्टेयर था। यह एक साल पहले की अवधि के तीन करोड़ 14.4 लाख हेक्टेयर हेक्टेयर के रकबे से थोड़ा कम है। सिंह ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''ऐसा इसलिए है क्योंकि उन कुछ हिस्सों में गेहूं की बुवाई में देरी हुई है, जहां धान की कटाई में विलम्ब हुआ है। इसको छोड़ दे तो, गेहूं की बुवाई अच्छी चल रही है। उन्होंने कहा कि पिछले साल किसानों को गेहूं पकने के समय औसत तापमान बढ़ने से समस्या का सामना करना पड़ा था।

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने मुजीब-नवीन और फारूकी पर लगाया बैन, आईपीएल 2024 में खेलना संदिग्ध

एजेंसी

काबुल। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) के मुजीब उर रहमान, नवीन उल हक और फजलहक फारूकी को अगले दो साल के लिए एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) देने की संभावना नहीं है जिससे इंडियन प्रीमियर लीग के 2024 सत्र में उनका खेलना संदिग्ध है। एसीबी द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार बोर्ड ने इन सभी खिलाड़ियों के लिए 2024 के वार्षिक अनुबंध में विलंब करने का फैसला किया है और उन्होंने मामले की पूरी तरह से जांच करने के लिए एक समिति का गठन किया है क्योंकि इन खिलाड़ियों ने एक जनवरी से अपने केंद्रीय अनुबंध से मुक्त होने की इच्छा व्यक्त की थी। एसीबी ने अपनी वेबसाइट पर कहा, इन खिलाड़ियों का केंद्रीय अनुबंध पर हस्ताक्षर नहीं करने का आग्रह वाणिज्यिक

लीगों में उनकी भागीदारी, अफगानिस्तान के लिए खेलने पर अपने व्यक्तिगत हितों को प्राथमिकता देना है जिसे एक राष्ट्रीय जिम्मेदारी माना जाता है। एसीबी ने कहा, अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इन खिलाड़ियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कदम उठाने का फैसला किया है। अफगानिस्तान भारत के खिलाफ तीन मैचों की टी20 श्रृंखला खेलने की तैयारी कर रहा है जिसका पहला मैच 11 जनवरी को मोहाली में, दूसरा 14 जनवरी को इंदौर में और तीसरा 17 जनवरी को बेंगलुरू में खेला जाएगा। एसीबी ने कहा, इसके जवाब में एसीबी ने मामले की पूरी तरह से जांच करने, एसीबी के हितों के अनुसार उचित सिफारिश करने और उन्हें एसीबी के शीर्ष प्रबंधन के साथ साझा करने के लिए एक समर्पित समिति बनाई है। बोर्ड ने कहा कि मुजीब, नवीन और फारूकी ने भी 'राष्ट्रीय टीम की श्रृंखलाओं में भाग लेने के लिए उनकी सहमति पर विचार करने का अनुरोध किया है। इसी महीने आईपीएल 2024 के लिए हुई नीलामी के दौरान मुजीब को कोलकाता नाइट राइडर्स ने दो करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा था जबकि नवीन को लखनऊ सुपर जाइंट्स और फारूकी को सनराइजर्स हैदराबाद ने रिटेन किया है। एसीबी ने कहा कि इन तीनों खिलाड़ियों को दी गई एनओसी तुरंत रद्द कर दी जाएगी। इन तीनों खिलाड़ियों ने अक्टूबर-नवंबर में 50 ओवर के विश्व कप में अफगानिस्तान का प्रतिनिधित्व किया था।

राष्ट्रीय खिताब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगाः चिराग सेन

नयी दिल्ली। अपने प्रतिभाशाली छोटे भाई लक्ष्य सेन के साए में जीने के बाद चिराग सेन आखिर में सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में पुरुष एकल का खिताब जीतने में सफल रहे और उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल करने के लिए प्रेरित करेगी। लक्ष्य सेन कभी राष्ट्रीय चैंपियनशिप नहीं जीत पाए लेकिन उनके बड़े भाई चिराग ने रविवार को फाइनल में चौथी वरीयता प्राप्त एम थारुन को 21-14 13-21 21-9 से हराकर गुवाहाटी में राष्ट्रीय खिताब जीता। कीनिया अंतरराष्ट्रीय चैलेंज 2020 का खिताब जीतने वाले चिराग ने पीटीआई से कहा,''यह (राष्ट्रीय चैंपियनशिप का) खिताब थोड़ी देर से मिला लेकिन आखिर में इस जीत से मैं बहुत खुश हूं। पिछले तीन-चार महीनों से मैं अच्छा प्रदर्शन कर रहा हूं लेकिन अब यह ट्रॉफी जीतने में सफल रहा।

आम चुनाव से पहले विनिवेश हुआ धीमा, वित्त वर्ष 2023-24 का लक्ष्य फिर चूकने की आशंका

एजेंसी

नई दिल्ली। आम चुनाव नजदीक आने के साथ ही सरकार ने अपनी निजीकरण की कार्रवाई लगभग रोक दी है और अब शेयर बाजारों में अल्पांश हिस्सेदारी बेचने का विकल्प चुना है। कुछ चुनिंदा घरानों को हिस्सेदारी बेचने के विपक्षी दलों के आरोपों के बीच सरकार ने यह कदम उठाया है। हालांकि, इसके परिणामस्वरूप चालू वित्त वर्ष 2023-24 के विनिवेश लक्ष्य से फिर चूकने की आशंका है। भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल), शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एससीआई) और कॉनकॉर जैसी बड़ी निजीकरण योजनाएं पहले से ही ठंडे बस्ते में हैं। विश्लेषकों का मानना है कि सार्थक निजीकरण अप्रैल/मई के आम चुनाव के बाद ही हो सकता है। चालू वित्त वर्ष 2023-24 में 51,000 करोड़ रुपये की बजट राशि में से करीब 20 प्रतिशत यानी 10,049 करोड़ रुपये आईपीओ (आरंभिक सार्वजनिक निर्गम) और ओएफएस (बिक्री पेशकश) के माध्यम से अल्पांश हिस्सेदारी की बिक्री के जरिए एकत्र किए गए। एससीआई, एनएमडीसी स्टील लिमिटेड, बीईएमएल, एचएलएल लाइफकेयर और आईडीबीआई बैंक सहित कई केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों (सीपीएसई) की रणनीतिक बिक्री चालू वित्त वर्ष में पूरी होने वाली है। हालांकि, अधिकांश सीपीएसई के संबंध में मुख्य एवं गैर-प्रमुख परिसंपत्तियों की विभाजन की प्रक्रिया अभी तक पूरी नहीं हुई है और वित्तीय बोलियां आमंत्रित करने में देरी हुई है। कुल मिलाकर करीब 11 लेनदेन हैं जो वर्तमान में डीआईपीएएम (निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग) में लंबित हैं। वहीं राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल), कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (कॉनकॉर) और एआई एसेट होल्डिंग लिमिटेड (एआईएएचएल) की अनुषंगी कंपनियां जो अब निजीकृत एयर इंडिया की पूर्व अनुषंगी कंपनियों का स्वामित्व रखती हैं... इन्हें आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) की ''सैद्धांतिक'' मंजूरी पहले ही मिल चुकी है, लेकिन डीआईपीएएम द्वारा ईओआई (एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट) आमंत्रित नहीं किए गए हैं। एक बाजार विशेषज्ञ ने कहा, '' रणनीतिक विनिवेश निर्णय राजनीतिक आवश्यकताओं से संचालित हो रहे हैं। चुनाव नजदीक होने के कारण हमें रणनीतिक बिक्री के मामले में कोई हलचल की उम्मीद नहीं है।'' भारत में अगले साल अप्रैल-मई में आम चुनाव होने हैं। रेटिंग एजेंसी फिच ने इस महीने की शुरुआत में अनुमान लगाया था कि मौजूदा नरेन्द्र मोदी प्रशासन के 2024 में चुनाव के बाद सत्ता में दोबारा लौटने की ''सबसे अधिक संभावना'' है।

भारत में गिरफ्तार वीवो कर्मचारियों को चीनी वाणिज्य दूतावास देगा हरसंभव मदद

एजेंसी

बीजिंग। चीन ने सोमवार को कहा कि वह चीन की स्मार्टफोन विनिर्माता वीवो के भारत में गिरफ्तार कर्मचारियों को वाणिज्य दूतावास के जरिये संरक्षण और सहायता प्रदान करेगा। उसने चीनी कंपनियों के वैध अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए हर संभव मदद की प्रतिबद्धता जतायी। उल्लेखनीय है कि प्रवर्तन निदेशालय ने पिछले हफ्ते चीनी स्मार्टफोन विनिर्माता और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में वीवो-इंडिया के तीन अधिकारियों को गिरफ्तार किया था। वीवो कर्मचारियों की गिरफ्तारी पर पूछे जाने पर चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने सोमवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि चीन इस मुद्दे पर करीब से नजर रखे हुए है। उन्होंने कहा कि भारत में चीनी दूतावास और वाणिज्य दूतावास कानून के अनुसार संबंधित व्यक्तियों को सुरक्षा और सहायता प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा, ल्चीन सरकार चीनी कंपनियों के उनके वैध अधिकारों और हितों की रक्षा का दृढ़ता से समर्थन करती है। हमें उम्मीद है कि भारत द्विपक्षीय रूप से फायदेमंद दोनों देशों के बीच व्यापार सहयोग को समझेगा और निष्पक्ष, न्यायसंगत, पारदर्शी तथा गैर-भेदभावपूर्ण व्यापार परिवेश प्रदान करेगा। उल्लेखनीय है कि वीवो-इंडिया के अंतरिम मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) होंग जुक्वान उर्फ ??टेरी, मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) हरिंदर दहिया और सलाहकार हेमंत मुंजाल को मनी लांड्रिंग निरोधक कानून (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत हिरासत में लिया गया है। जांच एजेंसी ने पहले इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया था। इनमें मोबाइल कंपनी लावा इंटरनेशनल के प्रबंध निदेशक हरिओम राय, चीनी नागरिक गुआंगवेन उर्फ एंड्रयू कुआंग और चार्टर्ड अकाउंटेंट नितिन गर्ग तथा राजन मलिक शामिल थे। वे फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।

कच्चा तेल 79 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के मूल्य में उतार-चढ़ाव जारी है। साल के आखिरी हफ्ते में ब्रेंट क्रूड 79 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई

क्रूड 74 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने मंगलवार को पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई फ़ेरबदल नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये, डीजल 89.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये, डीजल 94.27 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये, डीजल 92.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के दूसरे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.09 डॉलर यानी 0.11 फीसदी लुढ़कर 78.98 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.06 डॉलर यानी 0.08 फीसदी की गिरावट के साथ 73.62 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

सर्राफा बाजार में तेजी का रुख, चेन्नई में सोना 64 हजार के पार

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के सर्राफा बाजारों में आज सोने और चांदी के भाव में तेजी नजर आ रही है। जेवराती सोना (22 कैरेट) के भाव में आज 200 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दिख रही है, वहीं कारोबारी सोना (24 कैरेट) भी 350 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की मजबूती के साथ कारोबार कर रहा है। आज की तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 64 हजार रुपये के करीब पहुंच कर कारोबार कर रहा है। चेन्नई के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 64 हजार के स्तर के पार जाकर बिक रहा है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी आज प्रति किलोग्राम 500 रुपये तक की तेजी दर्ज की गई है। इस तेजी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में आज चांदी 79,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर तक पहुंच कर कारोबार कर रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 63,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार

कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 58,550 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 63,710 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 58,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 64,310 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 58,950 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 63,760 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 58,450 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 63,710 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 58,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 63,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 58,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 63,760 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 58,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 63,860 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 58,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में तेजी दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरू, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 63,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं, इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना आज 58,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

वीर बाल दिवस भारतीयता की रक्षा के लिए कुछ भी करने के संकल्प का प्रतीक है: मोदी

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारतीयों ने अत्याचारियों का सम्मान के साथ सामना किया है और जब हम अपनी विरासत पर गर्व महसूस करते हैं, तो दुनिया का नजरिया भी बदल जाता है।

श्री मोदी ने आज यहां वीर बाल दिवस के अवसर पर आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्र वीर साहिबजादे के अमर बलिदानों को याद कर रहा है और उनसे प्रेरणा ले रहा है क्योंकि आजादी के अमृत काल में भारत के लिए वीर बाल दिवस का एक नया अध्याय शुरू हो रहा है। प्रधानमंत्री ने पिछले साल इसी दिन मनाए गए पहले वीर बाल दिवस के उत्सव को याद किया।

उन्होंने कहा, वीर बाल दिवस भारतीयता की रक्षा के लिए कभी न हार मानने वाले रवैये का प्रतीक है।यह दिन हमें याद दिलाता है कि जब बहादुरी की ऊंचाइयों की बात आती है तो उम्र कोई मायने नहीं रखती है।ङ्क प्रधानमंत्री ने इसे सिख गुरुओं की विरासत का उत्सव बताते हुए कहा कि गुरु

गोबिंद सिंह जी और उनके चार वीर साहिबजादों का साहस और आदर्श आज भी हर भारतीय का हौसला बढ़ाते हैं। प्रधानमंत्री ने बाबा मोती राम मेहरा के परिवार के बलिदान और दीवान टोडरमल की भक्ति को याद करते हुए कहा कि वीर बाल दिवस उन माताओं के लिए एक राष्ट्रीय श्रद्धांजलि है जिन्होंने अद्वितीय साहस वाले बहादुरों को जन्म दिया। उन्होंने कहा कि गुरुओं के प्रति यह राष्ट्र के सच्ची भक्ति ज्वाला को प्रज्वलित करती है। श्री मोदी ने बच्चों के गायन और तीन मार्शल आर्ट का प्रदर्शन देखा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने दिल्ली में युवाओं के मार्च-पास्ट को भी हरी झंडी दिखाई। श्री मोदी ने कहा कि वीर बाल दिवस अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मनाया जा रहा है क्योंकि अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, संयुक्त अरब अमीरात और यूनान में वीर बाल दिवस से संबंधित कार्यक्रम देखे गए है। प्रधानमंत्री ने चमकौर और सरहिंद की लड़ाई के अतुलनीय इतिहास को याद करते हुए कहा कि इस इतिहास को भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि भारतीयों ने क्रूरता और निरंकुशता का सम्मान के साथ सामना किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, दुनिया ने भी हमारी विरासत पर तभी ध्यान दिया जब हमने अपनी विरासत को उसका उचित सम्मान देना शुरू किया।आज जब हम अपनी विरासत पर गर्व कर रहे हैं तो दुनिया का नजरिया भी बदल गया है। श्री मोदी ने कहा कि भारत अब गुलामी की मानसिकता को त्याग रहा है और उसे देश की क्षमताओं, प्रेरणाओं और लोगों पर पूरा भरोसा है। श्री मोदी ने कहा कि भारत अर्थव्यवस्था, विज्ञान, अनुसंधान, खेल और कूटनीति की वैश्विक समस्याओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत एक ऐसे समय से गुजर रहा है जो युगों में आता है। कई कारक एक साथ आए हैं जो भारत के लिए स्वर्णिम काल निर्धारित करेंगे। उन्होंने भारत की युवा शक्ति पर जोर दिया और कहा कि आज देश में युवाओं की आबादी आजादी की लड़ाई के दौरान की तुलना में कहीं ज्यादा है और युवाओं की वर्तमान पीढ़ी देश को अकल्पनीय ऊंचाइयों तक ले जा सकती है। श्री मोदी ने नचिकेता, अभिमन्यु, ध्रुव, मौर्य सम्राट चंद्रगुप्त, एकलव्य , खुदीराम बोस, बटुकेश्वर दत्त, कनकलता बरुआ, रानी गाइदिन्ल्यू, बाजी राउत और कई अन्य राष्ट्रीय नायकों का उल्लेख किया जिन्होंने देश के लिए अपने प्राण का बलिदान दिया। प्रधानमंत्री ने कहा, ह्ल आने वाले 25 वर्ष हमारे युवाओं के लिए बड़े अवसर ला रहे हैं। भारत के युवा, चाहे वे किसी भी क्षेत्र या समाज में पैदा हुए हों, उनके असीमित सपने हैं। इन सपनों को पूरा करने के लिए सरकार के पास स्पष्ट रोडमैप और स्पष्ट दृष्टिकोण है।' उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 10 हजार अटल टिंकरिंग लैब्स और जीवंत स्टार्टअप संस्कृति को सक्षम बनाने का उल्लेख किया । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा,ह्ल दुनिया ने भी हमारी विरासत पर तभी ध्यान दिया जब हमने अपनी विरासत को उसका उचित सम्मान देना शुरू किया।आज जब हम अपनी विरासत पर गर्व कर रहे हैं तो दुनिया का नजरिया भी बदल गया है। श्री मोदी ने कहा कि भारत अब गुलामी की मानसिकता को त्याग रहा है और उसे देश की क्षमताओं, प्रेरणाओं और लोगों पर पूरा भरोसा है। श्री मोदी ने कहा कि भारत अर्थव्यवस्था, विज्ञान, अनुसंधान, खेल और कूटनीति की वैश्विक समस्याओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत एक ऐसे समय से गुजर रहा है जो युगों में आता है। कई कारक एक साथ आए हैं जो भारत के लिए स्वर्णिम काल निर्धारित करेंगे। उन्होंने भारत की युवा शक्ति पर जोर दिया और कहा कि आज देश में युवाओं की आबादी आजादी की लड़ाई के दौरान की तुलना में कहीं ज्यादा है और युवाओं की वर्तमान पीढ़ी देश को अकल्पनीय ऊंचाइयों तक ले जा सकती है। श्री मोदी ने नचिकेता, अभिमन्यु, ध्रुव, मौर्य सम्राट चंद्रगुप्त, एकलव्य , खुदीराम बोस, बटुकेश्वर दत्त, कनकलता बरुआ, रानी गाइदिन्ल्यू, बाजी राउत और कई अन्य राष्ट्रीय नायकों का उल्लेख किया जिन्होंने देश के लिए अपने प्राण का बलिदान दिया। प्रधानमंत्री ने कहा, आने वाले 25 वर्ष हमारे युवाओं के लिए बड़े अवसर ला रहे हैं। भारत के युवा, चाहे वे किसी भी क्षेत्र या समाज में पैदा हुए हों, उनके असीमित सपने हैं। इन सपनों को पूरा करने के लिए सरकार के पास स्पष्ट रोडमैप और स्पष्ट दृष्टिकोण है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों से बात करेंगे मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को वीडियो कांफ्रेन्स के माध्यम से विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों से बातचीत करेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री उपस्थित लोगों को संबोधित भी करेंगे। इस कार्यक्रम में देश भर से विकसित भारत संकल्प यात्रा के हजारों लाभार्थी शामिल होंगे। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री, सांसद, विधायक और स्थानीय स्तर के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। प्रधानमंत्री ने गत 15 नवम्बर को विकसित भारत संकल्प यात्रा की शुरुआत के बाद से पूरे देश में यात्रा के लाभार्थियों के साथ नियमित रूप से बातचीत की है। इसके अलावा उन्होंने अपनी हाल की वाराणसी यात्रा के दौरान लगातार दो दिन विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों से बातचीत की थी। विकसित भारत संकल्प यात्रा पूरे देश में सरकार की प्रमुख योजनाओं को अंतिम छोर तक पहुंचाने के प्रयासों को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाई जा रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से सभी लक्षित लाभार्थियों तक पहुंचे।

लेखा, राजस्व और सांख्यिकी सेवा के अधिकारियों ने मुर्मु से मुलाकात की

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा सेवा, भारतीय राजस्व सेवा (सीमा शुल्क और अप्रत्यक्ष कर) और भारतीय सांख्यिकी सेवा के परिवीक्षाधीनों ने मंगलवार को यहां राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की।

राष्ट्रपति ने परिवीक्षार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जन सेवा उन्हें शासन प्रणाली में महत्वपूर्ण पदों पर रहते हुए देश की सेवा करने का अवसर देती है। वे अपने-अपने कार्य क्षेत्रों में नवोन्मेषी, स्मार्ट और नागरिक-केंद्रित कामकाज के माध्यम से देश की विकास यात्रा में बहुत बड़ा योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों के कार्यों और निर्णयों का सभी नागरिकों के जीवन पर प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि कार्य में सत्यनिष्ठा, कड़ी मेहनत और ईमानदारी लोगों के विकास की

गति निर्धारित करने में बहुत बड़ी भूमिका निभाएगी।

भारतीय लेखापरीक्षा एवं लेखा सेवा के अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि उनसे सार्वजनिक विश्वास के संरक्षक और वित्तीय विवेक के संरक्षक के रूप में कार्य करने की अपेक्षा की जाती है। उन्हें निर्णय लेते समय और कार्रवाई करते समय हमेशा सत्य, पारदर्शिता और निष्पक्षता के मूल्यों का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसी संस्था का हिस्सा होने पर गर्व होना चाहिए जिसने वर्षों से शासन प्रणाली में अपनी स्थिति मजबूत की है। इस समृद्ध विरासत को आगे बढ़ाना उन जैसे युवा अधिकारियों का कर्तव्य है। भारतीय राजस्व सेवा (सीमा शुल्क और अप्रत्यक्ष कर) के अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें प्रशासन और कई प्रकार के करों के संग्रह का दायित्व सौंपा जाएगा। विविध कार्यों को कुशलता से निष्पादित करने के लिए उन्हें सभी क्षेत्रों में नवीनतम प्रगति के बारे में अद्यतन रहने की आवश्यकता है और साथ ही अन्य सेवाओं तथा विभागों के अधिकारियों के साथ मिलकर काम करने की भी जरूरत है।

राष्ट्रपति ने भारतीय सांख्यिकी सेवा के अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि डेटा या सांख्यिकी नीतियों के निर्माण से लेकर कार्यक्रमों और योजनाओं के परिणामों का विश्लेषण करने तक की सभी गतिविधियों के लिए एक बहुत महत्वपूर्ण आधार बनता है। अंतर्राष्ट्रीय मानकों की नवीनतम तकनीकों का उपयोग करके सटीक और उच्च गुणवत्ता वाले डेटा सेट तैयार करने की आवश्यकता है। अनेक चैनलों के माध्यम से सूचना की बढ़ती उपलब्धता के साथ, प्रामाणिक और सटीक आंकड़ों का महत्व कई गुना बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को आधिकारिक आंकड़ों को संकलित करने और सर्वेक्षण कार्यों के प्रबंधन के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिग डेटा, डेटा साइंस और अन्य क्षेत्रों के नवीनतम तरीकों का उपयोग करने की आवश्यकता है।

रेलवे स्टेशनों पर 'सेल्फी बूथ' सरकारी पैसे की बर्बादी: खरगे

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सूचना के अधिकार के तहत रेलवे विभाग की ओर से मिले जवाब का हवाला देते हुए मंगलवार को आरोप लगाया कि रेलवे स्टेशनों पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तस्वीरों वाले 'सेल्फी बूथ' स्थापित करना करदाताओं के पैसे की ''बर्बादी'' है जबकि विपक्षी दल शासित राज्य मनरेगा निधि का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने सूचना का अधिकार (आरटीआई) कानून के तहत प्राप्त उत्तर की एक प्रति साझा की, जिसमें मध्य रेलवे के तहत उन स्टेशनों को सूचीबद्ध किया गया है जहां अस्थायी और स्थायी सेल्फी बूथ स्थापित किए गए हैं। इस आरटीआई उत्तर के अनुसार, श्रेणी ए के स्टेशनों के लिए अस्थायी 'सेल्फी बूथ' की स्वीकृत लागत 1.25 लाख रुपये है, जबकि श्रेणी सी स्टेशनों के लिए स्थायी 'सेल्फी बूथ' की स्थापना लागत 6.25 लाख रुपये है। खरगे ने आरोप लगाया, ''मोदी सरकार द्वारा आत्ममुग्ध प्रचार की कोई सीमा नहीं ! रेलवे स्टेशनों पर मोदी जी के 3डी सेल्फी पॉइंट स्थापित करना करदाताओं के पैसे की पूरी तरह से बर्बादी है। उन्होंने कहा कि सशस्त्र बलों को मोदी जी के कट-आउट के साथ 822 ऐसे सेल्फी-प्वाइंट स्थापित करने का आदेश देकर बहादुर सैनिकों के बलिदान का राजनीतिक उपयोग किया गया। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया, ''मोदी सरकार ने राज्यों को सूखा और बाढ़ राहत के लिए राशि नहीं दी है। विपक्ष शासित राज्यों की मनरेगा निधि भी लंबित है। लेकिन इसमें इन सस्ते चुनावी स्टंटों पर उदारतापूर्वक सार्वजनिक धन खर्च करने का दुस्साहस है!''

'इंडिया' गठबंधन का सपना 2024 में धरा ही रह जाएगा : भाजपा

एजेंसी

भागलपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री सैयद शाहनवाज हुसैन ने आगामी लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पार्टी की बड़ी जीत दावा करते हुए आज कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव के बाद 'इंडिया' गठबंधन के नेताओं का सपना धरा ही रह जाएगा।

श्री हुसैन ने मंगलवार को यहां संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में हर क्षेत्र में हो रही जनकल्याणकारी योजनाओं की सफलता से खुश जनता ने उन्हें फिर से प्रधानमंत्री बनाने का फैसला कर लिया है। 'इंडिया' गठबंधन के लोगों का सपना धरा ही रह जाएगा। उन्होंने कहा, साल 2024 में आयेंगे तो नरेंद्र मोदी ही और छायेंगे मोदी ही। जनता ने मन बना लिया है। इंडिया गठबंधन की दाल गलने वाली नहीं है। भाजपा ने कहा कि -इंडिया'

गठबंधन का हर जगह मीटिंग के बहाने किटी पार्टी हो रही है। गठबंधन के लोग पार्टी में अलग अलग व्यंजनों का स्वाद चख रहे हैं। चाहे पटना का लिट्टी- चोखा हो या दिल्ली का गोल-गप्पा और फिर महाराष्ट्र में बड़ा पाव का पार्टी हो। सभी पार्टी में लोग केवल व्यंजनों का रस्सावादन करने में लगे हुए हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ऐसे किटी पार्टी में शामिल होने वाले लोगों के एक- दूसरे का विचार नहीं मिलते, एक- दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ते और वे एक -दूसरे को अपमानित भी करते हैं। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव इसका उदाहरण है। गठबंधन के लोगों की ऐसी एकजुटता से कुछ होने वाला नहीं है। देशवासियों ने मूड बना लिया है। नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनने से कोई रोक नहीं सकता है। गठबंधन के लोगों का सत्ता पर काबिज होने का सपना धरा ही रह जाएगा। श्री हुसैन ने बिहार और उत्तर प्रदेश के लोगों के लिए डीएमके सांसद के अपमानजनक बयान की घोर निंदा करते हुए कहा कि मामले में इंडिया गठबंधन के लोगों की चुप्पी से स्पष्ट हो गया है कि गठबंधन डीएमके सांसद के बातों का समर्थन कर देश को दक्षिण और उत्तर के नाम पर बांटना चाहती है। एक प्रश्न के उत्तर में श्री हुसैन ने कहा कि जनता दल यूनाईटेड (जदयू) के लिए भाजपा में कोई रास्ता नहीं है। क्योंकि जदयू ने राजद से मिलकर इस प्रदेश को फिर से जंगलराज में धकेलने का काम किया है। इस मौके पर भाजपा विधायक ललन पासवान एवं जिला भाजपा अध्यक्ष संतोष कुमार भी मौजूद थे।

जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में चुनावी रणनीतियों पर होगी चर्चा : विजय

पटना। बिहार के वित्त, वाणिज्य एवं संसदीय कार्य मंत्री और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के वरिष्ठ नेता विजय कुमार चौधरी ने आज कहा कि पार्टी की प्रस्तावित राष्ट्रीय कार्यकारिणी एवं राष्ट्रीय परिषद कि बैठक में वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव और 2025 के राज्य विधानसभा चुनाव में जदयू की रणनीतियों पर चर्चा होगी। श्री चौधरी ने मंगलवार को यहां जदयू मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के बाद संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव एवं वर्ष 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में पार्टी की क्या रणनीति होगी इसको लेकर दिल्ली में राष्ट्रीय कार्यकारिणी एवं राष्ट्रीय परिषद की बैठक बुलाई गई है। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही अन्य कई संगठनात्मक मुद्दों पर भी पार्टी के पदाधिकारियों के साथ चर्चा होगी। जदयू नेता ने कहा कि राज्य के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी को अब भाजपा में कोई पूछ नहीं रहा है इसलिए वह सुर्खियों का हिस्सा बने रहने के लिए जदयू के बारे में अनर्गल बयानबाजी करते रहते हैं।

जितेंद्र सिंह ने जम्मू-कश्मीर के छात्रों को बताया अमृतकाल का निर्माता

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी के दौरे पर आए जम्मू-कश्मीर के सभी जिलों के लगभग 250 स्कूली बच्चों के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की और उन्हें अमृतकाल (2047) का निर्माता बताया।

केन्द्रशासित प्रदेश के छात्र भारत सरकार के 'वतन को जानो-यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम 2023' के तहत जयपुर, अजमेर और नयी दिल्ली का दौरा कर रहे हैं। एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना में, इस यात्रा का उद्देश्य जम्मू-कश्मीर के युवाओं के समक्ष देश की सांस्कृतिक और सामाजिक विविधता को प्रदर्शित करना है। डॉ. सिंह ने छात्रों से कहा कि उनका 2047 का निर्माता बनना तय है और यह भारत के लिए सबसे अच्छे समय में से एक है तथा जम्मू-कश्मीर के लिए एक नई शुरुआत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर के मनोहर क्षेत्र में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है। पथराव की घटनाएं अब अतीत की बात हो गई हैं। उन्होंने कहा कि आज जम्मू-कश्मीर खेल उपलब्धियों के लिए अधिक से अधिक सुर्खियों बटोर रहा है। उन्होंने कहा, ह्लजम्मू-कश्मीर के अब्दुल समद, उमरान मलिक, परवेज़ रसूल और मंज़ूर पांडव जैसे क्रिकेटर आईपीएल में खेलते हैं। वुशु खिलाड़ी सूर्य भानु प्रताप सिंह और अभिषेक जामवाल ने हाल ही में मॉस्को चैंपियनशिप में देश का नाम रोशन किया। वर्ष 2022 में, एक कश्मीरी स्कीयर आरिफ खान ने बीजिंग में शीतकालीन ओलंपिक के उद्घाटन समारोह में भारत का राष्ट्रीय ध्वज लहराया था।ङ्क डॉ सिंह ने कहा कि कश्मीर में अब लड़कियां भी लड़कों के बराबर खेलों में भाग ले रही हैं। इस साल की शुरुआत में किश्तवाड़ के लोइधर गांव की रहने वाली 16 वर्षीय शीतल देवी 'अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने वाली बिना हाथों वाली पहली महिला तीरंदाज' हैं। एशियाई पैरा खेलों में उन्होंने विभिन्न श्रेणियों में एक स्वर्ण सहित तीन पदक जीते। डॉ. सिंह ने कहा कि इस बदलाव के लिए विभिन्न कारक उत?तरदायी हैं जिनमें बेहतर प्रशासनिक समर्थन, उन?नत बुनियादी ढांचा और युवाओं को दी जा रही प्राथमिकता शामिल है। उन्होंने केन्द्रशासित प्रदेश में अरोमा मिशन और पर्पल रिवोल्यूशन की असीम सफलता को संदर्भित करते हुए स्कूली बच्चों को सरकारी नौकरी के बाहर भी अवसर की खोज करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि लैवेंडर कृषि स्टार्टअप, रोजगार सृजन और अनुसंधान का एक माध्यम है, जो विकास के कई प्रतिमान खोलता है। उन्होंने कहा कि भद्रवाह भारत की लैवेंडर राजधानी और कृषि स्टार्टअप गंतव्य के रूप में उभरा है। भद्रवाह तथा गुलमर्ग क्षेत्रों में अरोमा मिशन और पर्पल रिवोल्यूशन की सफलता के बाद, 3,000 से अधिक स्टार्टअप अब सिर्फ लैवेंडर की खेती में लगे हुए हैं।

पेज एक का शेष

आईएनएस इम्फाल रक्षा...

भारत की बढ़ती समुद्री ताकत को दिखाता है और यह हिन्द प्रशांत क्षेत्र में जलमेव यस्य, बलमेव तस्य, यानी 'जिसका जल, उसका बल' के हमारे सिद्धांत को और मजबूती प्रदान करेगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत पूरे हिन्द महासागर क्षेत्र में सुरक्षा प्रदान करने वाले देश की भूमिका में है।उन्होंने कहा, ह्ल हम सुनिश्चित करेंगे कि इस इलाक़े में होने वाला समुद्री व्यापार सागर से उठकर आसमान की बुलंदियों तक पहुँचे। इसके लिए हम मित्र देशों के साथ मिलकर समुद्री क्षेत्र को व्यापार के लिए सुरक्षित बनाये रखेंगे। उन्होंने कहा कि आजकल समंदर में हलचल कुछ ज़्यादा ही बढ़ गई है। भारत की बढ़ती आर्थिक और सामरिक ताक़त ने कुछ ताक़तों को ईर्ष्या और द्वेष से भर दिया है। अरब सागर में हाल में हुए 'एमवी केम प्लूटो' पर ड्रोन हमले और कुछ दिन पहले लाल सागर में 'एमवी साई बाबा' पर हुए हमले को भारत सरकार ने बहुत गंभीरता से लिया है । रक्षा मंत्री ने कहा कि भारतीय नौसेना ने समंदर की निगरानी बढ़ा दी है। जिसने भी इस हमले को अंजाम दिया है, उन्हें हम सागरतल से भी ढूँढ निकालेंगे और उनके ख़िलाफ़ कठोर कारवाई की जायेगी।

22 से बढ़ाकर...

है। इसी क्रम में यूपी पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस के पद पर भर्ती हेतु जारी प्रक्रिया में सभी वर्गों के अभ्यर्थियों के लिए उच्चतम आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट देने का निर्णय लिया गया है। बता दें कि 'मिशन रोजगार' पर लगातार फोकस कर रही योगी सरकार ने 23 दिसंबर को प्रदेश के युवाओं को बड़ी सौगात देते हुए प्रदेश की अब तक की सबसे बड़ी पुलिस भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। प्रदेश के युवाओं को काफी समय से यूपी पुलिस में सिपाही के 60 हजार से ज्यादा रिक्त पदों की भर्ती का इंतजार था। इसमें से अनारक्षित के लिए 24102 पद, ईडब्ल्यूएस के लिए 6024 पद, अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 16264 पद, अनुसूचित जाति के लिए 12650 पद, अनुसूचित जनजाति के लिए 1204 पद आरक्षित हैं। नोटिफिकेशन में महिलाओं के लिए आरक्षण भी निर्धारित कर दिया गया है। नोटिफिकेशन में दिए गए क्षैतिज आरक्षण में दी गयी जानकारी के तहत सम्पूर्ण पदों में से 20 प्रतिशत महिलाओं को आरक्षण दिया गया है। लंबे समय बाद शुरू हुई आरक्षी भर्ती प्रक्रिया के चलते युवाओं की मांग थी कि आयु सीमा में छूट मिलनी चाहिए, ताकि कई साल से तैयारी कर रहे युवा ओवर एज के कारण प्रक्रिया से बाहर ना हो सकें। युवाओं की इस मांग को जायज मानते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रमुख सचिव गृह को आयु सीमा में छूट देने के निर्देश दे दिये हैं।

आरबीआई कार्यालय समेत...

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण शामिल हैं। इसके अलावा भारत के कुछ जानेमाने मंत्री और अधिकारी भी इसका हिस्सा हैं। हमारे पास इसके पर्याप्त सबूत भी हैं।'

इस ईमेल में आगे कहा गया, हम आरबीआई गवर्नर और वित्त मंत्री का तत्काल इस्तीफा मांगते हैं। वे घोटाले की पूरी जानकारी देते हुए अपना पद छोड़ दें। इसके अलावा हम इस घाटाले में शामिल अन्य लोग भी इस्तीफा दे दें। उन्हें दंड मिलना चाहिए। अगर डेढ़ बजे तक हमारी मांग नहीं मानी गई तो सभी बम फट जाएंगे। आरबीआई के हेड गार्ड संजय हरिश्चंद्र पवार की शिकायत पर केस दर्ज किया गया है। जानकारी के मुताबिक धमकी वाला मेल मंगलवार को दोपहर दो बजे आया था।

पुरानी पेंशन...

यूपी रिटायरमेंट बेनिफिट रूल्स 1961 तथा एक्ट नंबर 1 ऑफ 2021 के प्रावधानों पर विचार कर प्रथम दृष्टया एकल जज के आदेश को सही न मानते हुए उसके अमल पर अगले आदेश तक रोक लगा दिया है। कोर्ट ने अपील पर याची से चार सप्ताह में जवाब दाखिल करने को कहा है तथा सरकार की अपील को एडमिट कर लिया है।

मामले के अनुसार याची अवधेश कुमार श्रीवास्तव की नियुक्ति 1 मई 1979 से जुलाई 1997 तक डेली वेजर के रूप में सिंचाई विभाग में हुई थी। बाद में जुलाई 97 से 28 सितंबर 2011 तक याची ने वर्कचार्ज कर्मचारी के रूप में काम किया। 29 सितंबर 2011 को याची की सेवा विनियमित की गई तथा याची 30 जून 2022 को रिटायर हो गया। विभाग ने 2011 से 2022 तक की सेवा को जोड़ते हुए नई पेंशन स्कीम के तहत याची को लाभ देने का निर्णय लिया था तथा उसकी पिछली सेवाओं को जोड़ते हुए पुरानी पेंशन का लाभ देने से मना कर दिया था। अधिशासी अभियंता मिर्ज़ापुर के 31 मई 2022 के इस आदेश को चुनौती दी गई थी। जिसे एकल जज ने गलत मानते हुए रद्द कर दिया था तथा याची को पुरानी पेंशन स्कीम में शामिल करते हुए लाभ देने का निर्देश दिया था। जिस पर विशेष अपील बेंच ने सरकार की अपील पर रोक लगा दी है।

खेल रत्न और...

आसान नहीं है। सर जब मैं आपसे मिली तो यह सब आपको बताया था। हम न्याय के लिए पिछले कई सालों से ड़कों पर घिसड़ रहे हैं। कोई हमारी सुध नहीं ले रहा है। हमारे मेडलों को 15 रुपये का बताया जा रहा है। लेकिन ये मेडल हमें जान से भी प्यारे हैं। जब हमने न्याय के लिए आवाज उठाई तो हमें देशद्रोही बताया गया। मैं आपसे पूछना चाहती हूं कि क्या मैं देशद्रोही हूं। उन्होंने लिखा, बजरंग ने किस हालात में अपना पद्मश्री लौटाने का फैसला लिया होगा। मुझे नहीं पता पर मैं उसकी फोटो देखकर अंदर से घुट रही हूं। उसके बाद अब मुझे पुरस्कारों से घिन आने लगी है। जब पुरस्कार मिले थे तो मेरी मां ने मिठाई बांटी थी। कई बार सोचकर घबरा जाती हूं कि मेरी काकी ताई टीवी में हमारी हालत देखती होंगी तो मां से क्या कहती होंगी। भारत की कोई मां नहीं चाहेगी की उसकी बेटी की यह हालत हो। मैं अपना मेजर ध्यानचंद खेल रत्न और अर्जुन अवॉर्ड आपको वापस करना चाहती हूं ताकि सम्मान से जीने की राह में पुरस्कार हमारे ऊपर बोझ ना बन सकें।

सिख गुरुओं से जुड़े...

की गाथा पहुंचानी होगी। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी, प्रदेश सरकार में मंत्री सूर्य प्रताप शाही, स्वतंत्र देव सिंह, जितिन प्रसाद, पूर्व डिप्टी सीएम और राज्यसभा सांसद डॉ दिनेश शर्मा, सरदार बदलेव सिंह ओलख, सरदार परविंदर सिंह, डॉ महेन्द्र सिंह, डॉ नीरज बोहरा, पंकज सिंह, मुकेश शर्मा, डॉ हरि सिंह ढिल्लो, भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, सरदार गुरविंदर सिंह छाबड़ा, गुरुनाम सिंह, डॉ गुरुमीत सिंह, राजेन्द्र सिंह बग्गा, पूर्व महापौर संयुक्ता भाटिया सहित प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए सिख समाज के लोग मौजूद रहे।

उत्तराखंड में ईंट भट्टे की दीवार ढही छह मजदूरों की मौत,दो घायल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहादून/रुड़की। उत्तराखंड के हरिद्वार जिले की रुड़की तहसील के मंगलौर कोतवाली क्षेत्र के लहबोली गांव में एक ईंट भट्ठे की दीवार गिरने से छह मजदूरों की मौत ही गयी जबकि दो अन्य घायल हैं।

वही ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों के वार्ता के बाद पुलिस प्रशासन सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे में एक घोड़े की भी मौत हुई है जबकि एक घायल भी है। वही जिला अधिकारी ने मामले की गम्भीरता को देखते हुए कहा कि एडीएम मामले की जांच करेंगे यदि ईंट भट्ठा मानकों के अनुरूप या अन्य खामियां पाई जाती है तो उसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं सभी मृतकों को 2-2लाख की सहायता धनराशि दी जाएगी। साथ ही ईंट भट्ठा स्वामी ने भी

सहायता राशि देने की बात कही है। तीन मजदूर उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर के रहने वाले है जबकि तीन अन्य स्थानीय है। दो घायल सहारनपुर, बागपत के रहने वाले है। मृतकों की सूचना सामने के बाद से ईंट भट्ठे पर भारी संख्या में लोगों की भीड़ रही। जिलाधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल को जैसे ही मंगलवार की प्रातः लगभग छह बजे आपदा प्रबन्धन के माध्यम से ग्राम लहबोली, तहसील रूड़की विकास खण्ड नारसन में ईंट भट्ठे में लोहे की प्लेट गिरने से उसके नीचे कई श्रमिकों के दबने की सूचना प्राप्त हुई तो उन्होंने आपदा प्रबन्धन अधिकारी, तहसील रूड़की, अग्निशमन विभाग आदि सम्बन्धित विभागों को त्वरित गति से राहत व बचाव कार्य करने के निर्देश दिये। बाद में श्री गर्ब्याल स्वयं घटना स्थल की ओर रवाना हुये तथा वहां पहुंचकर राहत व बचाव कार्यों का जायजा लेते हुये सम्बन्धित को दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि घायलों का अच्छा से अच्छा उपचार किया जाये। उन्होंने कहा कि इस घटना में जो श्रमिक दिवंगत हुये हैं, उनके आश्रितों को दो-दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जायेगी। श्री गर्ब्याल ने संयुक्त मजिस्ट्रेट रूड़की को ग्राम लहबोली में ईंट भट्ठे की लोहे की प्लेट गिरने से उसके नीचे कई श्रमिकों के दबने की घटना की मजिस्ट्रेटी जांच के निर्देश दिये हैं। उन्होंने घायलों का हालचाल भी जाना। इस मौके पर संयुक्त मजिस्ट्रेट रूड़की, एएसडीएम श्री विजयनाथ शुक्ल, तहसील प्रशासन, पुलिस प्रशासन, राहत बचाव टीम सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित थे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम के तहत लोगों को दी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोपेश्वर। चमोली जिले के पोखरी में सोमवार को नगर पंचायत की ओर से विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें आम जनमानस को केंद्र तथा राज्य सरकार की ओर से संचालित कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि गोपेश्वर की निवर्तमान नगर पालिका अध्यक्ष पुष्पा पासवान ने कहा केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सरकार का उद्देश्य गांव में अंतिम छोर में बैठे विकास कार्यों से वंचित व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ मिल सके। हम सब का प्रयास होना चाहिए कि हमारे समाज में कोई भी परिवार सरकारी योजनाओं के लाभ लेने से वंचित न रहे।

भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश प्रवक्ता मयंक पंत ने कहा उज्ज्वला गैस, गरीब कल्याण अन्न योजना, आयुष्मान कार्ड, वृद्धा पेंशन विधवा पेंशन एवं गौरा कन्या धन योजना विकलांग प्रमाण पत्र, विकलांग पेंशन, किसान क्रेडिट कार्ड, किसान मृदा हेल्थ कार्ड, सौभाग्य योजना आदि सरकार की ओर से चलायी जा रही है जिसका जनता को लाभ लेना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान इण्डिया गैस ने पांच और भारत गैस एजेंसी ने चार लोगों को निशुल्क गैस कनेक्शन वितरित किये। इस अवसर पर निवर्तमान नगर पंचायत अध्यक्ष लक्ष्मी प्रसाद पंत, मोहन सिंह नेगी, अनिल सिंह, फार्मासिस्ट आशीष रावत, समाज कल्याण अधिकारी देवेंद्र पंवार, डा, आशिफ अल्वी, डॉ. गरिमा, अधिशासी अधिकारी रोशन पुंडीर, चन्द्रकला तिवारी आदि मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

महिलाओं की मौत के बाद आखिर पकड़ी गयी मादा गुलदार, नरभक्षी होने की पुष्टि अभी शेष

नैनीताल। नैनीताल जनपद के भीमताल क्षेत्र में 10 दिनों के भीतर एक किशोरी सहित तीन महिलाओं को मार डालने वाले नरभक्षी हिंसक वन्य जीव को पकड़े जाने के कार्य में वन विभाग को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। सोमवार मध्य रात्रि के बाद करीब एक बजे विभाग के विशेषज्ञों और कर्मचारियों की टीम ने एक बाघिन को नौकुचियाताल के जंगलिया गांव के पास के जंगल से ट्रेंकुलाइज यानी बेहोश कर कब्जे में कर लिया है। बाघिन की उम्र करीब डेढ़ वर्ष बताई जा रही है। इस बाघ को 'लेडी किलर' भी कहा जा रहा है। हालांकि पकड़ी गई बाघिन नरभक्षी है या नहीं, इसकी पुष्टि नहीं हुई है। इसके लिये उसकी और मृतकों के नमूनों के डीएनए की जांच करायी जायेगी। इसके लिये विभाग के विशेषज्ञों ने बाघिन के नमूने ले लिए हैं। जिनको जांच के लिए भारतीय वन्यजीव संस्थान देहरादून भेजा जाएगा। पकड़ी गई बाघिन को रेस्क्यू हेतु रानीबाग रेस्क्यू सेंटर ले जाया गया है। बताया गया है कि यह सफलता वन विभाग की बड़ोन क्षेत्र के वन क्षेत्राधिकारी नितिन पत व भवाली के विजय मेलकानी की टीम के हाथ रात्रि करीब एक बजे लगी। बेहोश बाघिन को जंगल से मुख्य मार्ग सेमधार तक पैदल लाने में सुरेंद्र पोखरिया, राकेश कुमार, मनोज कुमार व महेश चंद्र आदि ने पैदल ढोकर पहुंचाया। इस सफलता के पीछे नौली तोक निवासी पोखरिया परिवार तथा राकेश चंद्र पुत्र स्वर्गीय बालम राम, मनोज कुमार पुत्र स्वर्गीय बालम राम तथा महेश चंद्र पुत्र स्वर्गीय पनीराम आदि का भी योगदान रहा। ग्राम प्रधान राधा कुलियाल ने कहा कि जल्द ग्राम पंचायत जंगलियागांव के द्वारा इस सहयोग के लिए इन सभी को सम्मानित किया जाएगा। बाघ के पकड़े जाने के बाद स्थानीय लोगों के साथ प्रशासन ने भी राहत की सांस है, क्योंकि नये वर्ष पर क्षेत्र में बड़ी संख्या में पर्यटकों के आने की उम्मीद है। बाघ के आतंक से आम जन तो प्रभावित था ही। पर्यटन भी प्रभावित हो सकता था। साथ ही नरभक्षी के सक्रिय होने से किसी भी बड़ी घटना का भी भय बना हुआ था। इसलिये इसे पकड़ने के लिय वन विभाग पिछले दो हफ्तों से प्रयास कर रहा था।

गणतंत्र दिवस नई दिल्ली परेड में प्रतिभाग करेंगी देसंविवि की छात्राएं

हरिद्वार। भारत सरकार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की ओर से आयोजित गणतंत्र दिवस परेड शिविर 2024 में उत्तराखंड से कुल चार विद्यार्थियों का चयन हुआ है। इनमें देव संस्कृति विश्वविद्यालय की छात्राएं तनुजा रावत एवं वेदा देवी का नाम शामिल है। ये छात्राएं कर्तव्यपथ नई दिल्ली में मुख्य परेड में प्रतिभाग करेंगी। देव संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति डॉ. चिन्मय पण्ड्या ने कहा कि अनुशासन एवं मन में सकारात्मक विचार होने से शरीर को नई ऊर्जा मिलती है। देसंविवि के छात्र-छात्राएं निरंतर रचनात्मकता के साथ आगे बढ़ रहे है। प्रतिकुलपति डॉ. पण्ड्या ने देवभूमि उत्तराखंड की ओर से परेड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने हेतु छात्राओं को शुभकामनाएं दी। विदित हो कि प्री.आर.डी.परेड शिविर 20 से 29 नवंबर में देव संस्कृति विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया था। इस शिविर में छह राज्यों उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार एवं झारखण्ड के 200 राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवियों ने प्रतिभागिता किया था। इन 200 में से 40 विद्यार्थियों का चयन निर्दिष्ट मापदण्डों जैसे वजन, लंबाई, दौड़, परेड एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर मुख्य गणतंत्र दिवस परेड, नई दिल्ली के लिए किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. उमाकान्त इंदौलिया ने बताया कि पिछले लगभग 18 वर्षों से मुख्य गणतंत्र दिवस परेड, नई दिल्ली में प्रतिवर्ष देव संस्कृति विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का चयन होता आ रहा है। इस वर्ष तनुजा रावत एवं वेदा देवी का चयन ने इस गौरवमयी अध्याय को जारी रखा है। विवि परिवार ने तनुजा रावत एवं वेदा देवी को बधाई दी।

धामी बुधवार को चंपावत के एक दिनी दौरे पर

चंपावत/नैनीताल। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बुधवार को चम्पावत जिले के एक दिनी दौरे पर आ रहे हैं। इस दौरान वह विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। जिलाधिकारी नवनीत पांडे ने बताया कि मुख्यमंत्री सड़क मार्ग के जरिये 27 दिसंबर को अपराह्न 03.15 बजे विद्युत वितरण खण्ड कार्यालय परिसर, टनकपुर (चम्पावत) पहुचेंगे और नवसृजित विद्युत वितरण खंड, चंपावत के कार्यालय भवन का शिलान्यास एवं भूमि पूजन कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगे। इसके पश्चात मुख्यमंत्री टनकपुर के रामलीला मैदान में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा (ग्रामीण) में प्रतिभाग करेंगे। यहां से वह खटीमा के लिए रवाना हो जायेंगे।

कांग्रेस ने ओज़ोन परत में सुधार को बताया मनमोहन सरकार की देन

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने पराबैंगनी किरणों से पृथ्वी को नुकसान पहुंचाने वाली ओजोन परत 2040 तक दुनिया के ज्यादातर हिस्सों में 1980 के स्तर पर लाए जाने की संभावना से जुड़ी खबर पर खुशी जताई और कहा कि यह सब कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार की ओर से की गयी पहल से ही संभव हो सका है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश ने सोमवार को यहां जारी एक बयान में कहा कि पूरी दुनिया प्रदूषण, जैव विविधता के बढ़ रहे संकट और जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से चिंतित है लेकिन अच्छी खबर यह है कि जब लगता है कि पराबैंगनी किरणों से पृथ्वी को नुकसान पहुंचाने वाली ओजोन परत 2040 तक दुनिया के ज्यादातर हिस्सों में 1980 के स्तर पर बहाल हो जाएगी। उन्होंने कहा कि यह खुशी आने की वजह हाइड्रोफ्लोरोकार्बन की खपत और उत्पादन को कम करने के लिए 1989 का मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल को लागू करना है। इस प्रोटोकाल में अक्टूबर 2016 में महत्वपूर्ण संशोधन किए गए थे। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा,मुझे याद है कि भारत को इन संशोधनों पर सहमत होने में कितना समय लगा था। पहली सफलता 27 सितंबर, 2013 को अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और पूर्व प्रधान मंत्री डॉ मनमोहन सिंह के संयुक्त वक्तव्य में मिली थी भले ही हमारी आज की सरकार में बैठे लोगों ने तब इस मुद्दे पर भारत के रुख की आलोचना की लेकिन आज एक तरह से ओबामा-सिंह समझौते को दोहराया गया है।

पर्यटकों को खूब भा रहा है दयारा बुग्याल, सर्दियों में स्कीइंग और बर्फ का दीदार करने को बड़ी संख्या में पहुंचते हैं सैलानी

■ पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य ने पर्यटन से ढूंढा रोजगार, दर्जनों लोगों को घर बैठे मिल रहा रोजगार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में बर्फ की चादर ओढ़े दयारा बुग्याल (मखमली घास का मैदान) जन्नत से कम नहीं है। सर्दियों में यहां पर्यटक बड़ी संख्या में स्कीइंग और बर्फ का दीदार करने पहुंचते हैं। इससे आसपास के लोगों को रोजगार मिल रहा है। दयारा बुग्याल 30 वर्ग किमी में फैला हुआ है। इसमें सर्दियों में बर्फ की चादर बिछी हुई रहती है। बर्फ की चादर ओढ़े उत्तरकाशी जिले का दयारा बुग्याल स्कीइंग व साहसिक पर्यटन के लिए जाना जाता है। उत्तरकाशी जनपद में स्थित विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल दयारा बुग्याल के बेस कैंप रैथल गांव से सटे नटीन गांव में पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य निवासी राजकेन्द्र थनवाण ने पर्यटन को देखते हुए वर्ष 2018 में नटीन गांव में एक होटल का निर्माण किया था। उस समय वहां से बहुत कम ही पर्यटन दयारा बुग्याल का जाते थे, लेकिन उनका कहना है कि तब मुझे लगता था कि जो मैंने सरकार की योजनाओं के माध्यम से लोन लेकर होटल बनाया है क्या समय से उसकी किस्से अदा कर पाऊंगा? उन्होंने रात- दिन मेहनत करते हुए सोशल मीडिया व इंटरनेट एवं अन्य माध्यमों से दयारा बुग्याल सहित होटल का प्रचार-प्रसार किया और आज नटीन गांव से इतने सैलानी पहुंच है न अब मैं पुनः एक ओर होटल का निर्माण शुरू किया है और आज मुझे घर बैठे रोजगार मिला हुआ है। साथ ही क्षेत्र के लोगों को भी गाड़ियों,खचरों, पोटरों एवं अन्य माध्यम से रोजगार दे रहा हूं। इसको देखकर मुझे खुशी महसूस होती है। उन्होंने बताया कि मैंने क्षेत्र पंचायत सदस्य बनने के बाद यह निर्णय लिया की इस क्षेत्र में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं इससे क्षेत्र के असंख्य लोगों को रोजगार मिलेगा । हमारे पास इतनी संभावनाएं होने के बावजूद भी हम रोजगार के लिए भटक रहें हैं। तब मैंने यह निर्णय लिया में पर्यटन पर काम करुंगा और आज मुझे इसका फायदा मिल रहा है। उन्होंने बताया कि सर्दी में यहां इतने पर्यटक आते हैं कि मुझे अपने होटलों के अलावा अन्य जगह पर्यटकों की व्यवस्था करनी पड़ती है और लगभग हर सीजन में यहां पर्यटक ट्रैकिंग आते रहते हैं। अब में कुछ कम्पनियों के साथ मिलकर काम कर रहा हूं, जिससे ट्रैकिंग को लेकर अच्छे खासे पर्यटक दयारा बुग्याल में आ रहे हैं।

पैंतीस वर्ष से अधिक उम्र की गर्भवती महिलाओं में यकृत रोगों में भारी वृद्धि: विशेषज्ञ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

जालंधर। महामारी विशेषज्ञ डॉ नरेश पुरोहित ने मंगलवार को कहा कि गर्भवती महिलाओं में लिवर की बीमारियां जिस तेजी से बढ़ रही हैं, वह गहरी चिंता का विषय बनती जा रही है। पैंतीस वर्ष से अधिक उम्र की गर्भवती महिलाओं में इंट्राहेपेटिक कोलेस्टेसिस ऑफ प्रेग्नेंसी (आईसीपी) के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। गुरु राम दास यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज द्वारा अमृतसर में आयोजित 'लिवर विकारों में हालिया प्रगति' विषय पर एक कार्यशाला को संबोधित करने के बाद राष्ट्रीय एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (एनआईडीएसपी) के प्रधान अन्वेषक डॉ पुरोहित ने कहा कि बड़ी संख्या में ऐसी महिलायें हैं जिन्हें गर्भावस्था के इंट्राहेपेटिक कोलेस्टेसिस की समस्या हो सकती है। उन्होंने कहा कि कोलेस्टेसिस तीन प्रतिशत आबादी में देखा जाता है। पहले से लिवर की बीमारियों से पीड़ित उन्नत मातृ आयु वर्ग में 20 प्रतिशत की तेज वृद्धि हुई है। उन्होंने चेतावनी देते हुये कहा, अगर इंट्राहेपेटिक कोलेस्टेसिस का इलाज नहीं किया जाता है, तो नवजात शिशु समय से पहले प्रसव, सिजेरियन सेक्शन (सी-सेक्शन), श्वसन संकट सिंड्रोम, भ्रूण संकट और अस्पष्टीकृत अंतर्गर्भाशयी मौतों से पीड़ित हो सकते हैं। उन्होंने कहा, आम तौर पर, गर्भवती मातायें लक्षण-मुक्त हो सकती हैं, और अधिकांश में, गर्भावस्था के दौरान नियोजित यकृत कार्यों की जांच के दौरान जिगर की खराबी का पता चल जाता है। डॉ पुरोहित ने कहा, हालांकि, जब कोलेस्टेसिस बढ़ता है, तो शुरुआत में माताओं को पूरे शरीर में खुजली का सामना करना पड़ सकता है, खासकर हथेलियों और पैरों में। उनके पूरे शरीर पर दाने भी हो सकते हैं, जिससे खुजली, दाहिनी ओर ऊपरी पेट में दर्द होता है। उन्नत और अनुपचारित मामलों में, पीलिया और चेहरे का पीलापन बाधित होगा। उन्होंने आगाह किया कि गर्भवती महिलाओं के लिये नियमित स्वास्थ्य जांच कराना, उपचार योजनाओं का पालन करना और केवल डॉक्टर द्वारा बतायी गयी दवायें लेना समय की मांग है। महिलाओं को लिवर के कार्यों की निगरानी, उचित आहार, ऑब्सट्रक्टिव कोलेस्टेसिस का उपचार और भ्रूण की भलाई की निगरानी की आवश्यकता होती है क्योंकि यह गर्भवती महिलाओं को उच्च जोखिम वाली मां बनाता है।

बाबरी मस्जिद के पैरोकारों के हारने पर सुखबीर दुखी क्यों: प्रो चावला

अमृतसर। पंजाब की पूर्व मंत्री प्रो लक्ष्मीकांता चावला ने शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल द्वारा बाबरी मस्जिद को लेकर दिये बयान पर प्रतिक्रिया देते हुये कहा है कि बाबरी मस्जिद के पैरोकारों के हारने पर सुखबीर बादल दुखी न हों। उल्लेखनीय है कि श्री बादल ने बयान दिया था कि मुसलमान 18 प्रतिशत होने के बावजूद भी संगठित नहीं, इसलिये बाबरी मस्जिद की लड़ाई हार गये। प्रो चावला ने कहा कि श्री बादल को याद रखना होगा कि न यह लड़ाई किसी ने जीती है, न कोई हारा है। उच्चतम न्यायालय के निर्णय का सम्मान सभी पक्षों ने किया और शांतिपूर्वक हल निकल आया। राम मंदिर का भी निर्माण हो गया और मस्जिद बनाने के लिये भी सरकार ने अयोध्या में ही जमीन दे दी है, पर श्री बादल को यह बताना होगा कि यह मुसलमानों की संगठित शक्ति ही थी, जिसके कारण आज हम अपने गुरु पुत्रों को नींवों में चिनवाने का शहीदी दिन मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि औरंगजेब के जुल्म संगठित मुस्लिम शक्ति का भयानक नमूना था, जिसे हमारे करोड़ों देशवासियों ने भुगता। उन्होंने पूछा कि बाबा बंदा बहादुर जी का बंद किसने कटवाया था। बंदा बहादुर के पुत्र को उसकी गोद में ही काटकर उसका कलेजा बंदा बहादुर के मुंह में किसने डलवाया था। श्री गुरु तेग बहादुर जी को दिल्ली के चांदनी चौक में इसी विदेशी आक्रांताओं की शक्ति का ही दुष्परिणाम था। भाई मती दास, सती दास, भाई दयाला किसकी क्रूरता से शहीद हुये। मोतीराम मेहरा को जिन्होंने पूरे परिवार समेत कोल्हू में पीस दिया उसके लिये आंसू बहाने वाले सुखबीर बादल को सोचना चाहिये कि उसे क्या नाम दिया जाये।

जूना पीठाधीश्वर ने किया अखाड़ा परम्परा का अपमान : रविन्द्र पुरी

हरिद्वार। श्रीमहंत रविन्द्रपुरी महाराज ने कहा कि जूना पीठाधीश्वर के आचार्य पीठ पर आसीन होने के 25 वर्ष पूरे होने पर आयोजित किए गए कार्यक्रम में अखाड़ा परिषद को आमंत्रित नहीं किए जाने से समस्त अखाड़ा परिषद में रोष है। इससे अखाड़ा परंपरा का अपमान हुआ है। उन्होंने कहा कि आचार्य पीठ का अस्तित्व भी अखाड़ों से ही है। जूना पीठाधीश्वर के कार्यक्रम में जूना अखाड़े के पंचों और अखाड़े के महामंडलेश्वरों, जूना अखाड़े के सहयोगी आह्वान व अग्नि अखाड़े को भी आमंत्रित नहीं किया जाना बेहद खेदजनक है। संत परंपरा और सनातन धर्म संस्कृति की संवाहक अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद की अनदेखी किए जाने से सभी अखाड़ों के संतों में रोष है। श्रीमहंत रविंद्र पुरी ने कहा कि सन्यासी, बैरागी, निर्मल व उदासीन सभी तेरह अखाड़े उनकी आत्मा में बसते हैं। अखाड़ों का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। श्रीपंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन के कोठारी महंत राघवेन्द्र दास महाराज और श्री पंच निर्मोही अनी अखाड़े के सचिव महंत गोविंद दास महाराज ने कहा कि आचार्य परंपरा अखाड़ों से बनती है।

दो दिवसीय दत्तात्रेय सती मां अनसूया मेला पूजा अर्चना के साथ शुरू

गोपेश्वर। संतान दायिनी शक्ति शिरोमणि माता अनसूया का दो दिवसीय मेला विधि विधान और पूजा-पाठ के साथ सोमवार को शुरू हो गया। राज्यमंत्री चण्डी प्रसाद भट्ट एवं बीकेटीसी के उपाध्यक्ष किशोर पंवार ने मेले का शुभारंभ किया। दत्तात्रेय जयंती के अवसर पर क्षेत्र की सभी देवियों डोलियां भी सती मां अनसूया के दरवार पहुंची। मां अनसूया मंदिर में दत्तात्रेय जयंती पर संपूर्ण भारत से हर वर्ष निसंतान दंपत्ति और भक्तजन अपनी मनोकामना पूर्ण करने के लिए पहुंचते है। जिला प्रशासन ने मेले के दौरान पूरे पैदल मार्ग पर भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। गौरतलब है कि पौराणिक काल से दत्तात्रेय जयंती पर हर वर्ष सती माता अनसूया में दो दिवसीय मेला लगता है। मां अनुसूया मेले में निसंतान दंपत्ति और भक्तजन अपनी मनोकामना पूर्ण करने के लिए पहुंचते है। मान्यता है कि मां के दर से कोई खाली हाथ नहीं लौटता। मां सबकी झोली भरती है। इसलिए निसंतान दंपत्ति पूरी रात जागकर मां की पूजा अर्चना कर करते है।

भारतीय संस्कृति सिखाती है ज्ञान के प्रति प्रतिबद्धता : आरिफ मोहम्मद खान

■ त्रिदिवसीय वेद विज्ञान संस्कृति महाकुंभ सम्पन्न

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। वेद विज्ञान संस्कृति महाकुम्भ में केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि भारतीय संस्कृति ज्ञान के प्रति प्रतिबद्धता रखना सिखाती है। भारतीय संस्कृति विभेदकारी न होकर समावेशी है, क्योंकि इसमें आत्मा को आधार माना है।

राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने सोमवार को समापन सत्र में कहा कि गुरुकुल कांगड़ी मात्र एक विश्वविद्यालय नहीं है, बल्कि यह विश्वविद्यालय से बढ़कर है, क्योंकि यहां आत्मबोध की शिक्षा दी जाती है, इसलिए गुरुकुल पर बड़ी जिम्मेदारी है। भारतीय संस्कृति के वैभव पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति ने विश्व को नई दृष्टि दी है, क्योंकि इसने मानवता का दिव्यताकरण और दिव्यता का मानवीयकरण करने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि ज्ञान की सभी शाखाओं में आध्यात्मिक दृष्टिकोण भारतीय ज्ञान परंपरा की देन है और हमें इस विरासत पर गर्व होना चाहिए। वेद विज्ञान संस्कृति महाकुम्भ के संरक्षक डॉ. सत्यपाल सिंह ने कहा कि स्वामी दयानंद ने ईश्वर, वेद और सत्य के लिए अपने जीवन को देश को समर्पित किया था तथा उनके शिष्य स्वामी श्रद्धानन्द ने देश की चेतना में भारतीयता के बीज रोपित किए आजादी का आंदोलन में स्वामी श्रद्धानन्द की अग्रणी भूमिका थी। डॉ. सत्यपाल सिंह ने कहा कि स्वामी दयानंद ने देश में पाखंड खंड़िनी पताका फहराया और स्वामी स्वामी श्रद्धानन्द ने जामा मस्जिद को वेद मंत्रों से गुंजायमान कर दिया था। कार्यक्रम में पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि महापुरुष संसार की विकृति से प्रेरित होकर सृजन करने का कार्य करते हैं ऐसा ही कार्य स्वामी दयानंद और स्वामी श्रद्धानन्द ने किया था उन्होंने समाज को अपने तपोबल से नई दिशा दिखायी। आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि हमें स्वामी श्रद्धानन्द का अनुगामी बनाना चाहिए और अनुगामी बनने के लिए साधन नहीं समर्पण की आवश्यकता है। हरिद्वार सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक ने कहा कि वेद के ज्ञान से ही सम्पूर्ण विश्व में सुख, शांति और समृद्धि संभव है। पश्चिम की संस्कृति दुनिया को बाजार मानती है और हमें विश्व को एक परिवार माना है यह भेद हमें दुनिया से भिन्न करता है। उन्होंने कहा कि भारत की ज्ञान की महाशक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है गुरुकुल कांगड़ी मानव चरित्र निर्माण का कार्य करता है इसलिए नई शिक्षा नीति के क्रियान्वन में गुरुकुल अन्य विश्वविद्यालयों का नेतृत्व करेगा। कुलपति प्रो. सोमदेव शतांशु ने कहा कि वैदिक ज्ञान विज्ञान और वेद के वास्तविक स्वरूप की स्थापना स्वामी दयानंद ने की थी वसुधैव कुटुम्बकम् वेद की मूल भावना है यह मनुष्य बनने की प्रेरणा देता है। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने सांसद डॉ. सत्यापल सिंह के जीवन पर केनद्रित डॉ. सत्यपति तिवारी की लिखित पुस्तक सत्य का विमोचन किया। इस अवसर पर प्रो. ब्रह्मदेव के संपादन में निकलने वाली शोध पत्रिका गुरुकुल पत्रिका के नूतन अंक का विमोचन भी किया गया।

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।

समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063